निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

• 29 मई 2025 गुरुवार • बोकारो संस्करण • वर्ष : 09 • अंक : 11 • पृष्ठ : 13 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

देश और दुनिया के इतिहास में आज की प्रमुख घटनाएं

1968 : दारा सिंह ने पहलवानी में विश्व चैंपियनशिप अपने नाम की।
1970 : सोवियत संघ ने भूमिगत परमाणु परीक्षण किया।
1987 : भारत के पांचवें प्रधानमंत्री एवं किसानों के प्रखर नेता चौधरी चरण सिंह का निधन।
2007 : जापान की रियो मोरी मिस यूनिवर्स बनीं।
1999 : नाइजीरिया में नागरिक सत्ता की स्थापना हुई।
1999 : 'डिस्कवरी' अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केन्द्र से जुड़ा। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाला पहला अंतरिक्ष यान था।

केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने किसानों के लिए लिया बड़ा फैसला

धान समेत 14 फसलों का समर्थन मूल्य बढ़ा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नयी दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट की बुधवार को हुई बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए हैं। सरकार ने किसानों को सौगात देते हुए एमएसपी में 50 फीसदी की बढ़ोत्तरी की है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि किसानों के लिए एक बड़ा फैसला लिया गया है। पिछले 10-11 वर्षों में खरीफ फसलों के लिए एमएसपी में भारी बढ़ोतरी की गई है। खरीफ विपणन सीजन 2025-26 के लिए एमएसपी को कैबिनेट द्वारा मंजूरी दी गई है। कुल राशि लगभग 2,07,000 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। सरकार ने बुधवार को 2025-26 खरीफ विपणन सत्र के लिए धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 3 प्रतिशत बढ़ाकर 2,369 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक

मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने इस संबंध में निर्णय लिया। आगामी फसल वर्ष 2025-26 (जुलाई-जून) के खरीफ सत्र के लिए सामान्य और ए ग्रेड धान की किस्मों का समर्थन मूल्य 69 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाकर क्रमशः 2,369 रुपये और 2,389 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। दालों में अरहर का समर्थन मूल्य 450 रुपये बढ़ाकर 8,000 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है जबकि उड़द का एमएसपी 400 रुपये बढ़ाकर 7,800 रुपये प्रति क्विंटल और मूंग का एमएसपी 86 रुपये बढ़ाकर 8768 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं को बताया कि सरकार ने 2025-26 के लिए खरीफ फसलों के एमएसपी में वृद्धि की है ताकि उत्पादकों को उनकी उपज के लिए लाभकारी मूल्य सुनिश्चित किया जा सके। पिछले वर्ष की तुलना में एमएसपी में सबसे अधिक वृद्धि नाइजरसीड के लिए की गई है। इसके बाद रागी, कपास और तिल का स्थान आता है। सरकार ने बुधवार को संशोधित ब्याज सहायता योजना (एमआईएसएस) को 2025-26 के लिए जारी रखने को मंजूरी दे दी, जिसके तहत किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के माध्यम से सस्ती दर पर अल्पकालिक ऋण मिलता है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि मौजूदा 1.5 प्रतिशत ब्याज सहायता के साथ वित्त वर्ष 2025-26 के लिए एमआईएसएस को जारी रखने का निर्णय केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा लिया गया। इस योजना को जारी रखने से सरकारी खजाने पर 15,640 करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा।

रेलवे की दो प्रमुख लाइनें होंगी फोर लेन

नई दिल्ली(नबिटा ब्यूरो)। रेल मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री गति शक्ति मास्टर प्लान के अंतर्गत रेलवे नेटवर्क के सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक बड़ा निर्णय लिया गया है। कैबिनेट ने दो प्रमुख रेलवे लाइनों-रतलाम-नागदा सेक्शन और वर्धा-बल्लारशाह सेक्शन के चौगुनीकरण (चार लाइनिंग) की स्वीकृति दी है, जिससे यातायात सुगमता और मालवहन की क्षमता में महत्वपूर्ण वृद्धि होगी।रतलाम-नागदा सेक्शन, जिसकी लंबाई 41 किलोमीटर है, का चार-लाइनिंग किया जाएगा। इस परियोजना पर अनुमानित लागत 1,018 करोड़ आएगी और इसके तीन से चार वर्षों में पूर्ण होने की संभावना है। दूसरी परियोजना में दिल्ली-चेन्नई ट्रंक कॉरिडोर का एक अहम हिस्सा, वर्धा से बल्लारशाह तक की 135 किलोमीटर लंबी लाइन का भी चार-लाइनिंग किया जाएगा। इसकी अनुमानित लागत ?2,381 करोड़ है। यह परियोजना उत्तर और दक्षिण भारत को जोड़ने वाले संपर्क मार्ग को और सुदृढ़ बनाएगी। साथ ही, इससे अनेक औद्योगिक क्षेत्रों, ताप विद्युत संयंत्रों और बंदरगाहों तक रेल पहुंच बेहतर होगी।

20 जिलों में ग्रामीण सड़कों व पुलों के निर्माण के लिए 367 करोड़ के डीपीआर को स्वीकृति

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। केंद्र सरकार ने बिहार के चंपारण, बांका, पटना समेत बिहार के 20 जिलों में ग्रामीण सड़कों और पुलों के निर्माण के लिए 367 करोड़ रुपये की योजना के डीपीआर को स्वीकृति दी है। इससे लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बताया कि पश्चिम चंपारण जिले के रामनगर प्रखंड में नारा नदी पुल से खतौनी रोड तक 268.32 मीटर लंबे आरसीसी पुल के निर्माण के लिए 23 करोड़ 60 लाख 79 हजार रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-तीन अंतर्गत ग्रामीण विकास मंत्रालय ने बिहार के अररिया, अरवल, औरंगाबाद, बांका, बेगूसराय, भोजपुर, सारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, कटिहार, खगड़िया, किशनगंज, मधेपुरा, मुजफ्फरपुर, पटना, समस्तीपुर, शिवहर, सीतामढ़ी, वैशाली और पश्चिम चंपारण सहित कुल 20 जिलों

■ आरसीसी पुल के निर्माण के लिए 23 करोड़ 60 लाख 79 हजार रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति

में ग्रामीण पथों और पुलों के निर्माण के लिए डीपीआर को स्वीकृति दी गई है। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार ने राज्य को कुल 5 ग्रामीण सड़कें (33.65 किमी) और 103 पुल (3891.71 मीटर) के निर्माण के लिए 367.94 करोड़ रुपये (तीन सौ सड़सठ करोड़ चौरानवे लाख रुपये) की परियोजनाओं को स्वीकृति दी है। 367.94 करोड़ रुपये की योजना में राज्य के हिस्से के तहत बिहार सरकार 153.94 करोड़ रुपये (एक सौ तिरेपन करोड़ चौरानवे लाख रुपये) का खर्च वहन करेगी। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार की यह पहल गांवों को शहरों से जोड़ने की दिशा में एक सशक्त कदम है।

वित्त आयोग का झारखंड दौरा : तैयारी में जुटी राज्य सरकार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। वित्त आयोग के समक्ष झारखंड की ओर से रखी जानी वाली मांग को लेकर कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवास में बैठक हुई। इस दौरान मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर एवं वरीय अधिकारियों के द्वारा 16वें वित्त आयोग की टीम के झारखंड दौरे के मद्देनजर राज्य सरकार की ओर से की गई तैयारियों से अवगत कराया गया। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग से मिली जानकारी के अनुसार बैठक में मुख्यमंत्री ने 16वें वित्त आयोग की टीम के साथ आगामी 30 मई को रांची में राज्य सरकार के सभी मंत्रियों एवं अधिकारियों के साथ होनेवाली महत्वपूर्ण बैठक को लेकर विस्तार से चर्चा की। बता दें कि वित्त आयोग के साथ होनेवाली बैठक में राज्य की वित्तीय स्थिति, प्रबंधन, अनुदान की राशि के खर्च करने का विवरण, केंद्रीय सहायता राशि का उपयोग सहित कई अन्य विषयों पर चर्चा होगी। राज्य सरकार द्वारा सामाजिक एवं आर्थिक

सशक्तिकरण के क्षेत्र में हो रहे विकासात्मक कार्यों की पूर्ण जानकारी वित्त आयोग को दी जाएगी। वित्त आयोग की टीम के समक्ष कृषि कार्य हेतु राज्य में सिंचाई जल संग्रहण, विद्यार्थियों में क्वालिटी एजुकेशन, आम जनमानस को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करना, इंफ्रास्ट्रक्चर, पर्यटन के क्षेत्र में बढ़ावा राज्य सरकार की प्राथमिकता होगी। इसके लिए सभी सेक्टर के आउटपुट पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत की जाएगी। इस बैठक में राज्य सरकार 16वें वित्त आयोग की टीम को एक ज्ञापन भी सौंपेगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बैठक में अधिकारियों से कहा कि वित्त आयोग की टीम के समक्ष राज्य के विकास का रोडमैप रखें। उन्होंने कहा कि राज्य के भीतर शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में भी विकास की रफ्तार तेज हो, इस उद्देश्य के साथ हमारी सरकार निरंतर आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि राज्य में कई ऐसे सेक्टर हैं, जिस पर अधिक फोकस करने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वित्त आयोग के समक्ष राज्य सरकार की सिफारिश ऐसी हो, जिससे सभी वर्ग-समुदाय के लोगों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके। बता दें कि चार दिवसीय दौरे पर झारखंड पहुंची वित्त आयोग की टीम 29 मई को देवघर दौरे पर रहेगी। जहां बाबा बैद्यनाथ धाम मंदिर में पूजा-अर्चना के पश्चात प्रमंडल स्तरीय स्थानीय निकाय के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करेगी। 30 मई को रांची में स्थानीय निकायों, ट्रेड इंडस्ट्री, चैंबर ऑफ कॉमर्स के प्रतिनिधियों के साथ मुलाकात करेगी। इसके बाद राज्य सरकार के सभी मंत्रियों एवं अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आहूत की गई है। इस बैठक में राज्य की वित्तीय स्थिति, आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी।

सर्च अभियान के दौरान भारी मात्रा में बम और हथियार बरामद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

लातेहार। जिला पुलिस ने नक्सलियों के नापाक मंसूबे को ध्वस्त करते हुए भारी मात्रा में बम और हथियार बरामद किए हैं। जिसमें सुरक्षा बलों ने सर्च ऑपरेशन के दौरान आईईडी के साथ साथ भारी मात्रा में हथियार बरामद किए हैं। पुलिस ने नेतरहाट थाना क्षेत्र के टूटापानी जंगल से लगभग 8 आईईडी बम, 1 अत्याधुनिक राइफल, 1 कार्बाइन, लगभग 269 जिंदा गोलियां समेत भारी मात्रा में नक्सलियों के समान बरामद किए हैं। लातेहार एसपी कुमार गौरव ने बताया कि नक्सलियों के द्वारा पुलिस को नुकसान पहुंचाने के लिए बम लगाए गए थे। परंतु पुलिस और सुरक्षा बलों ने नक्सलियों की योजना को असफल कर दिया। दरअसल, लातेहार के दौना गांव के पास दो दिन पूर्व पुलिस ने नक्सलियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए नक्सली कमांडर मनीष यादव को मार गिराया था। वहीं नक्सली कमांडर कुंदन खरवार को गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद पुलिस के द्वारा लगातार

इलाके में सर्च अभियान चलाई जा रही थी। इस सर्च अभियान के दौरान बुधवार को पुलिस ने नेतरहाट थाना क्षेत्र के टूटा पानी जंगल में आईईडी बम लगा हुआ पाया। पुलिस और सुरक्षा बलों ने इस दौरान आठ बम बरामद किए। वहीं थोड़ी दूर पर गड्ढे में छुपाए गए हथियार और जिंदा गोलियां भी बरामद हुईं। बरामद बम को पुलिस ने बम निरोधक दस्ते की मदद से जंगल में ही विस्फोट का नष्ट कर दिया। पुलिस और सुरक्षा बलों के द्वारा पूरे इलाके में लगातार छापामारी अभियान चलाई जा रही है। लातेहार एसपी कुमार गौरव ने बताया कि पुलिस के द्वारा लगातार नक्सलियों के खिलाफ छापामारी अभियान चलाई जा रही थी। नक्सलियों के द्वारा पुलिस को नुकसान पहुंचाने के लिए ही जंगल में बम लगाए गए थे। परंतु पुलिस और सुरक्षा बलों ने नक्सलियों की योजना पर पानी फेर दिया और सारे बम को विस्फोट का निष्क्रिय कर दिया। एसपी ने बताया कि पुलिस और सुरक्षा बलों के द्वारा पूरे इलाके में लगातार छापामारी अभियान चलाई जा रही है। नक्सलियों के संपूर्ण खात्मे तक अभियान जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में सक्रिय नक्सलियों के पास अभी भी समय है कि वे सरकार की आत्मसमर्पण नीति का लाभ लेते हुए खुद आत्मसमर्पण कर दें। सरेंडर करने

एलआइसी ने किया शानदार प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मुंबई। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआइसी) ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अपने एकल और समेकित वित्तीय परिणामों की घोषणा की, जिसमें कर के बाद लाभ 18.38 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 48,151 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। पिछले वर्ष यह लाभ 40,676 करोड़ रुपये रहा था। निदेशक मंडल ने इस वर्ष के लिए प्रति शेयर 12 रुपये के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है। इस सम्बन्ध में मुख्य कार्यकारी एवं प्रबंध निदेशक सिद्धार्थ महान्ति ने कहा कि वर्ष 2024-25 हमारे लिए रोमांचक और चुनौतीपूर्ण दोनों रहा। विनियामक परिवर्तनों के बीच उत्पादों को फिर से डिजाइन कर हमने लगातार नवाचार किया। हमें गर्व है कि इस वर्ष हमने 62,495 करोड़ रुपये का व्यक्तिगत नव व्यवसाय प्रीमियम अर्जित किया, वीएनबी 10,011 करोड़ रुपये रहा और नॉन-पार हिस्सेदारी 27.69 प्रतिशत तक पहुंची। पॉलिसीधारकों को 56,190.24 करोड़ रुपये का बोनस देना हमारे प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हम लाभकारी विकास के प्रति समर्पित हैं। विदित हो कि बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) के अनुसार पहली वर्ष की प्रीमियम आय के आधार पर एलआईसी की बाजार हिस्सेदारी 57.05 प्रतिशत रही जिससे यह सार्वजनिक जीवन बीमा क्षेत्र की निर्विवाद अग्रणी कंपनी बनी रही। व्यक्तिगत जीवन बीमा व्यवसाय में एलआईसी की हिस्सेदारी 37.46 प्रतिशत और समूह व्यवसाय में 71.19 प्रतिशत रही। वित्त वर्ष 2025 में कुल प्रीमियम आय 4,88,148 करोड़ रुपये रही, जबकि पिछले वर्ष यह 4,75,070 करोड़ रुपये थी, जो 2.75 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाती है। व्यक्तिगत व्यवसाय से प्राप्त कुल प्रीमियम 5.03 प्रतिशत बढ़कर 3,19,036 करोड़ रुपये हो गया। हालांकि, इस दौरान व्यक्तिगत बीमा पॉलिसियों की संख्या में 12.80 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। वर्ष 2025 में 1,77,82,975 पॉलिसियां बेची गईं, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या 2,03,92,973 थी। एलआईसी ने नॉन-पार (गैर-भागीदारी) उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करते हुए व्यक्तिगत व्यवसाय में महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की। एपीई (वार्षिक अधिमूल्य समकक्ष) के आधार पर, नॉन-पार एपीई 50.28 प्रतिशत बढ़कर 10,581 करोड़ रुपये रही।

गोड्डा के राजमहल कोल परियोजना में फायरिंग

60 राउंड फायरिंग, धमाके और आग लगाने की कोशिश, डंपर ऑपरेटर घायल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गोड्डा। गोड्डा जिले की ईसीएल राजमहल कोल परियोजना में मंगलवार-बुधवार की देर रात असामाजिक तत्वों ने दहशत फैला दी। तेलझरी साइड में करीब रात 2:30 बजे 20 से 25 की संख्या में पहुंचे बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की और विस्फोट कर खदान क्षेत्र में अफरा-तफरी मचा दी। इस घटना में डंपर ऑपरेटर दीपक कुमार मंडल घायल हो गया है। उसके दाएं कान और हाथ में शीशे के टुकड़े लगने से गंभीर चोटें आई हैं। उन्हें तत्काल ईसीएल अस्पताल ऊर्जानगर में भर्ती कराया गया है।
घटना के चश्मदीद डंपर ऑपरेटर लाल मुर्मू और राजेश महतो ने बताया कि वे

ड्यूटी के दौरान रेस्ट टाइम पर थे, तभी 20-25 की संख्या में अज्ञात बदमाश आए और अचानक फायरिंग शुरू कर दी। उन्होंने बताया कि बदमाशों ने करीब 50-60 राउंड गोलियां चलाईं और विस्फोटक से धमाके किए। हमलावरों ने डंपर में पेट्रोल डालकर उसे आग लगाने की भी कोशिश की, हालांकि समय रहते आग नहीं पकड़ सकी और बड़ा हादसा टल गया। इस घटना से खदान में काम कर रहे कर्मचारियों में डर का माहौल है। सुबह की शिफ्ट में आए डंपर ऑपरेटरों ने सुरक्षा की मांग को लेकर काम रोक दिया। उनका कहना है कि जब तक सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं किए जाते, तब तक काम शुरू नहीं करेंगे। कर्मचारियों ने प्रबंधन और पुलिस से जल्द कार्रवाई की मांग की है। घटना की सूचना मिलते ही महागामा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) चंद्रशेखर आजाद मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि ईसीएल के काम को बाधित करने के उद्देश्य से इस तरह की साजिश रची गई है। प्रारंभिक जांच में असामाजिक तत्वों की संलिप्तता सामने आ रही है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय सूचना के आधार पर बदमाशों की पहचान में जुटी है।

अपराधियों ने की दो लोगों की हत्या

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

समस्तीपुर। जिले में कल रात अलग-अलग हुई घटनाओं में एक वृद्ध समेत दो लोगों की हत्या कर दी गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि जिले के दलसिंहसराय थाना क्षेत्र के अजनौल खोसहा गांव में आपसी विवाद के कारण 65 वर्षीय वृद्ध शिवजी राय की पीट-पीटकर कर हत्या कर दी गई। हत्या के विरोध में आक्रोशित ग्रामीणों ने जिले के दलसिंहसराय-मंसूरचक मुख्य मार्ग को शव के साथ घंटों जाम कर यातायात बाधित किया। इधर जिले के हलई ओपी थाना क्षेत्र के इन्द्रवाड़ा गांव के एक खेत से पुलिस ने 35 वर्षीय युवक का शव बरामद किया है। उसकी गोली मारकर हत्या कर दी गई है। घटना बाद से परिजनों में मातम का माहौल है।

56 वर्षीय गंगा उरांव ने मैट्रिक परीक्षा पास की

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

खूंटी। किसी ने ठीक ही कहा है पढ़ाई की कोई उम्र नहीं होती है। गंगा उरांव ने इसे चरितार्त्र कर दिखाया है। 56 वर्ष की उम्र में मैट्रिक परीक्षा पास किया है। गंगा उरांव खूंटी सदर प्रखंड के कालामाटी गांव निवासी हैं। वो डीएसई कार्यालय में दैनिक वेतन पर चपरासी के पद पर कार्यारत हैं। उन्होंने बिरसा उच्च विद्यालय चलागी खूंटी से परीक्षा दी थी। 47.2 प्रतिशत अंक लाकर वो मैट्रिक की परीक्षा में उतीर्ण हुए हैं। गंगा उरांव ने बताया कि गरीबी की वजह से वह मैट्रिक परीक्षा नहीं दे पाए थे। जब वे नौवीं क्लास में थे तब उनके परिवार की माली हालत उतनी अच्छी नही थी, जिसके कारण दसवीं बोर्ड के रजिस्ट्रेशन के लिए महज 40 रूपये नही भर पाने के कारण परीक्षा से वंचित रह गए थे। गंगा उरांव ने बताया कि वे डीएसई

मिठाई खिलाते परिजन

कार्यालय में 16 साल से दैनिक वेतनभोगी के रूप में चपरासी के पद पर काम कर रहे हैं। इसके एवज में उन्हे करीब नौ हजार रूपये मिलते हैं वे अपनी नौकरी स्थायी हो इसके लिए लगातार कई सालों से गुजारिश करते आ रहे हैं। लेकिन अधिकारी मैट्रिक पास नहीं होने का हवाला दे उनकी मांगों को हमेशा टाल दिया करते थे। इसी के बाद उन्हेंने मैट्रिक पास होने के लिए प्रयास शुरू कर दिए। अंततः उन्हे सफलता मिल गयी। अब उन्हें उम्मीद है कि उनकी नौकरी स्थायी हो जाएगी। गंगा उरांव के घर में बुढ़ी मां 80 वर्षीय हीरामनी देवी एवं पत्नी चारी उरांव हैं। उनकी चार बेटियां हैं और चारों की शादी भी कर दी है। उनके मैट्रिक पास होने की खबर से उसका पूरा परिवार खुश है।

FOR REGISTRATION : ISO, TRADE MARK, PATENT
DESIGN AND COPYRIGHT, ATTORNEY
GLOBAL VISION
(A Complete Solution in Professional Services)
: Regd. Office/ Head Office :
Manaitand, Near Water Tank
Dhanbad, Jharkhand- 826001
Command Office : Jagat Trade Centre, Patna
Contact No.- 9835333441, 8210823092
E-Mail : globalvision96@yahoo.in

संक्षिप्त समाचार

शिक्षा विभाग के क्लर्क 50 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जहानाबाद, एजेंसी। जहानाबाद में निगरानी विभाग ने शिक्षा विभाग के डीईओ कार्यालय में क्लर्क को 50 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। प्रधान सहायक लक्ष्मण यादव ने कदौल संस्कृत विद्यालय के शिक्षक कौशल किशोर के बकाया वेतन और पीएफ के भुगतान के लिए यह रिश्वत मांगी थी। पटना के

जीनपुरा गांव निवासी कौशल किशोर का लगभग 20 लाख रुपए का वेतन और पीएफ बकाया था। क्लर्क ने इस राशि के भुगतान के लिए 10ब्र की मांग की थी। पीड़ित शिक्षक ने 26 तारीख को निगरानी विभाग में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर निगरानी डीएसपी सुधीर कुमार के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। टीम ने मंगलवार को डीईओ कार्यालय में छापेमारी कर क्लर्क को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया। छापेमारी से कार्यालय में हड़कंप मच गया।
घूसखोरों की शिकायत करने की अपील
निगरानी विभाग लगातार घूसखोरों के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है। कुछ दिन पहले भी एक ब्लॉक के क्लर्क को गिरफ्तार किया गया था। विभाग ने लोगों से अपील की है कि काम के बदले पैसों की मांग करने वालों की शिकायत निगरानी विभाग से करें।

समस्तीपुर में आपसी विवाद में 2 गुट भिड़े: पीट-पीटकर बुजुर्ग की हत्या

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर में आपसी विवाद में 2 गुट आपस में भिड़ गए। इस दौरान पीट-पीटकर एक बुजुर्ग की हत्या कर दी गई। विरोध में परिजनों ने दलसिंहसराय-मंसूरचक रोड को जाम कर दिया। मृतक की पहचान शिवजी राय (68) के तौर पर हुई है। घटना अंजनौल पंचायत के खोसहा गांव की है।
ग्रामीणों ने बताया कि सोमवार को शिवजी राय के बेटे और पड़ोसी वासो राय के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। मंगलावर को विवाद सुलझाने के लिए पंचायत बैठी थी। इस बीच दोनों पक्षों के बीच फिर से मारपीट शुरू हो गई। दूसरे पक्ष के लोगों ने शिवजी राय पर की पिटाई कर दी। मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी परिवार मौके से फरार हो गया।
आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी
मामले की सूचना पर थानाध्यक्ष मो. इरशाद आलम और डीएसपी विवेक कुमार शर्मा मौके पर पहुंचे। डीएसपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पीट-पीटकर बुजुर्ग की हत्या का बात सामने आ रही है। विवाद का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। छानबीन की जा रही है। जल्द ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा। गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

माले सांसदों ने की नहरों तक पानी पहुंचाने की मांग

सासाराम (रोहतास), एजेंसी। सासाराम में माले के दो सांसदों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगामी बिहार दौरे से पहले अपनी मांगें रखी हैं। कुशवाहा सभा भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में काराकाट के सांसद राजाराम सिंह और आरा के सांसद सुदामा प्रसाद मौजूद थे। राजाराम सिंह ने कहा कि शाहाबाद क्षेत्र में प्रधानमंत्री का स्वागत है। उन्होंने नहरों के अंतिम छोर तक पानी पहुंचाने की मांग की। साथ ही, असिंचित क्षेत्रों में कृषि

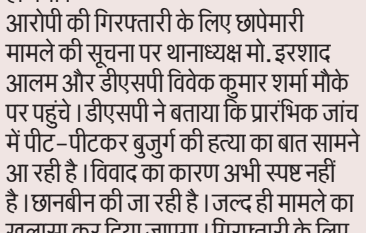

यंत्रों के माध्यम से सिंचाई और किसानों को मुफ्त बिजली की मांग भी रखी। सांसद सुदामा प्रसाद ने कहा कि वे परंपरा के अनुसार प्रधानमंत्री का स्वागत करेंगे। उन्होंने सरकार से किसानों के लिए योजनाओं में पारदर्शिता की मांग की। सोन और गंगा के तराई इलाकों में सिंचाई व्यवस्था को सुधारने की आवश्यकता जताई। साथ ही रेल और हवाई परियोजनाओं के विकास पर भी जोर दिया।
मांग पूरी नहीं करने पर दी चेतावनी- सांसदों ने चेतावनी दी कि अगर समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आगामी विधानसभा चुनाव में रोहतास, कैमूर, बक्सर, भोजपुर, औरंगाबाद और अरवल जिलों में भाजपा गठबंधन को हार का सामना करना पड़ सकता है।

भाजपा ने की बूथ सशक्तीकरण की समीक्षा

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। भाजपा पूर्वी मंडल कार्य समिति की बैठक में मंगलवार को बूथ सशक्तीकरण की समीक्षा की गई। इससे पहले कार्य समिति की बैठक में आपरेशन सिंदूर की सफलता से लोगों को अवगत कराने का निर्णय लिया गया। जगेश्वर पंडित की अध्यक्षता में बैठक के दौरान पार्टी के ढाका प्रभारी अजय कुमार ने अपनी बातें रखीं।

मॉडल अस्पताल में 10, सीएचसी में 5-5 बेड के वार्ड: नालंदा में कोरोना वायरस को लेकर अलर्ट

सीएस ने कहा- घबराने की जगह सतर्कता जरूरी

नालंदा, एजेंसी। देश में कोविड-19 के बढ़ते मामलों को देखते हुए बिहार सरकार ने राज्य में कोरोना वायरस की संभावित वापसी के लिए व्यापक तैयारी शुरू कर दी है। नालंदा सिविल सर्जन डॉ. जितेंद्र कुमार सिंह और जिला स्वास्थ्य समिति के डीपीएम श्याम कुमार निर्मल ने स्वास्थ्य अधिकारियों को तत्काल अस्पतालों में विशेष व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं।

सरकारी निर्देशों के अनुसार, सदर अस्पतालों में 10 बेड के विशेष कोविड वार्ड और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में 5-5 बेड के अलग वार्ड तैयार किए जा रहे हैं। यह व्यवस्था पिछली कोविड लहरों के दौरान मिले अनुभव के आधार पर की जा रही है, जब बेड की भारी कमी का सामना करना पड़ा था। सिविल सर्जन डॉ. जितेंद्र कुमार सिंह ने प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने अस्पतालों में वार्ड, बेड, आवश्यक दवाइयां, जांच सुविधाएं और सबसे महत्वपूर्ण ऑक्सीजन की व्यवस्था को तत्काल दुरुस्त करें।

सिविल सर्जन का कहना है कि राज्य में कोरोना ने दस्तक दे दी है और इसके दो नए वेरिएंट की पुष्टि हो चुकी

है। हालांकि उन्होंने जनता से घबराने की बजाय सतर्कता बरतने की अपील की है। जिला स्तर पर हर स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

ऑक्सीजन व्यवस्था पर विशेष ध्यान

डीपीएम श्याम कुमार निर्मल ने बताया कि सभी अस्पतालों को ऑक्सीजन कंसंट्रेटर मशीनों की तत्काल जांच और मरम्मत के आदेश दिए गए हैं। यह कदम पिछली कोविड लहरों के दौरान ऑक्सीजन की भारी कमी को देखते हुए उठाया गया है। सभी मशीनों को चालू अवस्था में रखा जाएगा ताकि आपातकाल की स्थिति में तत्काल उपयोग किया जा सके। वर्तमान में जिला में कोविड के लक्षण वाला कोई भी मामला सामने नहीं आया है, लेकिन सरकार पूर्व तैयारी में जुटी है। जल्द ही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में कोरोना जांच की व्यवस्था शुरू की जाएगी। पावापुरी मेडिकल कॉलेज में आरटीपीसीआर जांच की व्यवस्था पहले से मौजूद है और अब जांच किट खरीदने के आदेश दे दिए गए हैं। इससे संदिग्ध मामलों का तत्काल परीक्षण संभव हो सकेगा।

पूर्णिया में रिसेप्शन पार्टी में हर्ष फायरिंग, एक आरोपी की पहचान

ताबड़तोड़ फायरिंग का वीडियो आया सामने, केस दर्जकर छानबीन में जुटी पुलिस

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में रिसेप्शन पार्टी के दौरान जमकर फायरिंग की गई। 56 सेकंड का एक वीडियो सामने आया है। जिसके आधार केस दर्जकर पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। दावा किया जा रहा है कि 10 से अधिक राइफलधारियों ने दर्जनों राउंड फायरिंग की है। मामला के. नगर ब्लॉक के बेला रिकाबगंज पंचायत के बाघमारा गांव का है।

रिसेप्शन पार्टी में फायरिंग

वीडियो में दिख रहे एक बंदूकधारी की पहचान छोटू यादव के तौर पर हुई है। जो शहर के मधुबनी इलाके का रहने वाला है। छोटू पर कई आपराधिक मामले दर्ज है। बाघमारा में 4 दिन पहले फटकन यादव के भाई के घर रिसेप्शन पार्टी थी। छोटू अपने दर्जनों साथियों के साथ भोज खाने पहुंचा था। इस दौरान जमकर हर्ष फायरिंग की गई। वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि फंक्शन में बज रहे गाने के बीच बंदूकधारी बंदूक की नली में गोली चढ़ाते हैं और फिर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर देते हैं।

आरोपी की तलाश जारी

के.नगर थानाध्यक्ष नवदीप गुप्ता ने बताया कि वायरल वीडियो के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपी की तलाश की जा रही है। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं, वीडियो सामने आने के बाद स्थानीय लोगों ने सुरक्षा-व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। सोशल मीडिया पर यूजर्स तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर्स ने वीडियो पोस्ट करके लिखा, %लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ आखिर कब तक।

भोजपुर में युवक ने फांसी लगाकर दी जानः आईपीएल में सट्टा लगाता था

भोजपुर, एजेंसी। भोजपुर के नवादा थाना क्षेत्र में पिता की डांट से नाराज होकर छात्र ने फांसी लगा ली। अस्पताल पहुंचने से पहले रास्ते में मौत हो गई। मृतक निखिल कुमार(20) बक्सर के भदारा गांव का रहने वाला था। परिवार के साथ किराए के घर में जैन कॉलेज के पास रहता था।

पिता ने दोस्तों के सामने डांटा था

मृतक की मां ने बताया कि बेटा आईपीएल में सट्टा लगाता था। काफी पैसा हार चुका था। घर के लोग बहुत परेशान थे। मंगलवार देर शाम मोहल्ले में अपने दोस्त के साथ बैठा था। इस दौरान उसके पिता ने दोस्तों के सामने उसे बहुत डांटा। कुछ देर बाद घर आया। मेरे से खाना मांगकर खिया। पिता ने दोबारा फटकार लगाते हुए कहा कि आज के बाद तुम्हें कुछ नहीं मिलेगा। खाने के बाद अपने कमरे में सोने चला गया। काफी देर बाद कमरे के अंदर झांककर देखा तो फंदे से लटक रहा था। आनन-फानन में उसे अस्पताल लेकर हुंचे। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

तेजस्वी के बेटे का नाम इराज लालू यादव, दादा-दादी ने किया पोते का नामकरण

पटना, एजेंसी। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और उनकी पत्नी राबड़ी देवी ने अपने छोटे बेटे तेजस्वी यादव के बेटे का नाम इराज तो तेजस्वी और उनकी पत्नी राजश्री ने बेटे का पूरा नाम इराज लालू यादव रखा है। लालू प्रसाद ने बुधवार को यह जानकारी एक्स पर दी है। बता दें कि मंगलवार की सुबह तेजस्वी यादव पिता बने थे। तेजस्वी ने एक्स पर अपने बेटे की तस्वीर शेयर करते हुए 'जय हनुमान' लिखा था। तेजस्वी दूसरी बार पिता बने हैं। तेजस्वी यादव की एक बेटी भी है जिसका नाम कात्यायनी है। इराज का मतलब भगवान हनुमान होता है। बच्चे का जन्म मंगलवार को हुआ है जो हनुमान जी का दिन माना जाता है। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव के घर में नए मेहमान का आगमन से परिवार के सदस्य खुश हैं। तेजस्वी की पत्नी राजश्री ने बेटे को कोलकाता में जन्म दिया है। लालू और परिवार के सदस्य सोमवार की शाम पटना से कोलकाता रवाना हुए थे। लालू परिवार में पोते का आगमन होने के बाद राष्ट्रीय जनता दल के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं ने परिवार को बधाई दी है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी मंगलवार को बच्चे के जन्म के बाद उसे देखने और परिवार को बधाई देने अस्पताल गई थीं।

लालू परिवार में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा

अब भले ही नन्हें मेहमान के आने से लालू परिवार में खुशी का माहौल हो लेकिन पिछले कुछ दिनों से यह परिवार विवादों में भी घिर गया है। दरअसल हाल ही में लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव का एक पोस्ट काफी वायरल हुआ था। इस पोस्ट में तेज प्रताप यादव, अनुष्का यादव नाम की एक युवती के साथ नजर आए थे। इस पोस्ट के जरिए तेज प्रताप यादव ने बताया था कि वो अनुष्का यादव के साथ 12 साल से रिलेशनशिप में हैं। यहां बता दें कि तेज प्रताप यादव की शादी ऐश्वर्या से हुई थी। हालांकि, दोनों के बीच तलाक का मामला अभी कोर्ट में है। इस बीच तेज प्रताप यादव के इस पोस्ट के सामने आने के बाद लालू प्रसाद यादव ने इस मामले में कड़ा ऐक्शन लिया था। लालू प्रसाद यादव ने तेज प्रताप यादव को पार्टी और परिवार से बाहर का रास्ता दिखा दिया था। इस मुद्दे पर कई लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया भी दी है। हालांकि, खुद तेज प्रताप यादव ने एक्स पर सिर्फ इतना ही कहा था कि मेरे फेसबुक को हैक कर फोटो एडिट की गई है और यह उनके परिवार को बदनाम करने की साजिश है।

बिहार चुनाव से पहले नीतीश कुमार को झटका, 2 कद्दावर नेताओं ने थामा कांग्रेस का हाथ

पटना, एजेंसी। जदयू के सकरा से पूर्व विधायक रहे सुरेश चंचल और हाजी परवेज सिद्दीकी ने बुधवार को कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर ली। कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार ने इन्हें पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई। मिलन समारोह में पूर्व विधायक सुरेश चंचल ने कहा कि राहुल गांधी के काम और विचारधारा से प्रभावित होकर कांग्रेस की सदस्यता ले रहे हैं। हाजी परवेज ने कहा कि नीतीश कुमार को कुछ लोगों ने हाईजैक कर दिया है। वह काम नहीं कर पा रहे हैं। आज नीतीश कुमार और भाजपा दोनों का सिद्धांत एक जैसा है, दोनों में कोई अंतर नहीं है। राजेश कुमार ने कहा कि नीतीश कुमार सामाजिक न्याय के नाम पर सत्ता में आए थे और आज सामाजिक न्याय के साथ अन्याय कर रहे हैं। नीतीश कुमार ने वक्फ बिल को लेकर भाजपा का समर्थन किया और भाजपा जिस तरीके से बिल लेकर आई। इसके कारण एनडीए से लोगों का मोह भंग हो रहा है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दो दिवसीय बिहार दौरे पर सवाल उठाते हुए कई सवाल दागे। कहा कि कुछ साल पहले बिहार को लाखों करोड़ के पैकेज की घोषणा की गई थी। उस पैकेज का क्या हुआ ?

उन्होंने आगे कहा कि बिहार में लगातार विधि व्यवस्था खराब हो रही है। आपराधिक घटनाएं बढ़ रही हैं। एनडीए शासन आखिर क्या कर रहा है। उन्होंने कहा कि क्या भाजपा नीतीश कुमार की तबीयत खराब होने का फायदा उठाना चाहती है। कार्यक्रम में मदन मोहन झा, ब्रजेश मुनन समेत पार्टी के अन्य नेता भी उपस्थित रहे।

कोविड के लिए पीपीई किट भी रखें तैयार

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। कोरोना के नये वेरियंट को लेकर जिला स्वास्थ्य विभाग ने सदर अस्पताल अधीक्षक सहित सभी पीएचसी प्रभारियों से पीपीई किट व रेमेडिसिवर दवा की जानकारी मांगी है। स्वास्थ्य विभाग मुख्यालय से निर्देश के बाद अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने सभी पीएचसी प्रभारियों को पत्र लिखा है।
साथ ही पहले से उपलब्ध पीपीई किट को तैयार रखने का निर्देश दिया गया है। अपर मुख्य सचिव ने सभी पीएचसी प्रभारियों से कोरोना को लेकर रिपोर्ट मांगी है। इसमें उपलब्ध दवा, एन 95 मास्क, वेंटिलेटर और निबुलाइजर की स्थिति के अलावा ऑक्सीजन सिलेंडर की संख्या, आइसोलेशन बेड की संख्या की जानकारी देनी है। साथ ही अस्पताल में मौजूद पारामेडिकल और नर्स की स्थिति भी बतानी है।
मेडिकल में बनेगा 60 बेड का कोरोना वार्ड- उधर, एसकेएमसीएच में प्राचार्य प्रो आभा रानी सिन्हा की अध्यक्षता में मंगलवार को सभी विभागाध्यक्षों की बैठक कोरोना को लेकर हुई। बैठक में प्राचार्य ने कहा कि जो भी कोरोना के लक्षण वाले मरीज हों, उनकी जांच की जाए।

बिहार राज्य पथ परिवहन निगम दुर्गा पूजा के पहले देश के छह राज्यों के लिए 500 बस चलाएगा

पटना, एजेंसी। बिहार राज्य पथ परिवहन निगम दुर्गा पूजा के पहले बिहार से देश के छह राज्यों के लिए 500 बस चलाएगा। दिल्ली, यूपी, राजस्थान, बंगाल, पंजाब और हरियाणा के परिवहन विभाग से इस मामले को लेकर अनुमति मिल गई है। अभी दूसरे राज्यों के परिवहन विभाग के सचिव स्तर से अनुबंध की प्रक्रिया की जा रही है।

इन बसों को दुर्गा पूजा, दीपावली और छठ के पहले हर हाल में चलाने की योजना है। निगम की बसों के अलावा पीपीपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) मोड में भी बसों को चलाया जाएगा। पीपीपी मोड में बस चलाने के लिए निगम एकमुश्त 20 लाख रुपये का अनुदान भी देगा।

भागलपुर, पटना, गया, पूर्णिया, दरभंगा और मुजफ्फरपुर के प्रमंडल मुख्यालय से इन बसों की सेवा की शुरुआत की जाएगी। इन सभी राज्यों से बसों के परिचालन के लिए परमिट की प्रक्रिया भी साथ-साथ की जा रही है। अभी दरभंगा से यूपी, भागलपुर से झारखंड और पूर्णिया डिपो से बंगाल के लिए कुछ बसों का परिचालन हो रहा है।

परिचालन के लिए कई माह तक हुई माथापच्ची- बिहार राज्य पथ परिवहन निगम के अधिकारियों ने कई माह तक इन राज्यों के रूटों पर बसों के परिचालन को लेकर माथापच्ची की। इसके बाद ही यह निर्णय लिया गया कि इन राज्यों में विस्तृत रूप से बसों का परिचालन किया जाएगा। एक आंकड़ा के अनुसार प्रत्येक साल बसों से इन राज्यों में करीब तीन से सात लाख लोग यात्रा करते हैं। इसके लिए लोगों को मोटी रकम चुकानी पड़ती है। ट्रेन के रास्ते पहले किसी राज्य के राजधानी जाते हैं। फिर वहां से सबंधित जगहों के लिए बस से जाते हैं। परिवहन विभाग के अधिकारियों की मानें तो सर्वे में सवारी के मिलने को लेकर कई चरण में जांच पड़ताल करने के बाद ही यह निर्णय लिया गया है।

मधेपुरा के ग्राम कचहरी सचिव के निधन पर शोकसभा

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। प्रखंड के ग्राम कचहरी मधेपुरा में सचिव पद पर कार्यरत राजेश कुमार का निधन सोमवार देर को रात हो गई। वह वे लंबे समय से बीमार थे। उनके निधन की खबर पर ग्राम कचहरी सचिव के प्रखंड अध्यक्ष नागमणि राम की अध्यक्षता में मंगलवार को शोकसभा का आयोजन किया गया, जिसमें मृतक की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट रखा गया। मौके पर उपस्थित सचिवों ने सरकार से मृतक के परिजन को अनुकंपा पर नौकरी व आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की। शोक संवेदना प्रकट करने वालो में सचिव पंकज कुमार, गीतांजली कुमारी, प्रदीप कुमार, लालबाबू कुमार, किरण कुमारी, अनामिका आदि मुख्य रूप से थे।

संक्षिप्त समाचार

धनबाद में जमीन बंटवारे को लेकर विवाद:बहनोई ने साले को मारी गोली, भाई-बहन ने की मारपीट

धनबाद, एजेंसी। धनबाद के निरसा स्थित मदनपुर गांव में सोमवार की रात पारिवारिक संपत्ति विवाद में एक व्यक्ति को गोली मार दी गई। घायल मो. रहमान (40) को धनबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रहमान पत्थर काटने का काम करता है और अपने हिस्से की जमीन की मांग कर रहा था। सोमवार की शाम जब वह गांव में था, तब उसके बहनोई अब्दुल्ला ने उस पर पिस्टल से गोली चला दी। इस दौरान उसके भाई इस्माइल और बहन ने भी उस पर हमला किया। स्थानीय लोगों ने तुरंत रहमान को अस्पताल पहुंचाया। निरसा थाना प्रभारी अनिल कुमार शर्मा और एमपीएल ओपी प्रभारी सुमन कुमारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने आरोपियों से हथियार जब्त किए, लेकिन पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की।पुलिस ने अस्पताल में रहमान का बयान दर्ज किया है। रहमान की पत्नी और पुत्र ने भी पुष्टि की है कि यह हमला संपत्ति विवाद के कारण हुआ। मुख्य आरोपी अब्दुल्ला के घर पर छापेमारी की गई, लेकिन वह फरार हो चुका था। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

खूंटी में नक्सलियों ने रोड रोलर को फूंका, घटनास्थल पर छोड़ा धमकी भरा पर्चा

खूंटी, एजेंसी। पीएलएफआई नक्सलियों ने सड़क निर्माण कार्य में लगी रोड रोलर को आग के हवाले कर दिया. नक्सलियों ने घटना को अंजाम देने के बाद सड़क निर्माण एजेंसी से पैसे वसूलने की बात कही है. यह घटना खूंटी-सिमडेगा मुख्य मार्ग पर रनिया थाना क्षेत्र के रायकेरा के पास की है. घटना की जानकारी पाकर रनिया पुलिस मौके पर पहुंची और फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पाया हालांकि तब तक रोड रोलर जलकर राख हो चुका था। पुलिस के अनुसार तोरपा कोलेबिरा मुख्य मार्ग का निर्माण एक एजेंसी के द्वारा कराया जा रहा है. रोड रोलर में आग लगने की घटना रात के समय हुई है. नक्सलियों ने घटनास्थल के पास खड़ी अन्य वाहन पर वसूली के लिए एक पर्चा भी छोड़ा, जिसे बाद में पुलिस ने बरामद कर लिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि गाड़ी के ऊपर हाईटेंशन तार गिरा था. पुलिस ने आशंका जताई है कि तार गिरने के कारण आग लगी होगी, लेकिन घटनास्थल पर बरामद हुए पर्चा से पुलिस ने इस घटना के पीछे पीएलएफआई का हाथ होने की आंशका जताई है. गौरतलब है कि 28 नवंबर 2024 को भी एक अन्य कंपनी के द्वारा कतारी मोड़ से सोनपुरगढ़ भाया सुंदारी मार्ग का निर्माण कराया जा रहा था. इस दौरान भी पीएलएफआई के नक्सलियों ने रोड रोलर में आग लगा दी थी. इस मामले में कुछ नक्सलियों की गिरफ्तारी भी हुई थी।

अब ओएमआर शीट पर नहीं होगी सरकारी स्कूलों में 5वीं और 8वीं क्लास की परीक्षा, बदल गया पैटर्न

रांची, एजेंसी। अगले वर्ष से सरकारी स्कूलों की परीक्षाओं में कई बदलाव किए जाएंगे। जिसमें पांचवी कक्षा और आठवीं बोर्ड की परीक्षा अब ओएमआर शीट पर नहीं होगी। अब इसकी परीक्षा लिखित रूप से होगी, जिसमें लघु, मध्यम व दीर्घ स्तर के प्रश्न पूछे जाएंगे। वहीं परीक्षा का आयोजन झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) नहीं करेगा बल्कि झारखंड शैक्षिक अनुसंधान व प्रशिक्षण परिषद् (जेसीईआरटी) करेगा। इसकी घोषणा स्कूली शिक्षा व साक्षरता विभाग के सचिव उमाशंकर सिंह ने जैक सभागार की। शिक्षा सचिव ने कहा कि जैक में परीक्षाओं का बोझ देखते हुए आठवीं बोर्ड की परीक्षा जेसीईआरटी को सौंपी जा रही है। 2026 से पांचवीं और आठवीं में ओएमआर शीट पर परीक्षा नहीं होगी।इसके अलावे पहली और दूसरी क्लास की मौखिक परीक्षा होगी। इसके साथ ही पहली से सातवीं कक्षा की परीक्षा के बाद उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन स्कूल स्तर पर ही होगा। स्कूल और शिक्षकों को ई-विद्यावाहिनी पोर्टल पर रिजल्ट अपलोड करना होगा।मालूम हो कि आठवीं व पांचवी कक्षा की परीक्षा में करीब आठ लाख बच्चे शामिल होते हैं। सचिव ने स्कूलों में हर महीने होने वाली रेल परीक्षा का परिणाम एक सप्ताह के अंदर ई-विद्यावाहिनी पोर्टल पर रिजल्ट अपलोड करने का निर्देश दिया। ताकि औसत से कम बच्चों की कमियों को दूर किया जा सके।

मैट्रिक परीक्षा के बाद अब आगे करेंगे कमाल, टॉपरों में कोई एएसआई तो किसी को बनना है डॉक्टर

लोहरदगा, एजेंसी। मैट्रिक परीक्षा में लोहरदगा के टॉपर ऊंची उड़ान पाना चाहते हैं। इनकी डॉक्टर और इंजीनियर बनने की चाहत है। साथ ही देश सेवा का जज्बा भी है। सभी ने कठिन परिस्थितियों में भी सफलता पाई है।

लोहरदगा शहरी क्षेत्र के दुबे कॉलोनी निवासी लातेहार शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य उत्तम मुखर्जी और बरनाली मुखर्जी की पुत्री अन्वेशा मुखर्जी को माध्यमिक परीक्षा में 95 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए हैं। अन्वेशा को परीक्षा में कुल 475 अंक मिले।

अन्वेशा जिला टॉपर हैं। वह डॉक्टर बनना चाहती है और समाज की सेवा करना चाहती है। वहीं नंदलाल उवि अरूं सेन्हा की ज्योति कुमारी को 94.60 प्रतिशत अंक के साथ जिले में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है। सेन्हा अरूं चौक निवासी रविंद्र साहू और कांती देवी की पुत्री ज्योति कुमारी आगे चल कर डॉक्टर बन कर समाज की सेवा करना चाहती हैं। वह कड़ी मेहनत कर अपने परिवार के सपने को पूरा करना चाहती है।

संत स्तानिसलास उवि कैमो पतराटोली के छात्र मनीष उरांव की चाहत इंजीनियर बनने की है। मनीष ओयना निवासी बालक राम भगत और मालती देवी का पुत्र है। बालक राम भगत बिजली वायरिंग करने का काम करते हैं, जबकि मालती देवी एक निजी विद्यालय में काम करती हैं। पुष्पा कुमारी को परीक्षा में 93.4 प्रतिशत अंक मिले हैं। कुडू प्रखंड के गरभु टोली सलगी निवासी केवल महतो ट्रक ड्राइवर हैं। वहीं पुष्पा की माता राजो देवी गृहणी हैं। पुष्पा आगे चल कर प्रशासनिक सेवा में जाना चाहती हैं।

प्रोजेक्ट उच्च विद्यालय मक्का का अबरार अंसारी माध्यमिक परीक्षा में जिले में चौथा स्थान प्राप्त किया है। वह आगे चलकर प्रशासनिक क्षेत्र में जाना चाहते हैं। अबरार प्रारंभ से ही मेहनती छात्र रहा है। विपरीत परिस्थितियों के बाद भी अबरार ने जीवन में सफलता पाई है।

पाखर लोहरदगा ट्रक ऑनर एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं अंजुमन इस्लामिया लोहरदगा के उपाध्यक्ष सैयद आरिफ हुसैन बबलू एवं एडवोकेट मोमिना खातून के पुत्र सैयद शारिब हुसैन ने जैक द्वारा आयोजित दसवीं की बोर्ड परीक्षा में 91 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। शारिब को देश सेवा में रुचि है, और वह नेशनल डिफेंस एकेडमी में प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद देश की सेवा करना चाहता है। शारिब अपनी सफलता का श्रेय स्वर्गीय दादी, माता-पिता एवं शिक्षकों को देते हैं, जिन्होंने उनका मार्गदर्शन किया है।

गौसिया मिश्कात बालिका उवि लोहरदगा की छात्रा है। रिजल्ट को लेकर वह स्कूल के सभी शिक्षक और माता-पिता को श्रेय देती हैं। वह डॉक्टर बनना चाहती हैं और लोहरदगा की गरीब जनता की सेवा करना चाहती हैं। शहर के गिरवर शिशु सदन विद्यालय की छात्रा दीपाली वर्मा की माता शिक्षिका हैं। दीपाली दुर्गा बाड़ी लेन की रहने वाली है। दीपाली एनडीए की तैयारी करना चाहती हैं। जिले के पांचवी टॉपर अदिति कुमारी के पिता एक किसान हैं। लोहरदगा तिवारी दुरा निवासी आनंद कुमार व माता अनिता देवी की पुत्री अदिति शिक्षिका बनना चाहती है। उन्होंने सफलता का श्रेय अपने माता-पिता व गुरुजनों को दिया है।

भवनाथपुर प्रखंड की गीतांजलि ने गांव का नाम किया रोशन, राज्य में किया टॉप

भवनाथपुर (गढ़वा), एजेंसी। झारखंड बोर्ड 10वीं में गढ़वा जिला अंतर्गत सुदूरवर्ती क्षेत्र भवनाथपुर प्रखंड के मकरी के गीतांजलि कुमारी ने पूरे राज्य में टॉप किया है। गीतांजलि को 98.60 प्रतिशत अंक मिले हैं। उसकी इस सफलता से पूरे प्रखंड और गांव में हर्ष का माहौल है। उसके घर पहुंचकर उनके माता पिता को बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है।

फिलहाल गीतांजलि राजस्थान कोटा में रहकर नीट की तैयारी में जुटी हुई है। उसका सपना डॉक्टर बनने की है। गीतांजलि ने सेल डीएवी भवनाथपुर से कक्षा एक से पांच तक की पढ़ाई की।

इसके बाद उसने इंट्रेस परीक्षा पास कर 2020 में इंदिरा गांधी बालिका उच्च विद्यालय हजारीबाग में कक्षा छह में एडमिशन ली तथा उसी विद्यालय से मैट्रिक की परीक्षा में शामिल हुई, जहां मैट्रिक की परीक्षा में उसने 98.6 प्रतिशत अंक लाकर पूरे राज्य में टॉप किया। उसने अपनी सफलता से जिला, प्रखंड और गांव को गौरवान्वित किया है।

मैट्रिक में स्टेट टॉप करने वाली गीतांजलि के पिता उमेश पाल पेशे से सहयोगी शिक्षक है, जो नवप्राथमिक विद्यालय मकरी में कार्यरत है। जबकि माता पम्मी देवी गृहणी है।

उसके पिता उमेश पाल ने बताया कि उसकी प्रारंभिक शिक्षा कक्षा एक से पांच तक डीएवी पब्लिक स्कूल में पढ़ने के बाद वह आगे पढ़ाई करने इंदिरा गांधी बालिका उच्च विद्यालय हजारीबाग चली गई।

वहीं से मैट्रिक की परीक्षा में सम्मिलित हुई जिसमें वह 98. 6 अंक प्राप्त कर पूरे झारखंड स्टेट टॉपर बनीं। अपनी बेटी की सफलता पर खुशियां व्यक्त करते हुए उन्होने कहा कि वह पढ़ने में शुरू से ही मेधावी थी, उसका सपना डॉक्टर बनकर गरीबों की सेवा करने का है।

माता पम्मी देवी ने बताया कि मेरी बेटी शुरू से पढ़ाई में अव्वल आती रही है। उसका मन सिर्फ पढ़ाई में लगा रहता था। शिक्षा के प्रति उसकी मेहनत और लगन को देख मुझे विश्वास था कि वह मैट्रिक की परीक्षा में जरूर टॉप करेगी।

बुंडू में हर दिन बेची जा रही है 6 लाख की अवैध लॉटरी

रांची, एजेंसी। रांची जिले में बुंडू में एक बार फिर अवैध लॉटरी का कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है। पुलिस को भी इसकी जानकारी है, लेकिन लॉटरी के इन धंधेबाजों पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। लॉटरी माफिया हर दिन 6 से 7 लाख रुपए की लॉटरी बेच रहे हैं और मुनाफा कमा रहे हैं। जबकि झारखंड में लॉटरी बेचने पर प्रतिबंध है। लॉटरी माफिया हर दिन बंगाल व नगालैंड से आने वाली लॉटरी अहले सुबह 5.30 बजे से ही बेचना शुरू कर दे रहे हैं। लॉटरी टिकट बेचने का यह धंधा बुंडू के मेन बाजार में चल रहा है। लॉटरी का ड्रॉ हर दिन शाम में होता है।

लॉटरी का ये धंधा पूरी तरह से बंगाल व नगालैंड में चलने वाली लॉटरी पर निर्भर रहता है। क्योंकि वहीं से यह डेली लॉटरी बुंडू पहुंच रहा है। माफिया लॉटरी का एक हफ्ते का लॉट एक ही बार में लाकर विक्रेताओं को दे देते हैं। जब एक लॉट बिक जाता है, उसके बाद दूसरा लॉट लाकर दिया जाता है। बुंडू थाना प्रभारी राम कुमार वर्मा का कहना है कि इस मामले में लगातार कार्रवाई की जा रही है। कुछ माह पूर्व भी लॉटरी बेचने वाले 5 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था।

झारखंड में लॉटरी का कारोबार प्रतिबंधित है। देश के सिर्फ कुछ ही राज्य हैं, जहां लॉटरी का कारोबार वैध है। इनमें अरुणाचल प्रदेश, असम, गोवा, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, पंजाब, सिक्किम और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। शेष राज्यों में राज्य सरकार ने लॉटरी बेचने पर प्रतिबंध लगा रखा है। लेकिन प्रतिबंध वाले राज्यों में भी लॉटरी माफिया इसे चोरी छिपे बेचते ही हैं।

बुंडू में अवैध लॉटरी बेचने के इस कारोबार में 40 एजेंट अलग-अलग जगहों पर लगाए गए हैं। जो तय जगहों व घरों में ही लॉटरी के टिकट बेचते हैं। लॉटरी खरीदने वालों को पता रहता है कि किस जगह बिक्री हो रही है। सुबह से लॉटरी की बिक्री इस लिए शुरू हो जाती है, क्योंकि दिन के एक बजे हर दिन लॉटरी का ड्रॉ होता है। लॉटरी 120 रुपए में 10 व 60 रुपए में 5 बेची जाती है। लॉटरी के इस धंधे में बुंडू व तमाड़ के ही दो मुख्य माफिया हैं।

झारखंड में इन जिलों के लिए भारी बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी, अगले 5 दिनों तक गर्मी से मिल सकती है राहत

रांची, एजेंसी। झारखंड पर मौसम की मेहरबानी बरकरार है। अप्रैल माह के शुरुआती दिनों में गर्मी की तीव्रता देखकर जयेष्ठ माह को लेकर चिंता लाजमी थी। लेकिन मई माह में मौसम का तेवर बदल गया। मई माह के शुरुआती दिनों में राज्य के किसी न किसी जिले या स्थान पर बारिश, मेघ गर्जन और तेज हवा चलती रही। एक-दो दिन छोड़कर कोई ऐसा दिन नहीं था, जब लोग गर्मी की वजह से बेचैन दिखे। इस मामले में एक और अच्छी खबर है। मौसम केंद्र रांची का पूर्वानुमान है कि अगले कुछ दिनों तक झारखंडवासियों का सामना प्रचंड गर्मी से नहीं होने वाला है।

इसकी वजह है उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव का क्षेत्र डेवलप होना है। इसकी वजह से 28 मई को राज्य के दक्षिणी (पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला और सिमडेगा) क्षेत्र के अलावा निकटवर्ती भागों में भारी बारिश की आशंका जताई गई है। इसी तरह 29 मई को राज्य के उत्तर पूर्वी और दक्षिण पूर्वी भाग में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना जताई गई है। रांची मौसम केंद्र ने बताया कि 30 मई को राज्य में कहीं-कहीं मेघ गर्जन के साथ

वज्रपात की संभावना है। इस दिन राज्य के उत्तर पूर्वी भागों मसलन देवघर, धनबाद, गोड्डा, गिरिडीह, जामताड़ा, पाकुड़, साहिबगंज में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना जताई गई है। इस माह के अंतिम दिन यानी 31 मई को भी राज्य में कहीं-कहीं मेघ गर्जन और वज्रपात की संभावना जताई गई है।

28 मई से 30 मई तक मौसम केंद्र रांची ने झारखंड के ज्यादातर जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। 28 मई को खूंटी, सिमडेगा, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला, 29 मई को पाकुड़, गोड्डा, देवघर, दुमका, साहिबगंज और जामताड़ा के अलावा पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला में भारी बारिश की संभावना जताई गई है। वहीं 30 मई को गिरिडीह, धनबाद, साहिबगंज, पाकुड़, गोड्डा, दुमका, देवघर और जामताड़ा में भारी बारिश की संभावना है।

पिछले 24 घंटे में कई स्थानों पर मेघ गर्जन के साथ बारिश रिकॉर्ड हुई है। इस दौरान सबसे ज्यादा तापमान सरायकेला में 37 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ है। जबकि न्यूनतम तापमान गुमला में 21।6 डिग्री सेल्सियस रहा है।

शराब घोटाला मामले में एसीबी एक्शन का बढ़ा दायरा-विनय चौबे, उनकी पत्नी सहित 8 लोगों की संपत्ति जांच शुरू

रांची, एजेंसी। शराब घोटाला के आरोप में जेल में बंद आईएएस अधिकारी विनय चौबे की मुसीबतें बढ़ती जा रही हैं। वहीं एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने अपनी जांच का दायरा भी बढ़ा दिया है। एसीबी ने रांची के सभी निबंधन कार्यालयों को पत्र लिखकर आईएएस विनय चौबे और उनके परिवार के सदस्यों के नाम खरीदी गई संपत्ति की जानकारी मांगी है। जानकारी के मुताबिक एसीबी जिन लोगों की संपत्ति की जांच शुरू की है, उसमें आईएएस विनय चौबे, उनकी पत्नी सहित आठ लोग शामिल हैं।

एसीबी सूत्रों के मुताबिक जांच एजेंसी ने निबंधन कार्यालय को चौबे व परिवार के सदस्यों का पैन नंबर भी उपलब्ध कराया है, ताकि खरीद-बिक्री की गई संपत्ति डिटेल निकालने में आसानी होगी। एसीबी ने संपत्ति से जुड़े दस्तावेज की सर्टिफाइड कॉपी भी मांगी है। संपत्ति का डिटेल मिलने के बाद संपत्ति की कीमत का मूल्यांकन किया जाएगा। इस दौरान जांच एजेंसी देखेगी कि चौबे की आय और खरीदी गई संपत्ति पर खर्च हुई राशि में कोई

अंतर है या नहीं। दरअसल, विनय चौबे के परिवार के नाम तीन से चार संपत्ति के दस्तावेज रजिस्टर्ड हुए है। हालांकि, कुछ दस्तावेज ऐसे हैं जो उनके करीबी के नाम पर हैं।

एसीबी ने उत्पाद विभाग के पांच अफसरों को नोटिस भेजा है। इनमें धनंजय कुमार, उमाशंकर सिंह, शीपिज त्रिवेदी, विनय कुमार सिंह और उपेंद्र शर्मा शामिल हैं। इनसे 38 करोड़ रुपए के राजस्व घोटाले के संबंध में पूछताछ की जाएगी। एसीबी पूर्व सचिव विनय चौबे, संयुक्त आयुक्त गजेंद्र सिंह, महाप्रबंधक वित्त सुधीर कुमार दास, पूर्व महाप्रबंधक वित्त सुधीर कुमार व प्लेसमेंट एजेंसी मार्शन के प्रतिनिधि नीरज कुमार सिंह को गिरफ्तार कर चुका है। एसीबी ने फर्जी बैंक गारंटी की वजह से सरकार को 38.44 करोड़ रुपए के राजस्व नुकसान होने की प्राथमिकी दर्ज की है। जिसमें 13 पर नामजद व अन्य पर केस दर्ज किया गया। एसीबी को जांच में जानकारी मिली है कि विनय चौबे और गजेंद्र सिंह ने पद का दुरुपयोग कर ऐसी प्लेसमेंट एजेंसियों को ठेका दिया, जिन्होंने फर्जी बैंक गारंटी दी। इससे झारखंड सरकार को 38.44 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।

शराब घोटाले में इससे पहले 7 सितंबर 2024 को छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित आर्थिक अपराध इकाई (ईओडब्ल्यू) थाना में प्राथमिकी दर्ज हुई थी। इसमें विनय चौबे, गजेंद्र सिंह के साथ-साथ छत्तीसगढ़ के अधिकारी अनिल टुटेजा, अरुण पति त्रिपाठी, कारोबारी अनवर ढेबर, प्लेसमेंट एजेंसी सुमित फैसिलिटीज सहित अन्य को आरोपी बनाया गया था। इस केस में ईडी ने नया ईसीआईआर दर्ज किया था।इसके बाद 29 अक्टूबर 2024 को ईडी ने झारखंड और छत्तीसगढ़ में 15 ठिकानों पर छापेमारी की थी। इन ठिकानों से उत्पाद नीति 2022 से जुड़े कई अहम दस्तावेज, मोबाइल फोन और कई अन्य कागजात जब्त किए गए थे। ईडी इस मामले में जांच कर ही रहा था कि एसीबी झारखंड ने 20 मई को इस मामले में प्राथमिकी दर्ज करते हुए दो बड़े अधिकारियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। अगले दिन 21 मई को फिर तीन लोगों की गिरफ्तारी की गई।

जमीन पर कब्जा के लिए तीन लाख की सुपारी देकर करवा दी थी ऑटो चालक की हत्या!

पलामू, एजेंसी। 16 डिसमिल जमीन पर कब्जे के लिए तीन लाख की सुपारी देकर एक युवक की निर्मम तरीके से हत्या कर दी गई। अपराधियों ने जमीन के कब्जे के लिए युवक के पिता को भी गोली मारने की धमकी दी थी। जिसके बाद पिता काफी दिनों तक घर से फरार हो गए। दरअसल, 18 मई को पलामू के पड़वा थाना क्षेत्र में रंजीत कुमार मेहता नामक एक ऑटो ड्राइवर का शव बरामद हुआ था। रंजीत की पत्थर से कूच कर हत्या की गई थी। मामले में रंजीत की पत्नी के आवेदन के आधार पर छह लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। पलामू पुलिस ने रंजीत कुमार हत्याकांड का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने हत्या में शामिल दो आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों में सोनू कुमार उर्फ रोहित और संतोष कुमार शामिल हैं। सोनू कुमार टाउन थाना क्षेत्र के निमिया का रहने वाला है, जबकि संतोष कुमार पटेल नगर सुदना का रहने वाला है।

पड़वा के थाना प्रभारी चंद्रशेखर यादव ने बताया कि दोनों आरोपियों ने मिलकर जमीन के विवाद में तीन लाख की सुपारी लेकर रंजीत कुमार मेहता की हत्या कर दी थी। उन्होंने बताया कि रंजीत कुमार मेहता और अमन सिंह नामक व्यक्ति की बीच जमीन का विवाद चल रहा था। 16 डिसमिल जमीन पर अमन सिंह कब्जा करना चाहता था, लेकिन पूरे परिवार में रंजीत कुमार मेहता सबसे मुखर था और विरोध करता था। थाना प्रभारी ने बताया कि रंजीत कुमार मेहता को रास्ते से हटाने के लिए अमन सिंह की तरफ से तीन लाख रुपये की सुपारी दोनों आरोपियों को दी गई थी।

सरना धर्म कोड को लेकर कांग्रेस, झामुमो पर बरसे रघुवर, पूछा- 60 वर्षों तक केंद्र में शासन रहा, तब क्यों नहीं किया था लागू

लातेहार, एजेंसी। सरना कोड की मांग को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा राज्य में आंदोलन चल रहा है. परंतु भारतीय जनता पार्टी के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने इस मामले में हेमंत सोरेन सरकार की नीति और नीयत पर ही सवाल उठा दिया है. उन्होंने हेमंत सोरेन सरकार पर आदिवासी विरोधी होने और आदिवासियों के नाम पर गंदी राजनीति करने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि केंद्र में 60 वर्षों तक कांग्रेस की सरकार रही. उस समय सरना कोड लागू क्यों नहीं कर दिया था? दरअसल झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास लातेहार में आयोजित भारतीय जनता पार्टी के कार्यक्रम में भाग लेने आए थे. कार्यक्रम के समापन के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन आदिवासियों के नाम पर सिर्फ गंदी

राजनीति करते आ रहे हैं. उन्होंने कहा कि आज झारखंड पूछ रहा है कि जब केंद्र में कांग्रेस की 60 वर्षों तक सरकार थी तो आखिर देश में सरना कोड लागू क्यों नहीं किया।

उन्होंने कहा कि केंद्र में जब पीवी नरसिम्हा राव के नेतृत्व वाली कांग्रेस की सरकार थी तो शिबू सोरेन केंद्र सरकार में कोयला मंत्री थे. उस समय तत्कालीन भाजपा के सांसद सुदर्शन भगत ने संसद में मामला उठाया था और मांग की थी कि देश में सरना कोड लागू किया जाए तो संसद में पीवी नरसिम्हा राव की सरकार ने कहा था कि देश में सरना कोड लागू नहीं किया जा सकता. इसीलिए आज झारखंड पूछ रहा है कि उस समय सरना कोड लागू क्यों नहीं कर दिया था? पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने हेमंत सोरेन सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि हेमंत सोरेन सरकार का साढ़े पांच वर्ष से अधिक समय हो गया. परंतु आज तक पेसा कानून लागू नहीं किया गया. भगवान बिरसा मुंडा ने ग्राम स्वशासन के लिए संघर्ष किया. यही अबुआ राज्य का उद्देश्य भी था. परंतु हेमंत सोरेन की सरकार ग्राम स्वशासन को लागू करने के बदले आदिवासियों के नाम पर गंदी राजनीति कर रही है. सरना कोड के माध्यम से आदिवासियों को दिग्गभ्रमित करने का प्रयास किया जा रहा है. आज तक ग्राम सभा को अधिकार नहीं मिल पाया. ग्राम सभा को अधिकार देने के बदले हेमंत सोरेन और उनकी सरकार आदिवासियों का ध्यान भटकाने के लिए इस प्रकार का मुद्दा उठा रहे हैं। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने भाजपा द्वारा आयोजित अहिल्याबाई होल्कर की जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर कार्यकर्ताओं को संबोधित भी किया. कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार झारखंड को लूट रही है. झारखंड को बचाने के लिए भाजपा कार्यकर्ता कमर कस लें. मौके पर सांसद कालीचरण सिंह, विधायक प्रकाश राम, जिला अध्यक्ष पंकज सिंह, राजधानी यादव, महामंत्री वंशी यादव, अमलेश सिंह समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मजदूर की बेटी सलोनी ने रचा इतिहास, 10वीं में 96.60प्रतिशत अंक लाकर बनी गोड्डा टॉपर

गोड्डा, एजेंसी। झारखंड एकेडमिक काउंसिल की मैट्रिक परीक्षा में गोड्डा जिले के नीमाकाला गांव की सलोनी ने जिलेभर में टॉप कर नया कीर्तिमान रच दिया है। सिद्धू कान्हू सरस्वती विद्या मंदिर लालमटिया की छात्रा सलोनी को 500 में से 483 अंक मिले हैं। बेहद साधारण परिवार से ताल्लुक रखने वाली सलोनी की इस उपलब्धि से गांव में खुशी का माहौल है।

पिता प्रमोद पंडित करते हैं मजदूरी : सलोनी के पिता प्रमोद पंडित मजदूरी करते हैं और इसी आमदनी से अपने दो बच्चों की पढ़ाई और पूरे परिवार का खर्च उठाते हैं। सलोनी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, शिक्षकों और खुद की मेहनत को दिया है। उन्होंने कहा कि परिवार की आर्थिक स्थिति कभी उनकी पढ़ाई में बाधा नहीं बनी, बल्कि हमेशा प्रेरणा बनी रही।

सलोनी की दिनचर्या बेहद अनुशासित रही। वह रोज सुबह 4 बजे उठ जाती थीं और पढ़ाई में जुट जाती थीं। स्कूल और कोचिंग के अलावा घर पर भी रोजाना 5 से 6 घंटे की पढ़ाई करती थीं। उन्होंने बताया कि मोबाइल और सोशल मीडिया से दूरी बनाकर पढ़ाई पर फोकस किया।

नीट की करेंगी तैयारी, बनेगी डॉक्टर : भविष्य की योजना के बारे में सलोनी ने बताया कि वह डॉक्टर बनकर अपने गांव और आसपास के इलाकों में स्वास्थ्य सेवा देना चाहती हैं। इसके लिए अब वह नीट की तैयारी ऑनलाइन क्लासेस के माध्यम से करेंगी।

New page 4_page 12 29.05.2025.qxd 28-05-2025 21:27 Page 1

कोर्ट परिसर से पांच कैदी फरार

- सुरक्षा व्यवस्था की खुली पोल
- कोर्ट परिसर में मचा हड़कम्प
- एक कैदी पुलिस की पकड़ में

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

समस्तीपुर। समस्तीपुर में चौंकाने वाली घटना हुई है। बुधवार दिनदहाड़े कोर्ट परिसर से पांच कैदी फरार हो गए। यह सभी पेशी के लिए पुलिस अभिरक्षा में कोर्ट गए थे। लेकिन, मौका देखकर पांच कैदियों ने पुलिस को चकमा दे दिया और फरार हो गए। घटना के बाद कोर्ट परिसर ही नहीं पूरे शहर में हड़कंप मच गया। एसपी ने फौरन पांचों की गिरफ्तारी कर निर्देश दिया। जगह जगह पुलिस इनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी करने लगी। कई जगह नाकेबंदी भी की गई। इस दौरान एक कैदी को पुलिस ने पकड़ लिया।

इसकी निशानदेही पर अन्य कैदियों की तलाश में छापेमारी चल रही है। पकड़ाए गए कैदी की पहचान नागेंद्र कुमार के रूप में हुई।

मामले में सदर एसडीपीओ संजय पांडेय ने कहा कि समस्तीपुर समेत आसपास के जिलों के थानों को भी अलर्ट किया गया है। फरार कैदियों की तलाश में छापेमारी चल रही है। वहीं इस पूरे मामले की जांच भी की जा रही है। अगर पुलिसकर्मियों की लापरवाही होगी तो उनपर कार्रवाई जरूर होगी।

बताया जा रहा है कि यह सभी आरोपी नगर थाना क्षेत्र में पिछले साल शहर के अनिल ज्वेलर्स में हुए लूटकांड के आरोपी थी। इनमें आरोपियों में राजनंदन उर्फ छोटू उर्फ हंटर भी शामिल है। तीन कैदियों की पहचान सरायरंजन थाना क्षेत्र में लूटकांड समेत आधा दर्जन मामलों के आरोपी अरविंद सहनी, मनीष कुमार और मंजीत कुमार के रूप में की गई है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि अनुसार, पुलिस लूटकांड के आरोपी कैदियों को कोर्ट में पेशी के लिए लेकर पहुंची थी। पेशी के बाद हाजत में बंद कर रही थी। तभी हाजत के गेट खोलने के दौरान पांचों कैदियों ने पुलिसकर्मी को धक्का मार दिया और फरार हो गए। हालांकि पुलिस ने फौरन एक कैदी नागेंद्र कुमार को मौके पर ही दबोच लिया।

एक करोड़ की लागत से बना टेस्टिंग ट्रैक बदहाल

कागजों पर ही प्रक्रिया पूरी कर निर्गत किया जा रहा लाइसेंस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। एक करोड़ की लागत से हाल ही में तैयार हाइटेक ड्राइविंग लाइसेंस टेस्टिंग ट्रैक पर जंगल-झाड़ उग आए हैं। टेस्टिंग प्रक्रिया भी सही से नहीं हो रही है। बावजूद प्रत्येक महीने सैकड़ों ड्राइविंग लाइसेंस निर्गत हो रहे हैं।

दरअसल, परिवहन विभाग की ओर से निर्धारित दिन मंगलवार को सुबह सात बजे से 10-11 बजे तक कोई टेस्ट देने के लिए आया ही नहीं, न ही वहां पर कर्मी दिखे। कहा जाए तो ट्रैक के बदले पेपर पर वाहनों की टेस्टिंग करके लाइसेंस निर्गत किया जा रहा है।

परिवहन विभाग का आंकड़ा बताता है कि हर माह 800-900 ड्राइविंग लाइसेंस निर्गत किए जाते हैं। मई महीने में ही अब तक पांच सौ लाइसेंस निर्गत किए गए। बिहार राज्य पथ परिवहन विभाग निगम के डिपो परिसर में बने ऑटोमेटिक ड्राइविंग ट्रैक पर सुबह सात बजे से 10-11 बजे तक वाहन चालकों की टेस्टिंग होती है। मंगलवार की सुबह में पांच-छह युवक टेस्टिंग के लिए पहुंचे थे, लेकिन कर्मी की मौजूदगी नहीं देख लौट गए।

एमवीआई एसएन मिश्रा ने बताया कि कर्मियों ने उन्हें पहुंचने की बात बताई थी। जब साढ़े दस बजे तक किसी कर्मी के नहीं पहुंचने की जानकारी उन्हें दी गई तो कहा कि दोपहर 12 बजे के बाद कर्मी वहां पहुंचे थे। जबकि दोपहर एक बजे तक भी कोई नहीं पहुंचा था।

राज्य ट्रांसपोर्ट के कर्मियों के अनुसार हर सप्ताह टेस्टिंग नहीं होती है। ट्रैक में जंगल-झाड़ उगने व बालू-छर्री बिखरे होने के कारण माह में यदि एक-दो बार टेस्टिंग की प्रक्रिया अपनाई भी जाती है तो महज खानापूर्ति की जाती है। मंगलवार को तो टेस्टिंग की प्रक्रिया नहीं हुई।

शिक्षा विभाग में फर्जी दस्तखत से करोड़ों का वारा-न्यारा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। कई जांच टीम बनने के बाद अंततः जिले के स्कूलों में बेंच डेस्क आपूर्ति, सबमर्सिबल गाड़े जाने एवं प्री फैब निर्माण में करोड़ों के खेल की पुष्टि हो गई है। प्रधानाध्यापकों के फर्जी हस्ताक्षर से बेंच-डेस्क की आपूर्ति कर दी गई। इसका वाउचर भी फर्जी दस्तखत से पास करा लिया गया। 2.64 लाख रुपये में गाड़े गए सबमर्सिबल और प्री फैब निर्माण के लिए भी ऐसा ही किया गया। कई स्कूलों में तो सबमर्सिबल का काम अधूरा छोड़कर बिल पास करा लिया गया। डीएम सुब्रत कुमार सेन के आदेश से गठित जांच टीम की रिपोर्ट सामने आने पर अब कार्रवाई की अनुशंसा की गई है।

विदित हो कि जिले के स्कूलों में उक्त कार्य में कई स्तर से गड़बड़ियों की शिकायत आई थी। राज्य के पंचायती राज्य मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता, विधान पार्षद वंशीधर ब्रजवासी आदि ने भी मामला उठाया था। इसके बाद मामले की जांच को लेकर कई बार टीम बनी, मगर इसे अंजाम नहीं दिया जा सका। मामले ने तूल पकड़ा तो चार सदस्यीय टीम से इसकी जांच कराई गई।

जांच टीम के सामने प्रधानाध्यापकों ने सारी पोल खोल दी। इसमें एजेंसियों ने बिना अनुमति फर्जी दस्तखत से ही काम करा लिए। यहां तक कि कई का भुगतान भी हो गया।

जांच रिपोर्ट में कहा गया है कि जिला शिक्षा कार्यालय से प्रधानाध्यापक के फर्जी हस्ताक्षर से बिल का भुगतान किया गया है। जिला शिक्षा पदाधिकारी को दोषी पदाधिकारियों और कर्मचारियों पर कार्रवाई करने की अनुशंसा के बाद डीएम ने इसका निर्देश दिया है। जांच टीम के सामने कांटी, मड़वन, सरैया, कटरा, मोतीपुर, मुशहरी के स्कूलों के प्रधानाध्यापक सामने आए। इसमें यह बात सामने आई कि स्कूलों में जो काम हुए उसकी जानकारी तक उन्हें नहीं थी। जो वाउचर बनाए गए उनमें उसके हस्ताक्षर नहीं हैं। इस प्रक्रिया के बाद प्रधानाध्यापकों को पुनः जांच टीम के सामने बुलाया गया। इसमें भी कई प्रधानाध्यापकों ने फजीवाड़ा की बात स्वीकार की। इन प्रधानाध्यापकों के हस्ताक्षर लिए गए। टीम ने इनका मिलान जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा उपलब्ध पारित बिल पर संबंधित प्रधानाध्यापकों के हस्ताक्षर का मिलान कराया गया। इन हस्ताक्षरों में भिन्नता पाई गई।

पथ निर्माण विभाग ने 29 एजेंसियों को किया ब्लैक लिस्टेड

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। ग्रामीण कार्य विभाग के अंतर्गत प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना से संबंधित निर्माण कार्य अधूरा छोड़ने पर राज्य की 29 निर्माण एजेंसियों को ब्लैक लिस्ट में डाल दिया गया है। इसमें मुजफ्फरपुर की दो समेत उत्तर बिहार की 14 निर्माण एजेंसियां शामिल हैं। पथ निर्माण विभाग के अभियंता प्रमुख, कार्य प्रबंधन निर्मल कुमार ने उक्त कार्रवाई करते हुए सभी संबंधित जिलों के अधीक्षक और कार्यपालक अभियंताओं को इसकी जानकारी दे दी है। उन्होंने कहा कि उक्त निर्माण एजेंसियां अगले तीन-चार साल तक पथ निर्माण विभाग के अलावा एनएच उपभाग के लिए भी काम नहीं करेंगी।

विभाग की ओर से इसकी सूची और पूरा ब्योरा कारण समेत उपलब्ध करा दिया गया है। ब्लैक लिस्ट में डाली गई एजेंसियों में मुजफ्फरपुर की दो, दरभंगा की छह, सीतामढ़ी की तीन, मधुबनी, शिवहर व पश्चिम चंपारण की एक-एक निर्माण एजेंसी शामिल है। इसके अलावा कटिहार, बेगूसराय, सहरसा, पूर्णिया, भागलपुर, भोजपुर, नवादा, रोहतास, गोपालगंज और जहानाबाद की निर्माण एजेंसियां भी शामिल हैं। अभियंता प्रमुख ने मुजफ्फरपुर के औराई और अहियापुर शेखपुर के संवेदकों को तीन-तीन साल के लिए ब्लैक लिस्ट में डाला है। बताया गया कि औराई के संवेदक को सीतामढ़ी में 15 फरवरी 2022 से 14 फरवरी 2023 तक सड़क निर्माण का कार्य पूरा करना था, लेकिन इनके द्वारा इसमें प्रगति नहीं दिखाई गई। विभाग की ओर से कई बार निर्देशित करने के बाद भी सुधार नहीं हुआ। इसी आधार पर उक्त कार्रवाई की गई। इसी प्रकार शेखपुर के संवेदक को पीएम ग्राम सड़क योजना 28 दिसंबर 2021 से 26 जून 2022 के बीच पूरा करना था।

दर्जन भर पुलिस वालों की नौकरी खतरे में

कई कर्मियों का दूसरे जिले में हो चुका है स्थानांतरण, तो कई पा चुके हैं प्रमोशन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दरभंगा। सिमरी थाना क्षेत्र में पिकअप वैन लूट में मुजफ्फरपुर के कुढ़नी से गिरफ्तार पंकज कुमार महतो की मौत मामले में हत्या की प्राथमिकी दर्ज होने से एक दर्जन पुलिस कर्मियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। घटना के दिन और समय में जो भी पुलिस पदाधिकारी और पुलिस कर्मी थाना पर मौजूद थे, उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया जाएगा।

इसकी तैयारी शुरू कर दी गई है। थाना के उपस्थिति पंजी और स्टेशन डायरी से सभी के नाम-पता और पद के साथ सूची बनाई जा रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सूची मिलने के साथ एसएसपी सभी के पदस्थापन की जानकारी प्राप्त कर निलंबन की कार्रवाई को लेकर पत्राचार कर देंगे।

इतना ही नहीं सभी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई भी शुरू कर दी जाएगी। बताया जा रहा है घटना के दौरान थाना पर थानाध्यक्ष हरिकिशोर यादव, भरत राय, शाहिद मोमीन आदि पुलिस पदाधिकारियों के साथ एक दर्जन पुलिस कर्मी मौजूद थे।

घटना के चार साल आठ माह बाद तत्कालीन थानाध्यक्ष हरिकिशोर यादव को इंस्पेक्टर पद पर प्रमोशन मिल चुका है। वर्तमान में दूसरे जिले में पदस्थापित हैं। इसी तरह से अन्य पुलिस पदाधिकारी और पुलिस कर्मी दूसरे जिले में पदस्थापित हैं। इनमें कई प्रमोशन पा चुके हैं।

एसएसपी जगुनाथ रेड्डी जलारेड्डी ने बताया कि ड्यूटी पर तैनात पुलिस पदाधिकारियों और पुलिस कर्मियों की जानकारी उपस्थिति पंजी से पता लगाया जा रहा है। जो भी इसमें पाए जाएंगे उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बता दें कि पंकज की मौत के बाद पुलिस ने स्वजन की मदद से बीमारी से मौत होने की बात कह यूडी केस दर्ज करा दिया था। जबकि, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और समीक्षा में सिर पर कड़े व भोथड़े पदार्थ से चोट लगने के कारण मृत्यु का कारण बताया गया। बदन पर कई जख्म के निशान, नाक में पाइप लगे होने और पीठ के दोनों तरफ जख्म के निशान पर पट्टी बांधे होने की बात भी कही गई है।

बता दें कि सिमरी थानाक्षेत्र के कंसी-शोभन के समीप दरभंगा-मुजफ्फरपुर फोरलेन पथ 16 अगस्त 2020 को पिकअप वैन की लूट हो गई थी। इस मामले को लेकर 19 अगस्त 2020 को कांड संख्या 167/20 दर्ज किया गया। अनुसंधान में पता चला कि पिकअप वैन चालक से लूटा गया मोबाइल सक्रिय है।

इसके बाद मुजफ्फरपुर जिले के कुढ़नी थानाक्षेत्र के कुढ़नी निवासी महेश महतो के पुत्र पंकज कुमार (30) सहित तीन युवकों को 25 अगस्त 2020 को लूटे गए मोबाइल के साथ दबोचा गया।

निशानदेही पर लूटी गई पिकअप वैन को बरामद किया गया। इस बीच 27 अगस्त 2020 को पंकज की तबीयत खराब होने पर पीएचसी सिंहवाड़ा से डीएमसीएच और फिर पीएमसीएच रेफर कर दिया गया।

दो बाइकों की टक्कर में एक की मौत, चार जख्मी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेतिया। बेतिया के इनरवा थाना क्षेत्र के नगरदेही गांव के पास शुक्रवार को एक हृदयविदारक सड़क हादसा हुआ, जिसमें एक महिला की मौत हो गई और चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर से हुआ, जिसने एक खुशहाल परिवार को गहरे शोक में डुबो दिया।

मृतका की पहचान सविता देवी (40) के रूप में हुई है, जो भंगहा थाना क्षेत्र के गदियानी भंगहा गांव की रहने वाली थीं और वीरेंद्र राम की पत्नी थीं। सविता देवी अपने पति और एक रिश्तेदार के साथ बाजार से पूजाई का सामान खरीदने जा रही थीं। इस दौरान विपरीत दिशा से आ रही दूसरी बाइक से उनकी टक्कर हो गई।

जानकारी के मुताबिक, हादसे में सविता देवी के पति वीरेंद्र राम, रिश्तेदार हीरालाल राम तथा पुरुषोत्तमपुर गांव के मस्जिद मियां और मुस्लिम मियां गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार, घायलों में से एक की हालत चिंताजनक बनी हुई है।

मृतका सविता देवी के बेटे संदीप की पूजाई शुक्रवार को होनी थी। इस खुशी के मौके की तैयारी में पूरा परिवार जुटा हुआ था।

सविता देवी अपने पति और रिश्तेदार के साथ इनरवा बाजार पूजाई का सामान खरीदने निकली थीं, लेकिन इस दर्दनाक हादसे ने खुशियों को मातम में बदल दिया। वहीं, दूसरी ओर मस्जिद मियां और मुस्लिम मियां अपने रिश्तेदार की माटी देने जा रहे थे, जब हादसा हुआ।

हादसे की सूचना तत्काल डायल 112, इनरवा थाना और भंगहा थाना को दी गई। लेकिन पुलिस के देर से पहुंचने पर लोगों में गहरा आक्रोश देखने को मिला।

मकबरा परिसर में प्रेमी जोड़े की अश्लील हरकत का वीडियो वायरल

सुरक्षा व्यवस्था पर उठ रहे सवाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सासाराम। जिला मुख्यालय स्थित ऐतिहासिक शेरशाह सूरी मकबरे के परिसर में एक प्रेमी जोड़े की अश्लील हरकत का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। यह वीडियो मकबरे की सीढ़ियों पर फिल्माया गया बताया जा रहा है, जिसने न केवल इस ऐतिहासिक धरोहर की गरिमा पर सवाल उठाए हैं, बल्कि पुरातत्व विभाग की सुरक्षा व्यवस्था की पोल भी खोल दी है। पुरातत्व विभाग ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है, लेकिन यह घटना प्रशासनिक लापरवाही और धरोहरों की सुरक्षा के प्रति उदासीनता को उजागर करती है।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो में एक प्रेमी जोड़े को मकबरे की सीढ़ियों पर अश्लील हरकत करते देखा जा सकता है। हालांकि इस वीडियो की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन दावा किया जा रहा है कि यह शेरशाह सूरी मकबरे के परिसर में ही कैद किया गया है। इस वीडियो ने स्थानीय लोगों और पर्यटकों के बीच चर्चा का माहौल गर्म कर दिया है। मकबरे जैसे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के स्थल पर इस तरह की घटना ने कई सवाल खड़े किए हैं।

शेरशाह सूरी का मकबरा लंबे समय से पर्यटकों के साथ-साथ प्रेमी जोड़ों के लिए भी आकर्षण का केंद्र रहा है। साल भर यहां बड़ी संख्या में लोग इस ऐतिहासिक स्थल का दीदार करने आते हैं। मकबरे की सीढ़ियां, चबूतरे और तालाब के आसपास का शांत वातावरण प्रेमी जोड़ों को खास तौर पर आकर्षित करता है। हालांकि इस वायरल वीडियो ने यह सवाल उठाया है कि क्या इस लोकप्रियता का दुरुपयोग हो रहा है और क्या प्रशासन इसकी अनदेखी कर रहा है।

यह वायरल वीडियो ऐतिहासिक धरोहर की सुरक्षा के नाम पर हो रही खानापूर्ति को उजागर करता है। पुरातत्व विभाग द्वारा तैनात सुरक्षाकर्मियों की भूमिका प्रवेश द्वार पर टिकट जांच तक ही सीमित दिखती है। मकबरे के परिसर में फैली गंदगी, दीवारों पर असामाजिक तत्वों द्वारा लिखी गई आपत्तिजनक बातें और अब यह वायरल वीडियो पुरातत्व विभाग की कार्यशैली पर सवाल उठा रहे हैं। हाल ही में शेरशाह महोत्सव के दौरान मकबरे पर अंधेरे की स्थिति को लेकर भी विवाद हुआ था, जिसके बाद विभाग को सफाई देनी पड़ी थी। इस घटना ने एक बार फिर सुरक्षा व्यवस्था की कमियों को सामने ला दिया है।

होटल संचालक की हत्या

मधेपुरा। भरार्ही थाना क्षेत्र स्थित चांदनी चौक के पास मंगलवार देर रात एक होटल संचालक की अज्ञात अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। घटना एमपी कॉलेज ऑफ एजुकेशन के सामने ठल्ह-107 के किनारे स्थित होटल के बाहर हुई, जहां मृतक रोज की तरह होटल बंद कर रहा था। मृतक की पहचान कटहरवा वार्ड पांच निवासी ज्योतिष रजक (37) के रूप में हुई है।

मृतक की पत्नी पूजा देवी ने बताया कि वह पिछले कुछ वर्षों से चांदनी चौक पर होटल चला रहे थे और उसी में रह भी रहे थे। मंगलवार रात करीब 12 बजे जब ज्योतिष होटल बंद कर रहे थे, तभी चेहरे पर गमछा बांधे कुछ अज्ञात लोग वहां पहुंचे और उन्हें गोली मार दी। हमलावर हथियार लहराते हुए मौके से फरार हो गए। मृतक को सिर और सीने में तीन गोली लगी है। पूजा देवी ने इस हत्या के पीछे पुराने विवाद है। उन्होंने कहा कि तूफानी कुमार, रूपराणा, प्रिंस कुमार, धीरो यादव, बलराम यादव, जब्बर मियां और आजाद शर्मा के साथ पहले से उनका विवाद चला आ रहा था।

बेलगाम ट्रैक्टर ने मंदिर के पास खड़े लोगों को रौंदा

एक की मौत कई अन्य घायल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राजधानी पटना के दानापुर क्षेत्र में एक बार फिर बेलगाम ट्रैक्टर की लापरवाही ने बड़ा हादसा खड़ा कर दिया। बुधवार सुबह शाहपुर थाना क्षेत्र के उसरी बाजार स्थित हनुमान मंदिर के पास ईंट लदे एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने सड़क किनारे खड़े नौ लोगों को टक्कर मार दी। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद गुस्साए लोगों ने दानापुर-शिवाला मुख्य मार्ग को जाम कर दिया और करीब एक घंटे तक आवागमन पूरी तरह से बाधित रहा।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रैक्टर चालक बेहद तेज गति से वाहन चला रहा था और असंतुलित होकर लोगों को रौंदता हुआ सड़क किनारे गड्ढे में जा घुसा, जहां ट्रैक्टर पलट गया। हादसे के तुरंत बाद चालक ट्रैक्टर छोड़कर मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि दानापुर क्षेत्र में इन दिनों अनुभवहीन और अवयस्क ड्राइवरों द्वारा ट्रैक्टर चलाए जाने की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं, जिससे सड़क सुरक्षा पर बड़ा खतरा मंडरा रहा है।

हादसे में मृतक की पहचान भगवतीपुर निवासी बलराम यादव (44) के रूप में की गई है। वे अपने पुत्र पवन कुमार के साथ मछली खरीदने उसरी बाजार आए थे। उसी दौरान तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उन्हें और अन्य लोगों को टक्कर मार दी। हादसे में बलराम यादव की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पवन कुमार सहित आठ लोग घायल हो गए। घायलों में भगवतीपुर निवासी रमेश साव, उनके पुत्र और बहनोई और उसरी बाजार के चार अन्य लोग शामिल हैं। सभी घायलों को नजदीकी निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है।

घटना के बाद आक्रोशित स्थानीय लोगों ने उसरी बाजार के पास दानापुर-शिवाला मार्ग को जाम कर दिया। प्रदर्शनकारी ट्रैक्टर चालक की गिरफ्तारी और अवैध ट्रैक्टर संचालन पर रोक लगाने की मांग कर रहे थे। जाम के कारण मार्ग पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझा-बुझाकर शांत किया। करीब एक घंटे बाद आवागमन बहाल हो सका।

शाहपुर थानाध्यक्ष मनीष कुमार आनंद ने बताया कि हादसे में एक व्यक्ति की मौत हुई है और आठ लोग घायल हैं। मृतक के शव को कब्जे में लेकर अनुमंडलीय अस्पताल भेजा गया, जहां पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को शव सौंप दिया गया।

बिहार में बढ़ने लगा कोरोना का खतरा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में कोरोना का खतरा बढ़ गया है। पटना में पिछले 24 घंटे में छह लोग कोविड पॉजिटिव मिले। इसमें एक महिला डॉक्टर और दो नर्स शामिल हैं। यह तीनों पटना एम्स में कार्यरत हैं। आरपीएस मोड़ के पास भी 41 साल के एक युवक भी कोविड संक्रमित हो गया है। वहीं एनएमसीएच में दो मरीजों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इन सभी में सर्दी, खांसी, बुखार जैसे लक्षण दिखे। डॉक्टरों ने इन्हें कोरोना जांच की सलाह दी। जांच करवाने पर सभी कोविड पॉजिटिव पाए गए। मामले में सिविल सर्जन डॉ. अविनाश कुमार सिंह ने लोगों से सावधान रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पैनिक न हो, कोविड गाइडलाइन का पालन करें। तीन मरीजों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। बाकी को होम आइसोलेशन में रहने की सलाह दी गई है।

इससे पहले सोमवार को पटना के बेली रोड स्थित एक बड़े अस्पताल में दो मरीज कोविड पॉजिटिव मिले थे। दोनों अस्पताल में भर्ती हुए थे। एक मरीज ने तो पहले ही अपनी जांच करवा ली थी। इसमें वह कोविड संक्रमित पाए गए थे। वहीं दूसरे की पुष्टि अस्पताल में जांच के दौरान हुई। अस्पताल प्रबंधन का कहना था कि दोनों मरीजों में कोरोना के लक्षण दिखे थे। इन्हें सर्दी, खांसी, बुखार और सांस लेने में परेशानी हो रही थी। दोनों का इलाज चल रहा है। सिविल सर्जन ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि कोरोना की रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर पैनिक न हो। होम आइसोलेशन में रहें। आपके संपर्क में कौन-कौन लोग आएं हैं, उन्हें भी सतर्क रहने को कहें। कोविड संक्रमण को देखते हुए सतर्कता जरूर बरतें और आसपास के लोगों को भी जागरूक करें। अगर आपके घर या आसपास कोई संक्रमित हो तो उसे होम आइसोलेट कर दें।

नगर निगम कार्यालय में सेंधमारी कर तीन कम्प्यूटर सहित सीपीयू की चोरी

शहर में फैली सनसनी, डाटा पर मंडराया खतरा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। शहर में अपराध की बढ़ती घटनाओं ने अब सरकारी कार्यालयों को भी अपनी चपेट में ले लिया है। बीती रात चोरों ने नगर निगम कार्यालय में सेंध लगाकर तीन कंप्यूटर सिस्टम और एक सीपीयू चुरा लिया। इस चोरी की घटना ने न केवल नगर निगम के सुरक्षा इंतजामों पर सवाल उठाए हैं, बल्कि शहर में बढ़ते अपराध को लेकर भी चर्चा तेज कर दी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और नगर निगम के अधिकारी भी चोरी गए सामानों का आकलन करने में जुटे हैं।

जानकारी के मुताबिक, घटना का पता बुधवार सुबह करीब 10 बजे तब चला, जब नगर निगम के कर्मचारी अपने रोजमर्रा के कार्य के लिए कार्यालय पहुंचे। यह चोरी कर विभाग के उस कमरे में हुई, जहां कर दारोगा बैठते हैं। कर्मचारियों ने देखा कि कमरे में रखे तीन कंप्यूटर सिस्टम और एक सीपीयू गायब हैं। तत्काल इसकी सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई, जिसके बाद नगर थाना पुलिस को बुलाया गया। पुलिस और नगर निगम के अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण शुरू किया। प्रारंभिक जांच में पता चला कि चोरों ने इस घटना को बड़े ही सुनियोजित और सावधानीपूर्वक तरीके से अंजाम दिया। नगर निगम कार्यालय के पीछे नगर पालिका मार्केट की ओर से खिड़की और छज्जे का सहारा लेकर चोरों ने वेंटिलेटर तोड़ा और कमरे में प्रवेश किया। इसके बाद उन्होंने वहां रखे कंप्यूटर सिस्टम और सीपीयू को चुरा लिया। चोरों ने इतनी सफाई से काम किया कि कोई बड़ा नुकसान या तोड़फोड़ के निशान कम ही दिखाई दिए।

चोरी गए कंप्यूटर सिस्टम में नगर निगम के कर विभाग से संबंधित कई महत्वपूर्ण डाटा होने की आशंका है। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इन सिस्टम में कितना और किस तरह का डाटा था। नगर निगम के कर्मचारी चोरी गए सामानों का मिलान कर रहे हैं, ताकि यह पता चल सके कि और क्या-क्या चोरी हुआ है। इस बीच डाटा के दुरुपयोग की आशंका ने अधिकारियों की चिंता बढ़ा दी है।

नगर निगम कार्यालय जैसे महत्वपूर्ण सरकारी दफ्तर में चोरी की इस घटना ने बेगूसराय शहर में सनसनी फैला दी है। जैसे ही यह खबर शहर में फैली, लोग बेगूसराय में बढ़ते अपराध को लेकर चर्चा करने लगे। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर सरकारी कार्यालय भी सुरक्षित नहीं हैं, तो आम नागरिकों की सुरक्षा का क्या हाल होगा। इस घटना ने स्थानीय प्रशासन और पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े किए हैं।

नगर थाना पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना शुरू कर दिया है और मामले की तहकीकात में जुट गई है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि चोरों ने किस तरह से कार्यालय में प्रवेश किया और क्या उनका मकसद केवल चोरी था या इसके पीछे कोई बड़ी साजिश है। अभी तक नगर निगम की ओर से इस घटना पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि चोरी गए सामानों का पूरा ब्योरा मिलने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

स्कूल जा रहे शिक्षक की गोली मारकर हत्या

अपराधियों ने कई चक्र दागी गोलियां

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दरभंगा। दरभंगा के सिंहवाड़ा थाना क्षेत्र के निस्ता गांव में बुधवार सुबह एक शिक्षक की हत्या कर दी गई है। मृत शिक्षक की पहचान मधुबनी जिला के परसौनी गांव निवासी मो मंसूर आलम 55 के रुप मे की गई है।

घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि शिक्षक आज साइकिल से स्कूल जा रहे थे। इस दौरान भरवारा कमतौल मुख्य पथ पर बदमाशों ने शिक्षक को बाइक सवार अपराधी ने सिर में गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया है। घटना की सूचना मिलते ही सिंहवाड़ा थाना सहित कमतौल थाना की पुलिस मौके पहुंचकर जांच में जुट गई है। बताया जाता है मधुबनी जिला परसौनी गांव निवासी मंसूर आलम सिंहवाड़ा थाना क्षेत्र ले शंकरपुर गांव में किराए के मकान में रहा करते है। वह प्राथमिक विद्यालय निस्ता में उर्दू शिक्षक के रुप मे तैनात है। प्रतिदिन की तरह आज भी मंसूर आलम साइकिल से स्कूल जा रहे थे। इस दौरान कुछ बाइक सवार अपराधी ने उनपर कई राउंड गोली फायरिंग कर दी, जिससे शिक्षक की मौके पर ही मौत हो गई।

मामले में सिंहवाड़ा थानेदार ने बताया कि घटना की सूचना मिलते मामले की जांच शुरू कर दी गई है। आसपास के लोगों से घटना की जानकारी ली जा रही है। एफएसएल की टीम को जांच के लिए बुलाया गया है। वहीं शिक्षक के शव को पोस्टमार्टम के लिए डीएमसीएच भेज दिया गया है। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजन हत्यारे की गिरफ्तार की मांग कर रहे हैं।

एनडीए में सीट शेयरिंग पर बन गई बात!

इस बार सीटों का आवंटन जीतने की संभावना के आधार पर तय किया जाएगा

भाजपा और जदयू 100-100 सीटों पर लड़ेंगे

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव में सीटों के बंटवारे को लेकर एनडीए के दो प्रमुख घटक भाजपा और जदयू के बीच बात बन गई है। भाजपा और जदयू 100-100 सीटों पर लड़ेगी। बाकी सहयोगी दलों को दी जाएगी। सूत्रों के अनुसार जीतन राम मांझी, चिराग पासवान और उपेन्द्र कुशवाहा की सीटें भी लगभग तय है। अंदरखाने अब सीटों के चयन की प्रक्रिया चल रही है। दरअसल, इस बार चिराग पासवान की लोजपा (रा) के एनडीए में शामिल होने से समीकरण बदले हैं। सूत्रों के मुताबिक चिराग पासवान की पार्टी 22 से 25 सीटों पर चुनाव लड़ सकती है जबकि मांझी की पार्टी हम को 7 से 10 और उपेंद्र कुशवाहा की रालोमो 5 से 8 सीटें दी जा सकती हैं। गौरतलब है 2020 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 110 सीटों पर चुनाव लड़कर 74 सीटें जीती थीं जबकि जदयू ने 115 सीटों पर लड़कर 43 सीटें हासिल की थीं। सूत्रों के अनुसार वे सीटें जहां एनडीए लगातार दो बार से हार रहा है, सहयोगी दलों के बीच बदली जा सकती है। इस बार सीटों का आवंटन जीतने की संभावना के आधार पर तय किया जाएगा। एनडीए में शामिल भाजपा, जदयू, लोजपा (रा), हम और रालोमो के बीच मंथन चल रहा है। उम्मीदवारों के चयन से पहले यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कौन सी पार्टी किस सीट पर लड़ेगी। जरूरत पड़ने पर सीटों की अदला-बदली भी होगी। सूत्रों के अनुसार एनडीए ने बिहार की 243 विधानसभा सीटों के लिए एक संतुलित समीकरण तैयार किया है जिसमें सभी सहयोगी दलों को उनकी ताकत और प्रभाव के आधार पर हिस्सेदारी दी जाएगी। इस बीच एनडीए में सीट शेयरिंग को लेकर जदयू के वरिष्ठ नेता और मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि सीट बंटवारे में कोई दिक्कत नहीं होगी। एनडीए के सभी घटक दलों में बेहतर तालमेल है और कहीं से भी कोई समस्या नहीं आएगी। फिलहाल सीट बंटवारे पर कुछ भी तय नहीं हुआ है, लेकिन समझदारी के स्तर पर बेहतर तालमेल हो गया है जिससे गठबंधन मजबूत बना हुआ है। सीट बंटवारे में सभी पार्टियों के सम्मान का पूरा ध्यान रखा जाएगा। फिलहाल इस मुद्दे पर बातचीत नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि सीट बंटवारे के दौरान पार्टी की क्षेत्रीय पकड़, संभावित उम्मीदवार की ताकत और जातीय समीकरण का विशेष ध्यान रखा जाएगा। विजय चौधरी ने कहा कि 2020 के विधानसभा और 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजों का विश्लेषण कर सीटों पर दावा तय किया जाएगा। जातीय संतुलन बिगाड़े बिना उम्मीदवारों का चयन किया जाएगा, चाहे सीट की अदला-बदली ही क्यों न करनी पड़े। वहीं भाजपा के एक वरिष्ठ नेता के नाम न छापने की शर्त पर कहा कि इस बार देखा जा रहा कि एनडीए का घटक दल अगर कोई परंपरागत सीट दो बार से हार रहा है तो उस सीट को ऐसे घटक दल को दिया जा सकता है जिसकी वहां जीतने की संभावना ज्यादा हो। सीट बंटवारे में सिर्फ पार्टी का इतिहास नहीं, बल्कि मौजूदा समीकरण और संभावित जीत भी मुख्य आधार होंगे। उन्होंने कहा कि इस बार एनडीए के घटक दलों में समन्वय पहले से बेहतर है। 2020 के चुनाव में लोजपा (रा) के विरोध से जो नुकसान हुआ था, इस बार वैसी कोई स्थिति नहीं होगी। सभी दल जिलों से लेकर कार्यकर्ताओं के स्तर तक कदम से कदम मिलाकर चल रहे हैं। हालांकि महागठबंधन के अंदर सीटों को लेकर सहमति बनने में मतभेद की खबर सामने आ रही है। यहां केवल बैठकों का दौर चल रहा है। कभी राजद के दरवाजे पर तो कभी कांग्रेस कार्यालय में, बीच में रिसोर्ट में भी बैठक चली, लेकिन शीट शेयरिंग के मुद्दे पर कोई चर्चा नहीं हो पा रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब एक घंटा पहले 4.30 बजे पहुंचेंगे पटना : डॉ. दिलीप जायसवाल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिहार दौरे के कार्यक्रम में मामूली बदलाव किया गया है। बिहार भाजपा के अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने बुधवार को बताया कि अब वह अपने तय समय से एक घंटा पहले पटना पहुंचेंगे। उनके सभी कार्यक्रम भी एक घंटा पहले होंगे। प्रधानमंत्री 29 मई को पहले शाम 5:30 बजे पटना एयरपोर्ट आना था, लेकिन अब पीएम मोदी एक घंटा पहले यानी गुरुवार को अपराह्न 4:30 बजे ही पटना पहुंच जाएंगे। इसके बाद पटना एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का उद्घाटन करेंगे। दिलीप जायसवाल ने कहा कि पीएम का 30 मई वाला कार्यक्रम पहले के तय समय के अनुसार ही होगा। उन्होंने बताया कि एनडीए गठबंधन के दल भी पीएम नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्रयास कर रहे हैं। पटना शहर में रोड शो के जरिए वे लोगों से सीधा संवाद करेंगे। उल्लेखनीय है कि 29 मई को प्रधानमंत्री पटना के लोकनायक जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के नए टर्मिनल का उद्घाटन अब शाम 4:30 बजे करेंगे। यह टर्मिनल 65,155 वर्ग मीटर में फैला है और जून 2025 से 1 करोड़ यात्रियों की क्षमता के साथ संचालित होगा। इसके बाद वह बिहटा में नए एयरपोर्ट की आधारशिला रखेंगे जो 50 लाख यात्रियों की क्षमता वाला होगा। उसी दिन पटना में भाजपा कार्यालय तक तीन किलोमीटर का रोड शो होगा जिसमें ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाया जाएगा जबकि 30 मई को प्रधानमंत्री रोहतास के बिक्रमगंज में जनसभा को संबोधित करेंगे। वह 29,947.91 करोड़ रुपये के नबीनगर सुपर थर्मल पावर प्लांट, 3,712 करोड़ रुपये के पटना-सासाराम एक्सप्रेसवे और 368 करोड़ रुपये के बक्सर-भरौली गंगा पुल का शिलान्यास करेंगे। इसके अलावा गोपालगंज में 184.9 करोड़ रुपये के बंजारी-हजियापुर एलिवेटेड रोड का वर्चुअल उद्घाटन भी संभावित है। दिलीप जायसवाल का कहना है कि यह दौरा बिहार को कनेक्टिविटी, पर्यटन और रोजगार के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। इस बीच पटना में रोड शो के लिए व्यापक सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था की गई है और यात्रियों से शाम 4 से 8 बजे तक वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की अपील की गई है।

कोरोना के बढ़ते मामले को देख स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

सभी बड़े अस्पतालों में बेड की समुचित व्यवस्था करने के दिए निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। कोरोना ने बिहार में भी फिर पांव पसारना शुरू कर दिया है। राजधानी पटना में एम्स के डॉक्टर और नर्स के कोरोना संक्रमित मिलने के बाद बिहार सरकार पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गई है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से एनएमसीएच, पीएमसीएच, आईजीआईएमएस जैसे बड़े अस्पतालों को अलर्ट मोड पर कर दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से सभी बड़े अस्पतालों में बेड की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही कोरोना जांच की व्यवस्था की गई है। स्वास्थ्य विभाग ने पटना के प्रमुख अस्पतालों पीएमसीएच, एनएमसीएच और न्यू गार्डिनर रोड हॉस्पिटल में कोरोना के विशेष जांच केंद्र बनाए हैं। इसके अलावा सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और अनुमंडलीय अस्पतालों में जांच के निर्देश दिए गए हैं। इन सभी जगहों पर रैपिड किट भी उपलब्ध करवाई जा रही है। पटना के आईजीआईएमएस में 14 बेड का कोरोना वार्ड बनाया गया है। इसके अलावा आईसीयू में कोरोना मरीजों के लिए 3 बेड रिजर्व कर दिए गए हैं। सभी बेड पर ऑक्सीजन की व्यवस्था की गई है। आईजीआईएमएस के सुपरिटेंडेंट डॉक्टर मनीष मंडल ने कहा अस्पताल में पूरी व्यवस्था है। उन्होंने बताया कि आईजीआईएमएस में अभी एक भी मरीज भर्ती नहीं है। अस्पताल के डॉक्टर और अन्य कर्मी हर परिस्थिति पर नजर रखे हुए हैं। उन्होंने लोगों को भी सावधानी बरतने की सलाह दी है। अच्छी बात यह है कि बिहार के अन्य जिलों में अभी तक कोरोना के मामले नहीं आए हैं। बता दें कि पटना एम्स की एक महिला डॉक्टर, एक नर्स और एक कर्मी कोविड पॉजिटिव पाए गए हैं। तीनों का इलाज एम्स के सीनियर डॉक्टरों की निगरानी में किया जा रहा है। वहीं एनएमसीएच में भी दो मरीजों की रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आई है। पटना के आरपीएस मोड़ पर रहने वाले एक 42 वर्षीय व्यक्ति भी पॉजिटिव पाया गया है। पीड़ित ने सर्दी-जुकाम और बुखार होने पर कोविड टेस्ट कराया था।

प्रधानमंत्री 30 मई को बिहार को देंगे 48 हजार करोड़ से अधिक की योजनाओं का तोहफा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना/नई दिल्ली। प्रधानमंत्री 29 और 30 मई को चार राज्यों- सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार और उत्तर प्रदेश के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे हजारों करोड़ रुपये की विकास योजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे। दौरे में सबसे अहम पड़ाव बिहार का रहेगा जहां वे लगभग 48,520 करोड़ रुपये की लागत वाली परियोजनाओं की सौगात देंगे। प्रधानमंत्री 29 मई की शाम पटना हवाई अड्डे पर नवनिर्मित टर्मिनल भवन का उद्घाटन करेंगे जिसे लगभग 1200 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है। यह नया टर्मिनल हर वर्ष एक करोड़ यात्रियों को संभालने की क्षमता रखता है। इसके साथ ही बिहटा में बनने वाले नये नागरिक एन्क्लेव की आधारशिला भी रखी जाएगी जिसकी अनुमानित लागत 1410 करोड़ रुपये है। बिहटा, जो पटना के समीप एक उभरता हुआ शैक्षणिक केंद्र है, में यह नया हवाई केंद्र क्षेत्र की कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगा। 30 मई को प्रधानमंत्री रोहतास जिले के काराकाट में विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे और इस मंच से कई बड़ी परियोजनाओं की नींव रखेंगे। इसमें सबसे प्रमुख औरंगाबाद जिले में बनने वाली नबीनगर सुपर थर्मल विद्युत परियोजना (चरण-द्वितीय) है, जिसकी लागत लगभग 29,930 करोड़ रुपये होगी। इस परियोजना से 2400 मेगावाट बिजली उत्पादन की क्षमता होगी और यह बिहार समेत पूर्वी भारत को ऊर्जा सुरक्षा प्रदान करेगी। बिजली परियोजनाओं के साथ-साथ सड़क अवसंरचना पर भी विशेष जोर दिया गया है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राजमार्ग-119ए के पटना-आरा-सासाराम खंड को चार लेन बनाने, वाराणसी-रांची-कोलकाता मार्ग (राजमार्ग-319बी), रामनगर-कच्ची दरगाह खंड (राजमार्ग-119डी) को छह लेन का बनाने और बक्सर-भरौली के बीच नये गंगा पुल की आधारशिला भी रखेंगे। इसके अलावा 5520 करोड़ रुपये की लागत से पटना-गया-डोभी खंड के चार लेन के निर्माण का उद्घाटन किया जाएगा। गोपालगंज टाउन में राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर एलिवेटेड सड़क और ग्रेड सुधार कार्यों का भी उद्घाटन होगा। रेल परियोजनाओं में सोन नगर से मोहम्मदगंज के बीच तीसरी रेल लाइन जिसकी लागत 1330 करोड़ रुपये है को राष्ट्र को समर्पित किया जाएगा। ये सभी परियोजनाएं राज्य में व्यापार, यात्रा और संपर्क को नए आयाम देंगी। प्रधानमंत्री का यह दो दिवसीय दौरा पूर्वी भारत की आधारभूत संरचना को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। बिहार से दी गई ये विकास योजनाएं राज्य को ऊर्जा, सड़क, रेल और विमानन जैसे क्षेत्रों में नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगी और करोड़ों लोगों के जीवन में परिवर्तन लाएंगी।

अन्य राज्यों में भी विकास की बौछार

सिक्किम

राज्य स्थापना के 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर प्रधानमंत्री 'सिक्किम@ 50' कार्यक्रम में शामिल होंगे। वे नामची जिले में 500 बिस्तरों वाले नये जिला अस्पताल, ग्यालशिंग जिले में सांगाचोलिंग रोपवे, गंगटोक जिले में अटल अमृत उद्यान जैसी योजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन करेंगे। इस मौके पर स्मारक सिक्का, डाक टिकट और स्मारिका सिक्का भी जारी किए जाएंगे।

पश्चिम बंगाल

प्रधानमंत्री अलीपुरद्वार और कूचबिहार जिलों में सिटी गैस वितरण परियोजना की आधारशिला रखेंगे। लगभग 1010 करोड़ रुपये की इस परियोजना से 2.5 लाख घरों, 100 वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों और अनेक वाहनों को पाइप्ड नेचुरल गैस और सीएनजी की आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

उत्तर प्रदेश

कानपुर नगर में प्रधानमंत्री 20,900 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। इसमें पनकी थर्मल पावर परियोजना, घाटमपुर थर्मल पावर परियोजना, मेट्रो रेल खंड, पनकी सीवेज उपचार संयंत्र, यमुना एक्सप्रेसवे पर 220 केवी सबस्टेशन, रेल ओवरब्रिज और सड़क चौड़ीकरण जैसी परियोजनाएं शामिल हैं। प्रधानमंत्री कई योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र और सहायता राशि भी वितरित करेंगे।

सात जोड़ी समर स्पेशल ट्रेनों के परिचालन अविध में विस्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर उनके सुविधाजनक आवागमन हेतु चलायी जा रही 7 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के परिचालन अविध में विस्तार करने का निर्णय लिया गया है जिनका विवरण निम्नानुसार है -गाड़ी सं. 04504 चंडीगढ़-पटना स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे चंडीगढ़ से 05.06.2025 से 10.07.2025 तक प्रत्येक गुरूवार को चलायी जाएगी। गाड़ी सं. 04503 पटना-चंडीगढ़ स्पेशल के परिचालन अवधि में विस्तार करते हुए इसे पटना से 06.06.2025 से 11.07.2025 तक प्रत्येक शुक्रवार को चलायी जाएगी।

अपराधियों के खिलाफ बुलडोजर चले या इनकाउंटर हो : मंत्री

अपराधियों के खिलाफ पुलिस को कड़े कदम उठाने होंगे

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार में बेखौफ अपराधियों द्वारा लगातार पुलिस को चुनौती दी जा रही है, लेकिन पुलिस इन्हें रोकने में नाकाम साबित हो रही है। ऐसे में राज्य के कानून-व्यवस्था पर विपक्षी दलों के द्वारा उठाए जा रहे सवालों के बीच राज्य के लोक स्वास्थ अभियंत्रण मंत्री नीरज कुमार सिंह बब्लू ने कहा है कि बिहार में बढ़ते अपराध को रोकने के लिए अपराधियों में खौफ पैदा करना होगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए चाहे बुलडोजर चलाना पड़े या फिर इनकाउंटर करना पड़े, पुलिस को कड़े कदम उठाने ही होंगे। तभी अपराधियों में डर पैदा होगा और इसके लिए अधिक से अधिक इनकाउंटर करने की जरूरत है। वहीं, कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए जाने पर बबलू ने राजद पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि बिहार में ज्यादातर अपराधी किसी न किसी रूप में राजद से जुड़े हैं। वे लोग कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाने की बजाय पहले अपने गिरेबान में झांकें। उल्लेखनीय है कि हाल ही में पटना के बोरिंग रोड और फुलवारीशरीफ के बेउर इलाके में हुई गोलीबारी की घटनाओं ने बिहार की कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। बेउर में सोमवार को बैनक्वेट हॉल के मालिक संजय सिंह पर बाइक सवार हमलावरों ने ताबड़तोड़ गोलियां बरसाईं जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए।

जदयू के हाजी मो. परवेज सिद्दीकी और पूर्व विधायक सुरेश चंचल ने थामा कांग्रेस का हाथ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में आयोजित मिलन समारोह में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम के हाथों जनता दल यूनाइटेड के पूर्व विधायक सुरेश चंचल एवं हाजी मो परवेज सिद्दीकी ने कांग्रेस का हाथ थाम लिया। जदयू सलाहकार समिति के सदस्य, चेयरमैन राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आरक्षण मोर्चा, मदरसा शिक्षा आधुनिकीकरण के अध्यक्ष और इस्लामिक स्कॉलर हाजी मो. परवेज सिद्दीकी ने भी आज अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस पार्टी की विधिवत सदस्यता ग्रहण की। उन्होंने कहा कि वक्फ संशोधन कानून पर जनता दल यूनाइटेड और नीतीश कुमार की भाजपा को समर्थन वाली स्टैंड से मुलायम जगत में भारी विरोध है, लेकिन सत्ता लोभ में वे लगातार भाजपा के गोद में बैठे हैं। जनता दल यूनाइटेड में रहकर सामाजिक न्याय और अल्पसंख्यक के हित सुरक्षित रखने की लड़ाई संभव नहीं है। इसलिए हम कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के प्रति विश्वास जताते हुए कांग्रेस पार्टी की सदस्यता अपने समर्थकों के साथ ग्रहण कर रहे हैं। सदस्यता ग्रहण करने के बाद सकरा के पूर्व विधायक सुरेश चंचल ने कहा कि कांग्रेस सामाजिक न्याय की लड़ाई को लेकर संघर्ष कर रही है और देश के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में लगातार जनहित में काम कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में कांग्रेस से जुड़कर काम करना मेरे जैसे सामान्य राजनीतिक कार्यकर्ता के लिए अहम होगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम के नेतृत्व में और कांग्रेस पार्टी के निर्देशन में पार्टी की मजबूती के लिए सकरा विधानसभा से लगायत जिले में काम करेंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने दोनों वरिष्ठ जदयू नेताओं के शामिल कराने के बाद कहा कि कांग्रेस पार्टी के प्रति विभिन्न दलों के राजनीतिक कार्यकर्ताओं में आकर्षण बढ़ा है

दर्जी, रंगरेज और धुनिया कारीगरों के लिए विकास हेतु सरकार प्रतिबद्ध : नीतीश मिश्र

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार सरकार के उद्योग विभाग के अधीन हस्तकरघा एवं रेशम निदेशालय द्वारा आज विकास भवन, पटना में एक ऐतिहासिक आमसभा आयोजित की गई। इस आमसभा की अध्यक्षता उद्योग मंत्री-सह-अध्यक्ष, दर्जी, रंगरेज एवं धुनिया आर्टिजन विकास समिति, बिहार, नीतीश मिश्रा ने की। सभा में राज्य के पारंपरिक दर्जी, रंगरेज और धुनिया समुदायों के आर्थिक, तकनीकी एवं सामाजिक सशक्तिकरण हेतु गठित तीनों आर्टिजन विकास समितियों को समाज निबंधन अधिनियम, 1860 के अंतर्गत विधिवत रूप से निबंधित किए जाने के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से अनुमोदन प्राप्त हुआ। सभा में उद्योग निदेशक सह निदेशक, हस्तकरघा एवं रेशम-सह सदस्य सचिव उद्योग विभाग निखिल धनराज निप्पणीकर, मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जीविका बिहार हिमांशु शर्मा, वित्त विभाग एवं समाज कल्याण विभाग के प्रतिनिधि, निबंधक, सहयोग समितियां, बिहार तथा रंगरेज, धुनिया एवं दर्जी समुदायों के 15 गैर-सरकारी प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस पहल का उद्देश्य पारंपरिक कारीगर समुदायों को संगठित कर उन्हें राज्य की योजनाओं से जोड़ना, कार्यस्थल की समुचित व्यवस्था करना, रोजगार उपलब्ध कराना तथा उन्हें समाज की मुख्यधारा में लाना है। तीनों समितियों को विधिक रूप से निबंधित कर उन्हें राज्य स्तरीय योजनाओं के क्रियान्वयन में सक्रिय भूमिका का अवसर प्रदान किया गया है। सभा को संबोधित करते हुए मंत्री नीतीश मिश्रा ने कहा कि यह महज संस्थागत निबंधन नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, आर्थिक समावेशिता और कौशल विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

लालू यादव ने अपने पोते का नाम रखा 'इराज'

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने अपने पोते का नाम 'इराज' रखा है। हनुमान जी के 108 नामों में से 'इराज' भी एक नाम है। दरअसल, मंगलवार को पोते का जन्म होने के कारण लालू यादव ने उसका नाम 'इराज' रखा है। इसके साथ ही कामदेव को भी इराज के नाम से जाना जाता है। यही नहीं फूल को भी 'इराज' कहते हैं। 'इराज' के अन्य अर्थ हैं- 'जल से उत्पन्न व्यक्ति'। यह एक पवित्र, सौम्य और सकारात्मक ऊर्जा से भरा नाम माना जाता है। यह नाम खुशी या आनंद का प्रतीक भी है। लालू यादव ने एक्स पर एक पोस्ट करते हुए लिखा कि मैंने और रबड़ी देवी ने अपनी पोती कात्यायनी के छोटे भाई का नाम 'इराज' रखा है। उन्होंने आगे लिखा है कि तेजस्वी और राजश्री ने उसका पूरा नाम 'इराज लालू यादव' रखा है। कात्यायनी का जन्म शुभ नवरात्रि के 6वें दिन कात्यायनी अष्टमी को हुआ था और इस नन्हे बच्चे का जन्म बजरंग बली हनुमान जी के मंगल दिवस मंगलवार को हुआ है, इसलिए उसका नाम 'इराज' रखा गया है।

मोदी जी की बिहार यात्रा पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने पूछे पांच बड़े सवाल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बिहार यात्रा एक बार फिर सवालों के घेरे में है। हर बार की तरह इस बार भी चुनावी माहौल के बीच बड़बोले भाषणों और झूठे वादों की भरमार देखने को मिली। सवाल ये है कि क्या बिहार को हर चुनाव से पहले सिर्फ आश्वासनों और आंकड़ों का खेल दिखाया जाएगा? ये बातें बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश राम ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कही। प्रधानमंत्री की आगामी बिहार यात्रा पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने पीएम की इस यात्रा पर पांच सवाल मीडिया के माध्यम से पूछे हैं?

सवाल : 2015 में घोषित सवा लाख करोड़ के पैकेज का क्या हुआ? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगस्त 2015 में आरा की जनसभा में बिहार के लिए 1.25 लाख करोड़ के विशेष पैकेज की घोषणा की थी। इस पैकेज में सड़क, पुल, रेलवे, ऊर्जा, कृषि और शिक्षा से संबंधित कई परियोजनाएं थीं। 54,713 करोड़ राष्ट्रीय राजमार्गों और पुलों के लिए 3,000 करोड़ कृषि और शिक्षा के लिए जिसमें भागलपुर में केंद्रीय विश्वविद्यालय और एक मेगा स्किल यूनिवर्सिटी की योजना, तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस पैकेज को 'जुमलेबाजी' कहा था, यह दावा करते हुए कि इनमें अधिकांश योजनाएं पहले से स्वीकृत थीं।

उपेंद्र कुशवाहा ने की शाहाबाद की जनता से प्रधानमंत्री मोदी की विक्रमगंज रैली में आने की अपील

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिहार आगमन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा है कि हम सभी लोगों के लिए फक्र की बात है कि प्रधानमंत्री फिर बिहार आ रहे हैं। खास तौर पर यह शाहाबाद के लिए विशेष रूप से फक्र की बात है। प्रधानमंत्री जब भी बिहार आते हैं बिहार के लिए कोई न कोई सौगात लेकर आते हैं। इस बार भी मुझे विश्वास है कि प्रधानमंत्री फिर से कोई न कोई सौगात लेकर आएंगे। उन्होंने कहा कि शाहाबाद क्षेत्र की आम जनता से अनुरोध है कि आगामी 30 मई को सुबह 09 बजे से आयोजित प्रधानमंत्री की विक्रमगंज की रैली में बड़ी संख्या में जुटकर उनको सुनें और लाभ उठाएं साथ ही उनका अभिवादन करते हुए उनका मनोबल बढ़ाए ताकि प्रधानमन्त्री जी इसी तरह तीव्र गति से विकास का कार्य करते रहें। उक्त आशय की जानकारी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता नितिन भारती ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि इस संबंध में उपेन्द्र कुशवाहा ने एक वीडियो भी जारी किया है जिसमें उन्होंने शाहाबाद की आम जनता से विक्रमगंज रैली में आने की अपील की है।

नेत्रवेदम-अत्याधुनिक आंख अस्पताल का स्वास्थ्य मंत्री ने किया उद्घाटन

पटना को नेत्रवेदम के रूप में एक अत्याधुनिक आंख अस्पताल की सौगात : मंगल पांडेय

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में पटना को नेत्रवेदम के रूप में एक अत्याधुनिक आंख अस्पताल की सौगात मिली। इस अस्पताल का उद्घाटन स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय के कर-कमलों द्वारा किया गया। कंकड़बाग (एम.आई.जी.80ए, पी.सी.कॉलोनी) पटना में स्थित यह अत्याधुनिक नेत्र चिकित्सा केंद्र, आधुनिक तकनीकों से सुसज्जित है और इसका उद्देश्य पटना एवं आसपास के जिलों के नागरिकों को विश्वस्तरीय नेत्र उपचार की सुविधा प्रदान करना है। अस्पताल में नवीनतम उपकरणों से युक्त ऑपरेशन थिएटर, रेटिना क्लिनिक, ग्लूकोमा क्लिनिक, कॉर्निया क्लीनिक, मोतियाबिंद इलाज, ऑप्टिकल यूनिट तथा फार्मेसी सेवाएं उपलब्ध हैं। इस मौके पर उपस्थित स्वास्थ्य मंत्री ने कहा मैं नेत्रवेदम जैसे अत्याधुनिक और सुपरस्पेशियलिटी नेत्र अस्पताल के उद्घाटन पर अत्यंत हर्षित हूं। यह न केवल पटना, बल्कि पूरे बिहार के लिए गर्व की बात है कि अब नेत्र रोगों के इलाज के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएं हमारे अपने राज्य में उपलब्ध है। यह अस्पताल न सिर्फ तकनीकी दृष्टि से उन्नत है, बल्कि इसकी सेवाओं में संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व भी साफ झलकता है। विशेषकर ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों से आने वाले मरीजों के लिए जो निःशुल्क जांच और परामर्श की व्यवस्था की गई है, वह अत्यंत सराहनीय है। मैं डॉ. सबिताभ कुमार और उनकी टीम को इस महत्वपूर्ण पहल के लिए बधाई देता हूं और आशा करता हूं कि नेत्रवेदम, सेवा और उत्कृष्टता का प्रतीक बनेगा। यह अस्पताल आने वाले समय में नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में बिहार को एक नई ऊंचाई प्रदान करेगा। इस अवसर पर अस्पताल के निदेशक डॉ. सबिताभ कुमार ने कहा हमारा संकल्प है कि किसी भी व्यक्ति को नेत्र रोग के कारण अंधकार में न रहना पड़े।

राजद और विकास में छत्तीस का रिश्ता : संतोष सुमन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष व लघु जल संसाधन मंत्री डॉ. संतोष सुमन ने कहा कि डबल इंजन की एनडीए सरकार के विकास कार्यों को झुठलाना राजद के विकास विरोधी चरित्र को दर्शाता है। एनडीए सरकार को 'खटारा' बता कर राजद-कांग्रेस अपने लूट-खसोट व भ्रष्टाचार वाले कार्यकाल पर पर्दा डालना चाहते हैं। राजद-कांग्रेस ने ही दशकों तक बिहार को बीमारू व बदनाम छवि वाला राज्य बना कर रखा। श्री सुमन ने कहा कि राजद की पूरी राजनीति ही विकास विरोधी रही है। सड़क, बिजली, पानी, सिंचाई, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, रोजगार कभी भी राजद की प्राथमिकता में नहीं रही। जातीय उन्माद की राजनीति करने वाला राजद समाज में अस्थिरता व वैमनष्य पैदा कर केवल वोट की फसल काटता रहा है। उन्होंने कहा कि आज फ्री बिजली बांटने का वायदा करने वाले राजद के शासनकाल में बिहार में बिजली की कुल उपलब्धता मात्र 700 से 800 मेगावाट रहती थी। गांव की कौन कहें शहरों तक में बमुश्किल 6 से 8 घंटे भी बिजली नहीं मिल पाती थी। गांवों में लोग बिजली के तारों पर कपड़े सुखाते थे। श्री सुमन ने कहा कि सड़कों की स्थिति इतनी दयनीय थी कि दूरी किलोमीटर में नहीं घन्टों में मापी जाती थी।

संपादकीय

विकास पर बल, भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार पर प्रभाव नहीं

सरकार लगातार देश की अर्थव्यवस्था पांच लाख करोड़ डालर तक पहुंचाने का संकल्प दोहराती रही है। दावा किया जाता है कि भारत जल्दी ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बन जाएगा। इसके लिए प्रयास भी किए जा रहे हैं। इस लक्ष्य की तरफ आगे बढ़ने का उत्साह नीति आयोग शासी परिषद की दसवीं बैठक में भी दिखा। इसमें प्रधानमंत्री ने सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से कहा कि अगर वे टीम इंडिया की तरह काम करें और हर राज्य, हर शहर, हर गांव को विकसित बनाने के लिए काम करें, तो आजादी की सौवीं वर्षगांठ से पहले ही देश को विकसित की श्रेणी में खड़ा किया जा सकता है।उन्होंने पर्यटन और शहरी विकास पर विशेष बल दिया। इस बैठक का विषय भारत को 2047 तक विकसित देश बनाने पर विचार करना था। यह एक तरह से केंद्र सरकार के विकासोन्मुखी कार्यक्रमों को और गति देने की मंशा के अनुरूप ही है। अक्सर विपक्षी दलों वाली राज्य सरकारों और केंद्र सरकार के बीच नीतियों का टकराव देखा जाता रहा है, जिसका असर विकास कार्यक्रमों पर पड़ता है। अच्छी बात है कि इस बैठक में प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्रियों के साथ संबंधों में सहजता लाने का प्रयास किया। इसी का नतीजा है कि बैठक में किसी प्रकार का वैचारिक विरोध नजर नहीं आया। हालांकि कांग्रेस ने इस बैठक को लोगों का ध्यान भटकाने का सरकार का एक और प्रयास बताया है।इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि भारत दुनिया की तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था है और तमाम झटकों के बावजूद इसकी रफ्तार पर बहुत प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है। ऐसे में विकासशील देशों यानी वैश्विक दक्षिण देशों की उम्मीदें इससे और जुड़ती गई हैं। विश्व पटल पर व्यापारिक समझौतों आदि के मामले में भारत ने कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। ऐसे में अगर केंद्र और सभी राज्य सरकारें मिल कर विश्व मानकों के अनुरूप अपने शहरों, पर्यटन स्थलों और विनिर्माण योजनाओं पर गंभीरता से काम करें, तो एक मिसाल कायम हो सकती है।मगर असल चुनौती यही है कि केंद्र सरकार किस तरह राज्य सरकारों के साथ सौहार्द और सहयोग का रिश्ता कायम कर पाती है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री तो लगातार केंद्र की नीतियों और बैठकों आदि का विरोध करती रही हैं। इसके अलावा, विपक्षी दलों की राज्य सरकारों के साथ केंद्र के रिश्ते तनावपूर्ण देखे गए हैं। इसलिए केंद्र से ही अपेक्षा की जाती है कि वह इस तल्खी को दूर करने का प्रयास करे।विकास और अर्थव्यवस्था एक-दूसरे से नत्थी होते हुए भी कई मामलों में इनमें अलगाव भी होता है। जरूरी नहीं कि सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़ों के आधार पर अर्थव्यवस्था की दर ऊंची होने पर देश में खुशहाली का स्तर भी ऊंचा हो। भारत में यह विरोधाभास गहरा है। एक तरफ विकास दर ऊंची है, तो दूसरी तरफ बेरोजगारी और गरीबी उन्मूलन के मामले में अपेक्षित कामयाबी नहीं मिल पा रही। शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं भी प्रश्नांकित होती रहती हैं।अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में विकास दर संतुलित नहीं है। विनिर्माण क्षेत्र अब भी हिचकोले खा रहा है। इसकी बड़ी वजह है कि निर्यात बढ़ाने और व्यापार घाटा पाटने में अपेक्षित कामयाबी नहीं मिल पा रही।

स्टूडेंट्स सुसाइड मामले में शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई सुप्रीम कोर्ट ने इस दौरान कोटा में हो रहे स्टूडेंट्स सुसाइड के मामलों को भी गंभीर बताया और राजस्थान सरकार को फटकार लगाई। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा, कोटा में इस साल अब तक 14 स्टूडेंट्स सुसाइड कर चुके हैं। आप एक राज्य के तौर पर इसे लेकर क्या कर रहे हैं? स्टूडेंट्स कोटा में ही क्यों आत्महत्या कर रहे हैं? एक राज्य के तौर पर क्या आपने इस पर कोई विचार नहीं किया? सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी कोटा में छात्रा का शव मिलने और आईआटी खड़गपुर के छात्र के सुसाइड मामले की सुनवाई के दौरान की। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार से इस मामले में जवाब मांगा है। अगली सुनवाई 14 जुलाई को होगी।

आत्महत्या करने वाले सभी छात्रों की सोचें

(अशोक मधुप)

आईआईटी खड़गपुर सुसाइड को लेकर कोर्ट ने 14 मई को कहा था वो सिर्फ यह पता लगाने के लिए संज्ञान ले रहे हैं कि प्रशासन ने 'अमित कुमार एवं अन्य बनाम भारत संघ एवं अन्य' मामले में जारी कोर्ट के निर्देशों का पालन कर एफआईआर दर्ज कराई है या नहीं।

हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने कोटा में हुई छात्रों की मौत पर सुनवाई की। इन पर चिंता जाहिर की। स्टूडेंट्स सुसाइड के मामलों को भी गंभीर बताया और राजस्थान सरकार को फटकार लगाई, जबकि अकेले कोटा ही नहीं देशभर के छात्रों की मौत पर कार्रवाई होनी चाहिए। इन मौत की जांच होनी चाहिए। देशभर के छात्रों की आत्महत्या और इनको रोकने पर विचार होना चाहिए।

स्टूडेंट्स सुसाइड मामले में शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई सुप्रीम कोर्ट ने इस दौरान कोटा में हो रहे स्टूडेंट्स सुसाइड के मामलों को भी गंभीर बताया और राजस्थान सरकार को फटकार लगाई। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा, कोटा में इस साल अब तक 14 स्टूडेंट्स सुसाइड कर चुके हैं। आप एक राज्य के तौर पर इसे लेकर क्या कर रहे हैं? स्टूडेंट्स कोटा में ही क्यों आत्महत्या कर रहे हैं? एक राज्य के तौर पर क्या आपने इस पर कोई विचार नहीं किया? सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी कोटा में छात्रा का शव मिलने और आईआटी खड़गपुर के छात्र के सुसाइड मामले की सुनवाई के दौरान की। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार से इस मामले में जवाब मांगा है। अगली सुनवाई 14 जुलाई को होगी।

चार मई को एनइइटी एग्जाम से कुछ ही घंटे पहले कोटा के हॉस्टल में 17 साल की छात्रा का शव मिला था। चार मई को ही, आईआईटी खड़गपुर में पढ़ने वाले 22 साल के स्टूडेंट ने हॉस्टल के कमरे में फांसी लगा ली थी। इन्हीं दोनों मामलों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने छह मई को स्वतः संज्ञान लिया था।

आईआईटी खड़गपुर सुसाइड को लेकर कोर्ट ने 14 मई को कहा था वो सिर्फ यह पता लगाने के लिए संज्ञान ले रहे हैं कि प्रशासन ने 'अमित कुमार एवं अन्य बनाम भारत संघ एवं अन्य' मामले में जारी कोर्ट के निर्देशों का पालन कर एफआईआर दर्ज कराई है या नहीं। वहीं, कोटा में हुए सुसाइड को लेकर कोर्ट ने जवाब मांगा था कि एफआईआर दर्ज क्यों नहीं की गई। जस्टिस जेबी पारदीवाला और आर महादेवन की बेंच ने ये सुनवाई की थी। इसी के साथ कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश भी दिया था कि मेंटल हेल्थ और सुसाइड प्रिवेंशन के लिए बनने वाली नेशनल टास्क फोर्स यानी एनटीएफ के गठन के लिए 20 लाख रुपए दो दिन में जमा कराएं।

बात पिछले सालों की करें, तो साल 2024 में कोटा में रहने वाले 17 स्टूडेंट्स ने सुसाइड किया था। पिछले साल जनवरी के महीने में 2 और फरवरी के महीने में 3 सुसाइड हुए थे। वहीं साल 2023 में कोटा में स्टूडेंट सुसाइड के कुल 26 मामले सामने आए थे। एमपी सुसाइड प्रिवेंशन टास्क फोर्स के मेंबर और साइकेट्रिस्ट डॉ सत्यकांत त्रिवेदी ने कोटा में हो रहे स्टूडेंट सुसाइड को लेकर कहा, 'किसी भी आत्महत्या का कोई एक कारण नहीं होता। वही एग्जाम सभी बच्चे दे रहे होते हैं। ऐसे में सुसाइड के लिए मिले-जुले फैक्टर्स जिम्मेदार होते हैं। इसमें जेनेटिक्स कारण, सामाजिक कारण, पियर प्रेशर, माता-पिता के एक्सपेक्टेशन्स, शिक्षा तंत्र सब शामिल है। डॉ त्रिवेदी कहते हैं कि कहीं न कहीं हम बच्चों को ये सिखाने में नाकामयाब हो जाते हैं कि स्ट्रेस, रिजेक्शन या फेलियर से कैसे डील करना है। आज बच्चा ये मानने लगा है कि उसका एकेडमिक अचीवमेंट उसके एग्जिस्टेंस से भी बड़ा है। बच्चा तैयारी छोड़ने के लिए तैयार नहीं है, जीवन छोड़ने के लिए तैयार है। सोसायटी ने प्रतियोगी परीक्षाओं को बहुत ज्यादा महिमामंडित कर दिया है जिसकी वजह से बच्चा ये महसूस करता है कि मैं पूर्ण तभी हो सकूंगा जब कोई एग्जाम क्रैक कर लूंगा।

देश में आत्महत्या के हर साल आने वाले मामलों में छात्रों की संख्या सबसे ज्यादा होती है। आंकड़ों की बात करें तो साल 2021 में 13,089 छात्रों ने आत्महत्या की थी, जबकि, साल 2022 में 13,044 छात्रों ने आत्महत्या की। वहीं 2018 से 2020 के दौरान कुल 33,020 छात्रों ने आत्महत्या कर ली। भारत युवाओं का देश है। यहां की 60 फीसदी से ज्यादा आबादी युवा है, लेकिन, अब इसी देश में हर 40 मिनट में एक युवा अपनी जान दे रहा है। ये आंकड़े स्टूडेंट सुसाइड- एन एपिडेमिक स्वीपिंग इंडिया रिपोर्ट की ओर से जारी किए गए हैं। दरअसल, देश में हर दिन 35 से ज्यादा छात्र आत्महत्या कर रहे हैं। साल 2018 से 2022 तक देश में 59,153 छात्रों ने आत्महत्या कर ली।

स्टूडेंट सुसाइड- एन एपिडेमिक स्वीपिंग इंडिया रिपोर्ट, आईसी थ्री की साला कॉन्फ्रेंस में साझा की गई। इस रिपोर्ट को तैयार करने के लिए नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों का इस्तेमाल किया गया है। आईसी? 3 एक नॉन-प्रॉफिट ऑर्गेनाइजेशन है जो पूरी दुनिया में शिक्षा के क्षेत्र में काम करती है।

इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत में जहां आत्महत्या की दर हर साल दो फीसदी की दर से बढ़ रही है, वहीं छात्रों में आत्महत्या की दर चार फीसदी की दर से हर साल बढ़ रही है। यानी देश में आत्महत्या के जितने मामले हर साल आते हैं, उनमें छात्रों की संख्या सबसे ज्यादा होती है। आंकड़ों की बात करें तो साल 2021 में 13,089 छात्रों ने आत्महत्या कर ली थी, जबकि, साल 2022 में 13,044 छात्रों ने आत्महत्या की। वहीं 2018 से 2020 के दौरान कुल 33,020 छात्रों ने आत्महत्या की।

छात्रों की आत्महत्या के अलग-अलग मामलों में अलग-अलग वजहें हैं, लेकिन ज्यादातर मामलों में सिर्फ एक वजह है। ये वजह है मेंटल हेल्थ। यूनिसेफ की एक रिपोर्ट कहती है कि भारत में 15 से 24 साल का हर सात में से एक आदमी खराब मेंटल हेल्थ की समस्या से जूझ रहा है।

सबसे बड़ी बात तो ये है कि लोग अपनी मेंटल हेल्थ की समस्या को गंभीरता से नहीं लेते, यूनिसेफ के इस सर्वे में ही जितने लोगों ने भाग लिया, उसमें से सिर्फ 41 फीसदी लोग ही अपनी मानसिक समस्या के समाधान के लिए काउंसलर के पास गए। यानी 59 फीसदी लोगों ने इस समस्या को जैसे का तैसा छोड़ दिया।

देश को चाहिए कि वरिष्ठ मनोवैज्ञानिकों की कोई प्रदेश स्तर पर ऐसी कोई संस्था बनाए तो तकनीकि शिक्षा के लिए कोचिंग करने वालों और तकनीकि शिक्षा ग्रहण करने वाले छात्र?छात्राओं के मानसिक स्तर की समय-समय पर जांच करे। उनकी कोंसलिंग करे। उनकी समस्याओं पर विचार कर छात्र-छात्राओं का सही मार्ग दर्शन करे, ताकि वह आत्महत्या न कर, विपरीत परिस्थिति से संघर्ष करना सीखें। उन्हें जीवन जीने की कला सिखाई जाए। अगर विशेषज्ञ समझें तो कोचिंग करने वाले और तकनीकि शिक्षा प्राप्त करने वाले युवाओं को मेडिटेशन या ध्यान से भी जोड़ा जा सकता है। इससे युवाओं में विषय के प्रति एकाग्रता बढ़ेगी। चिंतन शक्ति का विकास होगा। निगेटिव विचार कम होंगे। ये मेडिटेशन या ध्यान उन्हें पूरे जीवन के लिए नई ऊर्जा प्रदान करेगा। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं) (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

तेरी रगों में क्या बह रहा है

हमने कहा- यह भी कोई प्रश्न है ? हम मनुष्य हैं और सभी मनुष्यों जैसे ही दो हाथ पैर वाले, जमीन पर हगने-चलने वाले, मुँह से दो रूखी-सूखी रोटी खाने वाले हैं । जो दूसरे मनुष्यों की रगों में बहता है वही हमारी रगों में बहता होगा । जब कहीं कट जाता है तो लाल रंग का तरल पदार्थ निकलता है जिसे लहू या खून कहते हैं । पहले कुएँ से निकालकर पानी लाया करते थे लेकिन अब तो कोई सत्तर साल से जैसा भी गँदला-साफ पानी नल में आता है वही पीते हैं । हो सकता है अब रगों में वही बहता हो । फिर भी दावे से कुछ नहीं सकते ।

(रमेश जोशी)

आज तोताराम ने आते ही हमसे प्रश्न किया- तेरी रगों में क्या बह रहा है ?

हमने कहा- यह भी कोई प्रश्न है ? हम मनुष्य हैं और सभी मनुष्यों जैसे ही दो हाथ पैर वाले, जमीन पर हगने-चलने वाले, मुँह से दो रूखी-सूखी रोटी खाने वाले हैं । जो दूसरे मनुष्यों की रगों में बहता है वही हमारी रगों में बहता होगा । जब कहीं कट जाता है तो लाल रंग का तरल पदार्थ निकलता है जिसे लहू या खून कहते हैं । पहले कुएँ से निकालकर पानी लाया करते थे लेकिन अब तो कोई सत्तर साल से जैसा भी गँदला-साफ पानी नल में आता है वही पीते हैं । हो सकता है अब रगों में वही बहता हो । फिर भी दावे से कुछ नहीं सकते ।

बोला- वह बात नहीं है लेकिन अब जब से पहलगाँव में 26 पर्यटकों की नृशंस हत्या हुई है तब से जैसे मोदी जी की रगों में गरम सिंदूर बह रहा है वैसे तेरी रगों में क्या बह रहा है ?

हमने कहा- मोदी जी असामान्य हैं, अलौकिक हैं । उनकी रगों में कुछ भी बह सकता है ।पहले शायद खून ही बहता होगा लेकिन अब अवसरानुकूल, आवश्यकतानुसार सिंदूर बहने लगा है । कभी उनकी रगों में देश प्रेम बहने लग जाता है । देवताओं पर कोई नियम लागू नहीं होता । उनके कितने भी सिर, कितने भी हाथ-पैर, नेत्र हो सकते हैं, वे कभी भी कहीं भी जा सकते हैं, जल में समाधि लगा सकते हैं, आकाश में उड़ सकते हैं । कोई भी रूप धारण कर सकते हैं । रमेश विधूड़ी की रगों में मुसलमानों के प्रति घृणा बहती है, योगी जी की रगों में बुलडोजर बहता होगा तो अमित जी रगों में कानून व्यवस्था और सुशासन बहता हो ।

बोला- मैं तुझसे तेरे बारे में बात कर रहा हूँ और तू बिना बात ही दुनिया की रामायण मुझे सुना रहा है ।

हमने कहा- पहलगाँव की घटना पर हमें भी बहुत दुख हुआ था, क्रोध आया था लेकिन हम क्या कर सकते थे । हम कोई मोदी जी तो हैं नहीं जो बादलों का फायदा उठाकर राडार को धता बताकर घर में घुसकर मार दें । हमसे तो मच्छरदानी में घुसा हुआ मच्छर तक नहीं मरता ।

23 अप्रैल को अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी समिति के 22 वें अधिवेशन में भाग लेने के लिए अमेरिका जाना था लेकिन उसी दिन कोई 4-5 घंटे पहले बहुत जी घबराया और कमजोरी अनुभव हुई तो बच्चों ने रोक लिया । कहा- अकेले नहीं जाने देंगे । फिर 26 को जयपुर दिखाया तो पता चला कि ब्लोकेज कुछ बढ़ गया लेकिन आयु को

देखते हुए कोई भी छोटा-बड़ा ऑपरेशन नहीं करेंगे । बस, पथ्य-परहेज से रहो ।

बोला- तो फिर लगे हाथ डाक्टर से यह भी पूछ लेता कि जैसे वीरता के कारण मोदी की रगों में सिंदूर बहने लगा वैसे ही कहीं कायरता और डर के मारे तेरा खून कॉकरोच के खून की तरह सफेद न हो गया हो या पानी ही न हो गया हो ।

हमने कहा- ये सब बकवास है । खून खून होता है । वह किसी प्रधानमंत्री या सामान्य आदमी या हिन्दू मुसलमान, संघी-लीगी के हिसाब से नहीं होता । खून ए बी सी डी आदि ग्रुपों के हिसाब से होता है । और खून केवल रगों में दौड़ने के लिए नहीं होता उसे गालिब की तरह समय पर आँख से भी टपकना चाहिए , भीम की तरह द्रौपदी के चीरहरण के समय दुःशासन की जांघ तोड़ने के लिए प्रतिज्ञ होना चाहिए, राम की तरह ऋषि-मुनियों की हड्डियों के ढेर को देखकर 'भुज उठाय प्रण करके' उनका विनाश भी करना चाहिए । सेना की वर्दी तो फ़ोटो खिंचवाने के लिए फ़ोटो स्टूडियो में भी मिल जाएंगी । ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

मोदी का विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार का संदेश, चीन को सबक सिखाना क्यों जरूरी हो गया?

(संयम श्रीवास्तव)

2020 के गलवान घाटी संघर्ष के बाद से भारत-चीन संबंध तनावपूर्ण हैं. विपक्ष का आरोप रहा है कि चीन ने लद्दाख में 1,000 वर्ग किमी क्षेत्र पर कब्जा किया है और पैंगोंग झील के पास बंकर बनाए हैं. 21 दौर की सैन्य वार्ता के बावजूद 2020 के बाद भी कोई महत्वपूर्ण प्रगति नजर नहीं आती है. शायद यही कारण रहा है कि भारत ने खुलकर चीन से आने वाले सामान, कई एप्लिकेशन पर प्रतिबंध लगाए. ऑपरेशन सिंदूर के बाद क्या भारत ने चाइनीज सामानों के बहिष्कार का पार्ट-2 शुरू करने वाली है?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज गुजरात में विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार की बात की. इसमें उन्होंने देशवासियों से स्वदेशी सामान अपनाने और विदेशी वस्तुओं का उपयोग कम करने की अपील की. इसका उद्देश्य भारत को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना और 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करना है।

पीएम मोदी ने जिस तरह विदेशी सामानों के बहिष्कार की बात की है उसका सीधा संबंध चीन से ही है. क्योंकि भारतीय बाजारों में चाइनीज सामान का पिछले 2 दशकों से अंबार लगा हुआ है. मोदी जिस तरह से अपनी गांधीनगर की स्पीच में पिचकारी से लेकर भगवान गणेश तक का नाम लेते हैं उससे साफ जाहिर हो जाता है कि उनका इशारा किस देश की ओर है. गलवान संघर्ष के बाद जो बहिष्कार शुरू हुआ था उसे एक बार फिर शुरू करने की जरूरत है. आइये देखते हैं कि क्यों भारत के लिए जरूरी हो गया है चीन के सामानों का बहिष्कार किया जाये।

पीएम मोदी ने जिस तरह विदेशी सामानों के बहिष्कार की बात की है उसका सीधा संबंध चीन से ही है. क्योंकि भारतीय बाजारों में चाइनीज सामान का पिछले 2 दशकों से अंबार लगा हुआ है. मोदी जिस तरह से अपनी गांधीनगर की स्पीच में पिचकारी से लेकर भगवान गणेश तक का नाम लेते हैं उससे साफ जाहिर हो जाता है कि उनका इशारा किस देश की ओर है. गलवान संघर्ष के बाद जो बहिष्कार शुरू हुआ था उसे एक बार फिर शुरू करने की जरूरत है. आइये देखते हैं कि क्यों भारत के लिए जरूरी हो गया है चीन के सामानों का बहिष्कार किया जाये।

पाकिस्तान और बांग्लादेश को लगातार भड़का रहा है चीन – चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश को भारत के खिलाफ रणनीतिक रूप से शह देने के लिए आर्थिक, सैन्य और कूटनीतिक तरीकों का उपयोग कर रहा है, जिसका मकसद भारत को क्षेत्रीय स्तर पर कमजोर करना और दक्षिण एशिया में अपना प्रभाव बढ़ाना है. चीन ने बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के तहत पाकिस्तान और बांग्लादेश में भारी निवेश किया है. पाकिस्तान में चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा के जरिए बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर अरबों डॉलर खर्च किए गए. यही नहीं अब चीन की प्लानिंग सीपीईसी को अफगानिस्तान तक ले जाने की है।

चीन, पाकिस्तान को हथियारों और तकनीक की आपूर्ति करता है, जैसे पीएल-15 मिसाइल और जे-10सी फाइटर जेट. ऑपरेशन सिंदूर (मई 2025) के दौरान इन हथियारों का उपयोग भारत के खिलाफ हुआ, हालांकि भारतीय सेना ने इन्हें नाकाम कर दिया. चीन ने बांग्लादेश को भी सैन्य सहायता दी, जिससे वह भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र, खासकर चिकन नेक के पास सैन्य अड्डे बनाने की योजना बना रहा है।

पहलगाम हमले (अप्रैल 2025) के बाद चीन ने पाकिस्तान का खुलकर समर्थन किया, भारत की सैन्य कार्रवाइयों को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए संयम बरतने की अपील की. बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद चीन ने नई सरकार के साथ रणनीतिक साझेदारी को मजबूत किया, जिससे भारत-विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा मिला है।

चीन की स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स रणनीति के तहत वह बंगाल की खाड़ी और हिंद महासागर में प्रभाव बढ़ाने के लिए बांग्लादेश और पाकिस्तान का उपयोग कर रहा है. बांग्लादेश में चीनी जासूसी जहाज दा यांग हाओ की मौजूदगी और सीपीईसी के तहत ग्वादर बंदरगाह का विकास भारत को घेरने की रणनीति का हिस्सा है।

आर्थिक दबाव भी कम नहीं है– 2024 में भारत का चीन के साथ व्यापार घाटा 48.5 बिलियन डॉलर था. भारत इलेक्ट्रॉनिक्स (20प्रतिशत), फार्मास्यूटिकल्स (70 प्रतिशत एपीआई) और ऑटोमोबाइल पार्ट्स (24 प्रतिशत) के लिए चीन पर निर्भर है. यदि बहिष्कार की अपील सही तरीके से काम करती है तो इससे व्यापार घाटे तो कम होगा ही मेक इन इंडिया को भी बढ़ावा मिल सकता है।

पीएलआई स्कीम के तहत भारत ने आईफोन उत्पादन को वैश्विक हिस्सेदारी का 14-15 प्रतिशत तक बढ़ाया। बहिष्कार की अपील इस आत्मनिर्भरता को और तेज करने और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में चीन की जगह लेने की कोशिश हो सकती है। भारत में एप्पल और टेस्ला जैसे ब्रांड में निवेश कर रहे हैं। बहिष्कार की अपील वैश्विक कंपनियों को यह संदेश दे सकती है कि भारत एक विश्वसनीय विकल्प है।

क्या इसे चीन पर स्ट्राइक कह सकते हैं?– वित्त वर्ष 2023-24 में भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय व्यापार 118.4 अरब डॉलर था, जिसमें भारत ने 101.75 अरब डॉलर का आयात किया और केवल 16.66 अरब डॉलर का निर्यात किया, जिससे व्यापार घाटा 85.09 अरब डॉलर रहा। यदि भारत चीनी सामानों का पूर्ण बहिष्कार करता है, तो चीन को इस आयात राशि (101.75 अरब डॉलर) का नुकसान हो सकता है. हालांकि, पूर्ण बहिष्कार व्यवहारिक रूप से संभव नहीं है, क्योंकि भारत कई क्षेत्रों जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्यूटिकल्स और कई उद्योगों के लिए कच्चा माल के लिए चीन पर निर्भर है। आंशिक बहिष्कार के परिणाम स्वरूप 2020 में गलवान विवाद के बाद चीनी सामानों की बिक्री में 25-40 प्रतिशत की कमी देखी गई थी, जिससे चीन को अनुमानित 40,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था।

भारत का खिलौना उद्योग चीनी आयात से सबसे अधिक प्रभावित है, जहां 80 प्रतिशत बाजार पर चीन और इटली का कब्जा है. बहिष्कार से भारतीय खिलौना उद्योग को बढ़ावा मिल सकता है, जिससे चीन को इस क्षेत्र में सालाना कई हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो सकता है. इसी तरह, सौर ऊर्जा और थर्मल पावर क्षेत्र में 70-80 प्रतिशत उपकरण चीन से आते हैं. इन क्षेत्रों में स्वदेशी उत्पादन बढ़ने से चीन का निर्यात प्रभावित होगा।

वैश्विक स्तर पर, चीन जो भी सामान भारत भेजता है वो उसके कुल निर्यात का केवल 2 प्रतिशत है, जबकि भारत अपने कुल निर्यात का 8 प्रतिशत चीन को भेजता है। इसलिए, भारत के बहिष्कार से चीन की अर्थव्यवस्था को बड़ा झटका नहीं लगेगा. लेकिन चीन के साथ अमेरिका का संबंध खराब होता है तो चीन के लिए भारत का रुठना बहुत घाटे का सौदा हो जाएगा. इसलिए भारत के लिए यह सही समय है चीनी को सबक सिखाने का।

संत सदगुरु महर्षि मेंहीं परमहंस जी महाराज का 40 वां महापरिनिर्वाण दिवस मना

खूंटी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। खूंटी के मुरहू प्रखंड अंतर्गत शांतिपुरी और मलियादा आश्रम में मनाया गया। सत्संगियों ने प्रातः काल में ही आश्रम पहुंचकर सदुरु के चित्र पर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। कार्यक्रम में ध्यानाभ्यास किया गया, तत्पश्चात गुरुदेव की जीवनी और उपदेशों पर प्रकाश डाला गया। स्वामी लक्ष्मण जी महाराज ने कहा कि गुरुदेव महाराज ने मानव कल्याण हेतु अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। गुरुदेव ने हमें जीवन जीने का सही मार्ग बताया है,कहा है कि स्वावलंबी जीवन जीने चाहिए, सद्कर्म करने चाहिए और भक्ति सदैव करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सद् गुरुदेव ने कहा है कि दुनिया बनाने वाले को कुछ नहीं चाहिए,बस मानव में मानवता रहे, लोग सभी जीवों पर दया करें, साथ ही झूठ,चोरी, व्यभिचार, नशा और हिंसा करने से से बचें। उन्होंने कहा कि सदगुरुदेव मानव रूप में भगवान होते हैं, हमेशा सही मार्ग बतलाते हैं,अतः उनके बताए मार्ग पर सदा चलना चाहिए। मौके पर डॉ डीएन तिवारी, संजय सत्संगी,मुरली ब्रह्मचारी, दिगंबर दास,रामहरि साव,सगुनदास,मुचीराय मुंडा सहित अन्य अनुयाईयों ने भी अपने शब्दों से गुरु का गुणगान किया तथा श्रद्धांजलि अर्पित किया। सभी ने गुरुवर के उपदेशों को जीवन में उतारने का संकल्प लिया।

उपायुक्त आर. रॉनिटा की अध्यक्षता में जिला समन्वय समिति की बैठक

विभिन्न विकासात्मक योजनाओं की गहन समीक्षा

खूँटी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। समाहरणालय स्थित सभागार में आज उपायुक्त श्रीमती आर. रॉनिटा की अध्यक्षता में जिला समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित विकास योजनाओं एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की गहन समीक्षा की गई। उपायुक्त ने स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, सहकारिता, आत्मा, कल्याण, ग्रामीण विकास, श्रम, पंचायती राज, आपूर्ति, समाज कल्याण, पेयजल, विद्युत, सामाजिक सुरक्षा समेत विभिन्न विभागों की अद्यतन प्रगति की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने एमटीसी केंद्रों में शत-प्रतिशत बेड अक्यूपेंसी सुनिश्चित करने, एएनसी पंजीकरण, नेशनल इम्यूनाइजेशन प्रोग्राम, फाइलेरिया/ मलेरिया/ चिकनगुनिया जैसी बीमारियों से बचाव एवं उपचार, दवा छिड़काव, और मोतियाबिंद इलाज की गुणवत्ता पर जोर दिया। सिविल सर्जन को स्वास्थ्य व्यवस्था बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए गए। शिक्षा विभाग के अंतर्गत मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालय एवं झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय के बेहतर संचालन एवं नामांकन प्रक्रिया को समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। आईटीडीए एवं कल्याण विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं जैसे प्री-मैट्रिक / पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति, साइकिल वितरण, कब्रिस्तान व सरना मसना घेराबंदी, धूम कुड़िया भवन निर्माण, शाहिद ग्राम विकास योजना, अल्पसंख्यक कियोस्क निर्माण, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, पीएम जन मन योजना आदि की समीक्षा कर शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति के निर्देश दिए गए। कृषि विभाग को किसानों को समय पर बीज उपलब्ध कराने और श्रम विभाग को श्रमिकों का नियमित पंजीकरण सुनिश्चित करने को कहा गया। पंचायती राज विभाग को पंचायत भवनों के नियमित निरीक्षण एवं रिपोर्ट साझा करने का निर्देश दिया गया। ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत मनरेगा योजनाओं जैसे बागवानी, बिरसा सिंचाई कूप निर्माण, मिट्टी मोरम सड़क, आवास निर्माण इत्यादि की समीक्षा कर 100 रोजगार दिवस सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही कार्यों का स्थलीय निरीक्षण भी सुनिश्चित करने को कहा गया। आपूर्ति विभाग को लाभुकों को समय पर एवं उचित मात्रा में राशन उपलब्ध कराने, ई-केवाईसी एवं आधार सीडिंग को शत-प्रतिशत सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। समाज कल्याण विभाग के तहत आंगनबाड़ी केंद्रों की समीक्षा की गई। जहां विद्युतीकरण नहीं हुआ है, ऐसे केंद्रों की पहचान कर विद्युतीकरण सुनिश्चित करने का निर्देश विद्युत विभाग को दिया गया। साथ ही सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, एमटीसी केंद्र संचालन आदि की समीक्षा कर योग्य लाभुकों तक योजनाओं का लाभ पहुँचाने का निर्देश दिया गया। बैठक में उप विकास आयुक्त, एसडीएम, परियोजना निदेशक आईटीडीए, अपर समाहर्ता, एसडीपीओ, सिविल सर्जन, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी एवं विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

फ्री खरीफ विकसित कृषि संकल्प अभियान 29 से

कृषि एवं संबद्ध विभागों की रहेगी सहभागिता, विभिन्न गावों में होगा कार्यक्रम

मेदिनीनगर (पलामू)/ नवबिहार टाइम्स संवाददाता। कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वाधान में 29 मई से 12 जून 2025 तक प्री-खरीफ विकसित कृषि संकल्प अभियान चलाई जाएगी। जिला कृषि पदाधिकारी-सह-आत्मा के परियोजना निदेशक दीपक कुमार ने बताया कि कृषि विज्ञान केन्द्र की ओर से चलाई जा रही इस अभियान में कृषि एवं उससे संबद्ध विभागों की सहभागिता रहेगी। यह अभियान पलामू जिले के विभिन्न गांवों में चलाई जाएगी। इसका मुख्य उद्देश्य उन्नत कृषि प्रौद्योगिकियों के साथ-साथ पशुधन, मुर्गीपालन, मत्स्यपालन आदि के बारे में किसानों को जागरूक किया जायेगा। वहीं कृषि विकास हेतु विभिन्न सरकारी योजनाओं और नीतियों के बारे में किसानों को अवगत कराया जाएगा। सॉयल हेल्थ कार्ड में सुझाई गई विभिन्न फसलों के चयन और संतुलित उर्वरकों के उपयोग के लिए किसानों को जागरूक और शिक्षित किया जाएगा। वहीं किसानों से फीडबैक लेकर उसका दस्तावेजीकरण किया जाएगा, ताकि वैज्ञानिक उनके द्वारा किए गए नवाचारों के बारे में जान सके और अनुसंधान की दिशा में निर्धारित कर सकें। इस अभियान के तहत किसानों क बीच बीज का भी वितरण किया जाएगा।

माहवारी स्वच्छता प्रबंधन अंतर्गत चुप्पी तोड़ो स्वस्थ रहो अभियान का जिले में शुभारंभ

29 मई से 11 जून तक विभिन्न प्रखंडों में आयोजित होंगे कई कार्यक्रम

मेदिनीनगर (पलामू)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। माहवारी स्वच्छता प्रबंधन अंतर्गत चुप्पी तोड़ो,स्वस्थ रहो अभियान के छठे चरण का बुधवार को जिले में शुभारंभ किया गया।समाहरणालय सभागार से जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त समीरा एस,उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद,सदर एसडीएम सुलोचना मीणा,सिविल सर्जन डॉ अनिल,पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता जेसन होरो एवं जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ असीम ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलन कर इस अभियान का शुभारंभ किया।सर्वप्रथम पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के आईईसी कोऑर्डिनटर धर्मेंद्र दुबे ने पीपीटी के माध्यम से सभागार में मौजूद सभी लोगों को अभियान का इतिहास,उद्देश्य व रूप रेखा के बारे में विस्तृत जानकारी दिया।

माहवारी बेहद महत्वपूर्ण विषय, सबसे अधिक जागरूकता पर करे फोकस : उपायुक्त

बैठक में उपायुक्त श्रीमती समीरा इस ने कहा कि माहवारी बेहद महत्वपूर्ण विषय है,इस विषय पर सिर्फ बात नहीं कार्य करने की आवश्यकता है।इस अभियान का सकारात्मक परिणाम आये,यह सुनिश्चित होना चाहिये।ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक रूप से अभियान चलायें।उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के किशोरियों और महिलाओं में माहवारी संबंधी जागरूकता और स्वच्छता के स्तर में काफी सुधार लाने की आवश्यकता है।इस विषय में वे खुलकर बात नहीं करती है ऐसे में सोशल मीडिया के तमाम प्लेटफॉर्म्स का भी भरपूर उपयोग करने की बात कही।

इस अभियान को सफल बनाने में हेल्थ,शिक्षा,जेएसएलपीएस और बीडीओ की भूमिका अहमःउपायुक्त

उपायुक्त ने कहा कि इस अभियान के तहत आगामी 11 जून तक प्रत्येक दिन कुछ न कुछ गतिविधियों का संचालन किया जाना है।इस दौरान ग्राम स्तर से अनुमंडल स्तर तक कार्यक्रम किये जाने हैं।ऐसे में इस अभियान को सफल बनाने में हेल्थ,शिक्षा,जेएसएलपीएस और स्थानीय स्तर पर बीडीओ की भूमिका अहम हो जाती है।उन्होंने संबंधित सभी पदाधिकारियों को आपस में बेहतर समन्वय स्थापित कर महिलाओं व युवतियों के बीच हेल्थ और हाईजीन के प्रति जागरूक करने की बात कही।ग्रामीण क्षेत्रों के लिये उन्होंने आंगनबाड़ी सेविका,सहायिका, सहिया,पंचायती राज संस्थाओं के सदस्यों के माध्यम से अभियान चलाकर उन्हें जागरूक करने की बात कही।इस दौरान सभी लोगों को माहवारी का शपथ भी दिलाया गया। बैठक में उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद ने जिला पंचायती राज पदाधिकारी को भी इस अभियान में योगदान देने की बात कही। बैठक में उपरोक्त के अलावे विभिन्न बीडीओ,जेएसएलपीएस व पंचायती राज के डीपीएम,विभिन्न सहायक व कनीय अभियंता व विभिन्न प्रखंड वॉश समन्वयक आदि उपस्थित थे।

उपायुक्त ने जनता दरबार में सुनीं आमजनों की समस्याएं

समाहरणालय परिसर में संचालित विभिन्न कार्यालयों का डीसी ने किया अवलोकन

मेदिनीनगर (पलामू)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी श्रीमती समीरा एस ने अपने कार्यालय कक्ष में बुधवार को जनता दरबार के माध्यम से आमजनों से रू-ब-रू हुई और उनकी समस्याओं को सुनीं।इस दौरान फरियादियों ने व्यक्तिगत व सामाजिक मुद्दों को उपायुक्त के समक्ष रखा,जिसपर उन्होने यथोचित कार्रवाई को लेकर आश्वस्त किया।फरियादियों ने जमीन पर अवैध घेराबंदी करने,आंगनबाड़ी में गलत सेविका का चयन होजाने,नौकरी में पुनःबहाल करने,सरकारी चापाकल को निजीकरण से मुक्त करने,बिजली बिल में लगाया गया फाइन में रियायत बरतने,घर से निकालने,समेत अन्य मूलभूत सुविधाओं व समस्याओं को लेकर उपायुक्त का ध्यान आकृष्ट कराया।सभी प्राप्त आवेदनों को उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को अग्रसारित करते हुए सभी आवेदनों को ससमय निष्पादन करने हेतु निर्देशित किया। जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त श्रीमती समीरा एस ने बुधवार समाहरणालय परिसर अवस्थित विभिन्न कार्यालय सहित समाहरणालय परिसर का अवलोकन किया।इस दौरान उन्होंने जिला आपुर्ति, भूअर्जन, सामाजिक सुरक्षा,सामान्य शाखा सहित विभिन्न कार्यालय का निरीक्षण करते हुए, पदाधिकारी और कर्मियों की बैठने की व्यवस्था,विभिन्न पंजी का संधारण, कार्यालय का रखरखाव, साफ-सफाई सहित अन्य बिंदुओं का जायजा लिया गया।उन्होंने कार्यालय कर्मियों को सासमय कार्यालय में उपस्थित होने सहित कार्यालय परिसर में साफ सफाई बनाए रखने में अपना सहयोग स्थापित करने हेतु निर्देशित किया।

पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी बने जय हिंद सभा कार्यक्रम के संयोजक

जिला अध्यक्ष बिट्टू पाठक ने दी बधाई ● 30 मई को जय हिंद सभा का मेदिनीनगर में होगा आयोजन

मेदिनीनगर (पलामू) /नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पलामू जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक ने कहा कि झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के निदेर्शानुसार आगामी 30 मई को पलामू जिला के मेदिनीनगर में जय हिंद सभा का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्रदेश से नियुक्त झारखंड के पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी को संयोजक बनाया गया है। कार्यक्रम में जिला के प्रभारी विनय सिन्हा उर्फ दीपू उपस्थित रहेंगे। प्रदेश के अन्य नेता के भी उपस्थित होने का संभावना है। कहा कि कार्यक्रम में ज्यादा से ज्यादा की संख्या में लोग उपस्थित होंगे। सभी जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, प्रखंड अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, पंचायत अध्यक्ष, संगठन, मोर्चा व विभाग के सभी पदाधिकारी उपस्थित होंगे। जिला अध्यक्ष बिट्टू पाठक ने पार्टी के सभी प्रकोष्ठों के नेताओं -कार्यकताओं से ज्यादा संख्या में उपस्थित हो ने का आग्रह किया है। सभा का मुख्य उद्देश्य भारत के वीर सैनिकों का मनोबल बढ़ाना है। वे सभी सैनिकों के मान-सम्मान के लिए हमेशा तत्पर रहे हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से जन-जन तक भारत के बीच सैनिकों का वीर गाथा पहुंचाई जाएगी।

टुण्डी प्रखंड सभागार में विकास कार्यों में तेजी को लेकर समीक्षात्मक बैठक का आयोजन

सभी विभाग समय पर लक्ष्य पूरा करे : विधायक

टुंडी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। धनबाद जिले के टुण्डी प्रखंड सभागार में आज बुधवार को बार्षिक कार्य योजनाओं में तेजी लाने को लेकर समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि टुण्डी विधायक मथुरा प्रसाद महतो पहुंचे जहां प्रखंड विकास पदाधिकारी विशाल कुमार पाण्डेय एवं अंचलाधिकारी जितेंद्र प्रसाद ने गुलदस्ता देकर स्वागत किया और बैठक प्रारंभ की गई। बैठक के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी ने अपने सभी विभागों को अपना अपना वार्षिक कार्य योजना प्रस्तुत करने को कहा जहां हर विभाग के पदाधिकारियों ने बारी-बारी से वित्तीय वर्ष की कार्य योजनाएं पटल पर रखा। कई विभागों की योजनाएं काफी पीछे चलने से विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने नाराजगी जताई और अविलंब समय पर लक्ष्य पूरा करने को कहा साथ ही सभी विभागों को गांवों में जाकर योजनाओं का चयन करने को कहा ताकि जनता का विश्वास जीता जा सकें। वहीं झामुमो के वरिष्ठ नेता कामेश्वर प्रसाद सिंह ने मत्स्य विभाग एवं धान खरीद बिक्री में अनियमितता उजागर किया और अविलंब सुधार लाने को कहा। मौके पर टुण्डी प्रखंड विकास पदाधिकारी विशाल कुमार पाण्डेय अंचलाधिकारी जितेंद्र प्रसाद टुण्डी इंस्पेक्टर उमाशंकर,मनियांडीह थाना प्रभारी शिवकुमार सिंह, चिकित्सा पदाधिकारी डॉ श्रवण कुमार,सी डी पी ओ सबिता कुमारी, झामुमो नेता कामेश्वर प्रसाद सिंह,बीस सूत्री अध्यक्ष इंद्रलाल बास्की , अजीमुद्दीन उर्फ छोटू अंसारी, फूलचंद किस्कू सुरेन्द्र सोरेन, आलम अंसारी, विकास महतो, गुरूचरण बास्की, शहादत अंसारी, आनंद महतो, सज्जाद अंसारी समेत प्रखंड सह अंचल कर्मी उपस्थित थे।

दलित मजदूर सकेंद्र राम की महाराष्ट्र में हुई मौत की हो जांच, आश्रितों को मिले 50 लाख रुपये मुआवजा

मेदिनीनगर (पलामू) /नवबिहार टाइम्स संवाददाता। झारखण्ड क्रांति मंच के संस्थापक सह केन्द्रीय अध्यक्ष शत्रुघ्न कुमार शत्रु, मंच के केन्द्रीय उपाध्यक्ष सह मजदूर किसान कामगार यूनियन झारखण्ड के केन्द्रीय अध्यक्ष गिरिजा प्रसाद विश्वकर्मा व मंच के पलामू जिलाध्यक्ष विजय राम ने बुधवार को स्थानीय कचहरी प्रांगण में संयुक्त रूप से कहा कि उंटारी रोड प्रखण्ड के पलायन के शिकार सतबहिनी नौगढ़ निवासी दलित मजदूर सकेन्द्र राम (40 वर्ष) की महाराष्ट्र के ठाने में दूसरे कार्यस्थल पर भेजते समय सड़क दुर्घटना में दर्दनाक मौत हो गई थी। कांडी अधौरा निवासी गायत्री कंस्ट्रक्शन के ठेकेदार ओमप्रकाश चन्द्रवंशी की साजिश की घटना की उच्चस्तरीय जांच कर ठेकेदार ओमप्रकाश चन्द्रवंशी को एससी/एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार करने की मांग की है। उन्होंने मृतक के आश्रितों को 50 लाख रुपये मुआवजा व अन्य जरुरी सुविधाएं दिलाने की मांग मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन, श्रम मंत्री संजय प्रसाद यादव, उपायुक्त समीरा एस व पलामू के श्रम अधीक्षक एतवारी महतो से किया है। नेताओं ने मृतक की पत्नी सरिता देवी व ठेकेदार ओमप्रकाश चन्द्रवंशी के बीच हृदयविदारक घटना के बाद हुई मोबाइल पर बातचीत का ऑडियो जारी करते हुए कहा है कि अनुसूचित जाति के निहायत गरीब मजदूर की विधवा के साथ दलित समझकर दुर्घटना व मुआवजा से पल्ला झाड़ने वाले ऐसे मजदूरों की सप्लाई करनेवाले जल्लाद ठेकेदारों के खिलाफ सरकार को कठोरतम कार्रवाई करनी चाहिए। कहा कि दूसरे कार्यस्थल पर भेजते समय हुई दुर्घटना में मौत के लिए क्या ठेकेदार व कम्पनी जिम्मेदार नहीं हैं। कहा कि ठेकेदार ओमप्रकाश चन्द्रवंशी ने 12 मई को एयर इंडिया के एम्बुलेंस से मृतक सकेन्द्र राम के शव को रांची से नौगढ़ भेजवाकर ना तो मृतक के परिवार से मिलना जरुरी समझा बल्कि मृतक के काम क्रिया के लिए भी एक फूटी कौड़ी का सहयोग नहीं दिया। पिछले 6-7 वर्षों से मृतक सकेन्द्र राम रात दिन लगकर ओमप्रकाश चन्द्रवंशी जैसे ठेकेदार की कमाई का स्त्रोत बने हुए थे। इनका आई कार्ड व हाजिरी स्लीप तक उपलब्ध है। कहा कि घर के एक मात्र रोजी-रोटी कमाने वाले सकेन्द्र राम की मौत के बाद उसकी पत्नी सरिता देवी, पुत्र अनिकेत कुमार (19 वर्ष), पुत्री-पुष्पा कुमारी (14 वर्ष), पिता लखदेव राम (70 वर्ष), माता-पनपतिया देवी (65 वर्ष) आदि पूरी तरह अनाथ व असहाय हो चुके हैं। इनके समक्ष खाने तक के लाले पड़े हुए हैं। कहा कि मृतक सकेन्द्र राम के उपरोक्त सभी परिजनों के अलावा छोटा भाई महेन्द्र राम,सनोज कुमार ,सुरज राम व पंकज उजाला आदि उपस्थित थे।

दानापुर में बेलगाम ट्रैक्टर ने रौंदा नौ लोगों को, एक की मौत

दानापुर/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। शाहपुर थाना क्षेत्र के उसरी बाजार स्थित हनुमान मंदिर के पास बुधवार की सुबह एक तेज रफ्तार ईंट लदे ट्रैक्टर ने सड़क किनारे खड़े नौ लोगों को कुचल दिया. इस दर्दनाक हादसे में भगवतीपुर निवासी 44 वर्षीय बलराम यादव की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि उनके पुत्र पवन कुमार समेत आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रैक्टर चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और भीड़ को रौंदते हुए पास के एक गड्ढे में गाड़ी घुसाकर मौके से फरार हो गया.

अमेज पटना में लाया नई पीढ़ी के एनर्जी सोल्युशन्स

अमेज ने पटना में मैसर्स गौरव एंटरप्राइजेज के साथ की डिस्ट्रीब्यूटर पार्टनरशिप, अब शहर के उपभोक्ताओं को मिलेगा ब्राण्ड के सोलर सोल्युशन्स की व्यापक रेंज का अनुभव

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भारत के सबसे नए और सबसे तेजी से विकसित होते एनर्जी सोल्युशन्स ब्राण्ड्स में से एक अमेज ने कंकरबाग, पटना, बिहार में नए डिस्ट्रीब्यूटर मैसर्स गौरव एंटरप्राइजेज के उद्घाटन के साथ अपने सोलर प्रोडक्ट फुटप्रिन्ट का विस्तार किया है। कार्यक्रम का आयोजन 27 मई को हुआ, जो बिहार एवं देश भर में भरोसेमंद, प्रभावी एवं पर्यावरण के अनुकूल पावर सोल्युशन्स उपलब्ध कराने की अमेज की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। ल्यूमिनस पावर टेक्नोलॉजीज के चीफ बिजनेस ऑफिसर अमित शुक्ला ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस नई डिस्ट्रीब्यूटर पार्टनरशिप के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, पटना में अपना विस्तार करते हुए हमें बेहद खुशी का अनुभव हो रहा है, इस शहर में सोलर एनर्जी के अडॉप्शन को बढ़ाने के ढेरों अवसर हैं। यह उद्घाटन देश भर में एनर्जी के आधुनिक समाधान उपलब्ध कराने की दिशा में हमारा एक और महत्वपूर्ण कदम है। सोलर प्रोडक्ट्स की व्यापक रेंज के साथ हम लोगों, कारोबारों एवं समुदायों को एनर्जी के स्वच्छ एवं अधिक स्थायी समाधान अपनाने में सक्षम बना रहे हैं। हम एनर्जी सोल्युशन्स की सशक्त प्रणाली का निर्माण करना चाहते हैं, जो हमारे उपभोक्ताओं की बदलती जरूरतों को पूरा कर सकें। इस क्षेत्र मे विस्तार के साथ हम सभी के लिए स्वच्छ ऊर्जा को सुलभ बनाकर देश को ऊर्जा की दृष्टि से आत्मनिर्भर बनाने में योगदान देना चाहते हैं। उद्घाटन के अवसर पर अमेज ने अपने आधुनिक सौर समाधानों की व्यापक रेंज पर रोशनी डाली, जो अब मैसर्स गौरव एंटरप्राइजेज़ के माध्यम से उपलब्ध है। यह साझेदारी सुनिश्चित करेगी कि पटना के उपभोक्ता अमेज के सम्पूर्ण सोलर पोर्टफोलियो को लाभ उठा सकेंगे जिसमें 10'ह तक के ऑन-ग्रिड और ऑफ-ग्रिड समाधान, हाइब्रिड 3-फेज रेंज, टीओपीसी-सोलर पैनल एवं बैटरियां शामिल हैं। ये सभी समाधान एनर्जी की बदलती जरूरतों को पूरा करने में कारगर हैं। पटना में सफल लॉन्च और विस्तार सोलर मार्केट में स्थायी विकास के अमेज के दृष्टिकोण की पुष्टि करता है, जो आधुनिक एवं भरोसेमंद टेक्नोलॉजी के द्वारा क्षेत्र के रिहायषी एवं कमर्शियल उपभोक्ताओं की एनर्जी की जरूरतों को पूरा करेगा। डिस्ट्रीब्यूटर्स के सशक्त नेटवर्क के साथ अमेज सुनिश्चित करता है कि इसके आधुनिक प्रोडक्ट्स एवं उत्कृष्ट आफ्टर-सेल्स सर्विस अब देश भर में उपलब्ध हो, अपने इन्हीं प्रयासों के चलते ब्राण्ड ने एनर्जी सोल्युशन्स मार्केट में अपने आप को अग्रणी स्थिति पर स्थापित कर लिया है। इसके अलावा मैसर्स गौरव एंटरप्राइजेज के साथ यह साझेदारी बिहार में ब्राण्ड की मौजूदगी बढ़ाएगी तथा क्षेत्र के स्थायी विकास में योगदान देगी। कार्यक्रम में अमेज ईस्ट हैड दीपक कुमार और अमेज बिहार हैड सुमंत सिंह ने भी हिस्सा लिया। बिहार नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाने में अग्रणी है और अमेज एनर्जी सोल्युशन्स के लिए गर्व की बात है कि इसे राज्य के हरित प्रयासों में योगदान देने का मौका मिला है। अमेज के प्रोडक्ट्स सहज पावर बैकअप देते हैं, एनर्जी के उत्पादन को प्रभावी बनाकर उपभोक्ताओं एवं कारोबारों की जरूरतों को पूरा करते हैं। इन प्रोडक्ट्स एवं समाधानों में घरों एवं छोटे कमर्शियल संस्थानों के लिए उच्च क्षमता के इन्वर्टर, लम्बी चलने वाली हैवी-ड्यूटी बैटरियां शामिल हैं।

कराटे चैंपियनशिप में संत मरियम विद्यालय के विद्यार्थियों ने नेपाल में किया शानदार प्रदर्शन

मेदिनीनगर (पलामू)/ नवबिहार टाइम्स संवाददाता। नेपाल की राजधानी काठमांडू में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप में संत मरियम विद्यालय के तीन प्रतिभाशाली बाल कराटेकारों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण व एक रजत पदक जीतकर क्षेत्र व देश का नाम रोशन किया है। प्रतियोगिता में ओम प्रकाश व शुभम कुमार सिंह ने अपने-अपने भार वर्ग में शानदार फाइट करते हुए स्वर्ण पदक जीते। आकांक्षा कुमारी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। प्रतिष्ठित प्रतियोगिता नेपाल शोतो-कान कराटे डू एसोसिएशन के तत्वावधान में 25 व 26 मई को काठमांडू के गोरखनेश्वर इंडोर स्टेडियम में आयोजित की गई थी। इसमें 15 देशों के कराटे खिलाड़ी भाग लेने नेपाल पहुंचे थे। इनमें नेपाल, थाईलैंड व भूटान सहित कई देशों के कराटेकार शामिल थे। प्रतियोगिता में संत मरियम विद्यालय की टीम का नेतृत्व मुख्य कराटे प्रशिक्षक शिहान संतोष कुमार ने किया। इस शानदार सफलता पर विद्यालय के चेयरमैन अविनाश देव ने प्रशिक्षक व प्रतिभागियों को बधाई दी। कहा कि विद्यालय प्रबंधन जल्द ही सभी विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करेगा। इस उपलब्धि से संत मरियम विद्यालय ने एक बार फिर सिद्ध किया है कि वह न केवल शैक्षणिक बल्कि खेल में भी उत्कृष्टता की ओर अग्रसर हैं।

फंड जुटाने की तैयारी में वोडाफोन-आइडिया , 30 मई को बैठक, 7 से भी कम शेयर की कीमत

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्ज में डूबी दूरसंचार कंपनी वोडाफोन-आइडिया का निदेशक मंडल 30 मई की बैठक में फंड जुटाने के विकल्पों पर विचार करेगा। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। वोडाफोन आइडिया ने शेयर बाजारों को दी सूचना में कहा कि इस बैठक में निदेशक मंडल कंपनी के वित्तीय नतीजों की मंजूरी पर भी विचार करेगा। घाटे में चल रही इस कंपनी ने सरकार से वित्तीय सहायता मिलने के बावजूद नकदी की कमी के कारण चालू वित्त वर्ष के बाद अपने अस्तित्व को लेकर आशंका जताई है। वोडाफोन-आइडिया ने कहा कि इस बैठक में राइट्स इश्यू, पब्लिक इश्यू या प्राइवेट अलॉटमेंट के जरिये एक या एक से अधिक चरणों में कोष जुटाने के प्रस्तावों पर विचार और उनका मूल्यांकन किया जाएगा। इसके अलावा बैठक में ऋण बॉन्ड सहित किसी अन्य स्वीकार्य तरीके से कोष जुटाने के प्रस्ताव का भी मूल्यांकन किया जाएगा। बैठक में फंड जुटाने के प्रस्ताव पर शेयरधारकों की मंजूरी लेने के लिए असाधारण आम बैठक आयोजित करने पर भी फैसला होगा। वोडाफोन-आइडिया के शेयर की बात करें तो यह 7 रुपये के नीचे है। पिछली क्लोजिंग 6.94 रुपये के मुकाबले शेयर 6.96 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। ट्रेडिंग के दौरान शेयर 7 रुपये के पार भी गया था। 9 मई 2025 को यह शेयर 6.46 रुपये पर था। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है। हाल ही में आर्थिक संकट से जूझ रही वोडाफोन आइडिया ने दूरसंचार विभाग से कहा है कि समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) बकाया पर सरकार से समय पर समर्थन न मिलने की स्थिति में वह वित्त वर्ष 2025-26 से आगे परिचालन नहीं कर पाएगी। वोडाफोन आइडिया में सबसे अधिक 49 प्रतिशत हिस्सेदारी सरकार के पास है। स्पेक्ट्रम शुल्क और एजीआर बकाया को इक्विटी हिस्सेदारी में बदले जाने से सरकार इस कंपनी में सबसे बड़ी शेयरधारक बन चुकी है।

भारत में बिजनस करने आ रहा दुनिया का सबसे ताकतवर इंसान, अंबानी से मिलाया हाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी ब्लैकरॉक भारत में म्युचुअल फंड बिजनस में उतरने की तैयारी में है। जियोब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को भारत में म्यूचुअल फंड बिजनस के लिए मार्केट रेगुलेटर सेबी की मंजूरी मिल गई है। यह कंपनी जियो फाइनेंस सर्विसेस लिमिटेड और ब्लैकरॉक कंपनी का सयुंक्त उद्यम है। उम्मीद की जा रही है कि अब जल्द ही कंपनी भारतीय म्यूचुअल फंड बाजार में कदम रखेगी। सिड स्वामीनाथन को जियोब्लैकरॉक ने कंपनी का एमडी और सीईओ बनाया गया है। जेएफएसएल की गैर-कार्यकारी निदेशक ईशा अंबानी ने कहा कि ब्लैकरॉक के पास वैश्विक निवेश विशेषज्ञता है तो जियो के पास डिजिटल-फर्स्ट इनोवेशन। ब्लैकरॉक के साथ हमारी यह साझेदारी एक सशक्त साझेदारी है। साथ मिलकर हम हर भारतीय के लिए निवेश को सरल, सुलभ और समावेशी बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमें विश्वास है कि जियोब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट भारत में वित्तीय सशक्तीकरण के भविष्य को आकार देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। ब्लैकरॉक में इंटरनेशनल हेड रेचल लॉर्ड ने कहा कि आज भारत में एसेट मैनेजमेंट एक खास मुकाम पर खड़ा है। जियोब्लैकरॉक सीधे निवेशकों को कम लागत पर संस्थागत गुणवत्ता वाले उत्पाद प्रदान करने, भारत में अधिक लोगों को पूंजी बाजारों तक पहुंच बनाने में मदद करेगा। अपने साझेदार छ्वस्रस्रुके साथ हम भारत को बचतकर्ताओं के देश की छवि से निकाल कर निवेशकों का देश बनाने में योगदान देने को तैयार हैं। ब्लैकरॉक में इंटरनेशनल इंडेक्स इक्विटी के पूर्व प्रमुख रहे सिड स्वामीनाथन को जियोब्लैकरॉक की जिम्मेदारी मिली है। वह 1.25 ट्रिलियन डॉलर के एसेट मैनेज कर चुके हैं। स्वामीनाथन ने कहा, मुझे जियोब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट का नेतृत्व करने और निवेशकों की निवेश क्षमता को बढ़ाकर, भारत में एसेट मैनेजमेंट को नई दिशा देने का सम्मान मिला है। जियोब्लैकरॉक एसेट मैनेजमेंट का लक्ष्य पूरे भारत में निवेशकों को संस्थागत गुणवत्ता वाले निवेश उत्पादों प्रदान करना है। ब्लैकरॉक के सीईओ और चेयरमैन लैरी फिंक को दुनिया का सबसे ताकतवर इंसान माना जाता है।

सरकारी कंपनी बन जाएगी आईटीसी?

सबसे बड़ा शेयरहोल्डर बेच रहा हिस्सेदारी, सस्ते में मिल रहा शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज एफएमसीजी कंपनी आईटीसी के शेयरहोल्डर्स के लिए जरूरी खबर है। आईटीसी की सबसे बड़ी शेयरहोल्डर ब्रिटिश अमेरिकन टोबैको कंपनी में अपनी कुछ हिस्सेदारी बेचने की तैयारी में है। बीएटी दुनिया भर में सिगरेट और तम्बाकू के प्रोडक्ट बनाती है। वहीं आईटीसी सिगरेट के साथ-साथ खाने-पीने का सामान भी बनाती है। बीएटी अब आईटीसी में लगभग 2.3 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचकर 11,600 करोड़ रुपये (1.4 बिलियन) से ज्यादा जुटाना चाहती है। पिछले साल मार्च में भी बीएटी ने आईटीसी में अपनी 3.5 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचकर लगभग 17,500 करोड़ रुपये (2.1 बिलियन) कमाए थे। यह भारत में अब तक की सबसे बड़ी ब्लॉक डील में से एक थी।

एक रिपोर्ट के मुताबिक इस बार हिस्सेदारी बेचने के बाद आईटीसी में बीएटी की हिस्सेदारी 25.4 प्रतिशत से घटकर 23.1 प्रतिशत रह जाएगी। बीएटी का कहना है कि इस हिस्सेदारी की बिक्री से उसे ज्यादा पैसे मिलेंगे। इन पैसों का इस्तेमाल कंपनी अपने कारोबार को बदलने, कर्ज कम करने और शेयरहोल्डर्स को अच्छा रिटर्न देने के लिए करेगी। बीएटी के चीफ एग्जीक्यूटिव टेडेउ मारोको ने एक बयान में कहा कि हम आईटीसी को अपने ग्लोबल कारोबार का एक अहम हिस्सा मानते हैं। हम भारत में बिजनेस के मौकों पर आईटीसी के साथ मिलकर काम करेंगे। इसका मतलब है कि बीएटी अभी भी आईटीसी को एक महत्वपूर्ण कंपनी मानती है और भारत में उसके साथ मिलकर काम करना चाहती है।

कितने में मिल रहा है शेयर

बीएटी की सहायक कंपनी टोबैको मैन्युफैक्चरर्स (इंडिया) आईटीसी के 290 मिलियन शेयर बेच रही है। यह आईटीसी की कुल शेयरहोल्डिंग का लगभग 2.3 प्रतिशत है। यह बिक्री भारतीय शेयर बाजारों में होगी। इस डील को गोल्डमैन सैश और सिटीग्रुप मैनेज कर रही हैं। यह पूरी तरह से सेकेंडरी सेल है। इसका मतलब है कि कंपनी नए शेयर जारी नहीं कर रही है, बल्कि अपने पुराने शेयर बेच रही है।

शेयरों की कीमत 400 रुपये प्रति शेयर तय की गई है। यह आईटीसी के 27 मई के बंद भाव 433.9 रुपये से 7.8 प्रतिशत कम है। इस डील का साइज लगभग 11,613 करोड़ रुपये (लगभग 1.4 बिलियन) है। जो निवेशक ये शेयर खरीदेंगे उन्हें हाल ही में घोषित 7.9 रुपये प्रति शेयर का डिविडेंड नहीं मिलेगा क्योंकि स्टॉक 28 मई को एक्स-डिविडेंड हो जाएगा और ङ्क+1 सेटलमेंट साइकिल पर काम करता है। ङ्क+1 का मतलब है कि शेयर खरीदने के एक दिन बाद ही आपके डीमैट अकाउंट में आ जाएंगे।

सरकार की हिस्सेदारी

पहले बीएटी ने कहा था कि आईटीसी में 25 प्रतिशत हिस्सेदारी रखना उसके लिए जरूरी है क्योंकि इससे उसे बोर्ड में वीटो का अधिकार मिलता है और वह कंपनी के फैसलों को प्रभावित कर सकती है। वीटो का अधिकार होने से बीएटी किसी भी फैसले को रोक सकती है। मंगलवार को बीएटी ने कहा कि इस बिक्री से मिलने वाले पैसों का इस्तेमाल 2026 के अंत तक अपने कर्ज को कम करने और शेयर बायबैक प्रोग्राम को जारी रखने के लिए किया जाएगा।

कंपनी ने 2025 में शेयर बायबैक के लिए 200 मिलियन पाउंड बढ़ाने का फैसला किया है, जिससे कुल बायबैक 1.1 बिलियन पाउंड हो जाएगा। इस साल की शुरुआत में आईटीसी के होटल कारोबार को अलग कर दिया गया था और एक नई कंपनी बनाई गई थी। इस कंपनी के शेयर आईटीसी के शेयरहोल्डर्स को दिए गए थे। बीएटी ने पहले ही होटल कारोबार से बाहर निकलने का इरादा जाहिर कर दिया है।

गिग वर्कर्स को मिलेगी पेंशन, लेकिन कंपनियों का पैसा कहां से कटेगा?

नई दिल्ली, एजेंसी। जल्द ही गिग वर्कर्स की पेंशन के लिए कंपनियों के अंशदान का नियम तय होगा। कंपनियां मान तो रही हैं कि वे हर महीने पेंशन में पैसा देंगी, लेकिन अभी ये सवाल बना हुआ है कि ये पैसा कंपनी के मुनाफे से लिया जाएगा या फिर उसके कुल कारोबार (टर्नओवर) से। दरअसल, सामाजिक सुरक्षा कानून 2020 के मुताबिक, कंपनियों को अपने सीएसआर फंड में 1.5 प्रतिशत से 2 प्रतिशत तक योगदान देना होता है। अब इसी पैसे को गिग वर्कर्स की पेंशन के लिए इस्तेमाल किया जाएगा।

सरकारी सूत्रों की मानें तो मंत्रालय मुनाफे के आधार पर अंशदान लेने के पक्ष में नहीं है। उन्हें डर है कि अगर कंपनियों की ऑडिट रिपोर्ट या बैलेंस शीट देखकर पैसा तय किया गया, तो ये व्यवस्था ठीक से काम नहीं करेगी। इसलिए ज्यादा चांस है कि अंशदान कंपनी के टर्नओवर के हिसाब से तय होगा। जैसे ही ये नियम फाइनल होगा, प्रस्ताव कैबिनेट के पास मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। उसके बाद ही पेंशन योजना शुरू हो पाएगी।

गिग वर्कर्स की हालत पर चौंकाने वाले आंकड़े : नीति आयोग की रिपोर्ट कहती है कि 2020-21 में भारत में लगभग 77 लाख गिग वर्कर्स थे। 2030 तक ये संख्या बढ़कर 2.35 करोड़ (यानी ढाई करोड़) होने का अनुमान है। इनमें से 85 प्रतिशत वर्कर्स की उम्र 30 से 50 साल के बीच है।

पहले के मुकाबले अब गिग वर्कर्स की महीने की कमाई घटी है। लोन, वाहन की मरम्मत और पेट्रोल-डीजल के खर्चे काटने के बाद उनकी औसत आय 15,000 से 20,000 रुपये रह गई है।

एलआईसी ने बंपर मुनाफे के बाद किया तोहफे का ऐलान, हर शेयर पर 12 रुपये का डिविडेंड

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी एलआईसी ने वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में शानदार प्रदर्शन किया है। कंपनी का शुद्ध लाभ 38 फीसदी बढ़कर 19,013 करोड़ रुपये हो गया। हालांकि, इस दौरान कंपनी की कुल आय में थोड़ी गिरावट आई है। एलआईसी ने शेयर बाजार को यह जानकारी दी है। कंपनी ने पिछले पूरे वित्त वर्ष में भी अच्छा प्रदर्शन किया और कुल लाभ 18 फीसदी बढ़ा है। कंपनी ने अपने शेयरधारकों के लिए 12 रुपये प्रति शेयर के लाभांश की भी घोषणा की है।

एलआईसी ने मंगलवार को शेयर बाजारों को बताया कि मार्च तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 19,013 करोड़ रुपये रहा। पिछले साल इसी तिमाही में यह आंकड़ा 13,763 करोड़ रुपये था। इस तरह कंपनी के लाभ में 38 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

हालांकि, समीक्षाधीन तिमाही में एलआईसी की कुल आय में थोड़ी कमी आई है। यह 2,41,625 करोड़ रुपये रही, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 2,50,923 करोड़ रुपये थी। इसका मतलब है कि कंपनी की आय में थोड़ी गिरावट आई है।

कंपनी की नई पॉलिसी के प्रीमियम से होने वाली आय में भी कमी आई है। यह मार्च 2025 तिमाही में 11,069 करोड़ रुपये रही,

जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह 13,810 करोड़ रुपये थी। इसका मतलब है कि नई पॉलिसी से कंपनी की कमाई कम हुई है।

लेकिन, पॉलिसी के नवीनीकरण प्रीमियम से कंपनी की आय बढ़ी है। यह जनवरी-मार्च 2024 में 77,368 करोड़ रुपये थी, जो बढ़कर 79,138 करोड़ रुपये हो गई है। इसका मतलब है कि पुरानी पॉलिसी को रिन्यू कराने से कंपनी को ज्यादा फायदा हुआ है।

पूरे साल में प्रॉफिट 18 प्रतिशत बढ़ा : पूरे वित्त वर्ष 2024-25 की बात करें तो एलआईसी का लाभ 18 फीसदी बढ़कर 48,151 करोड़ रुपये हो गया है। वित्त वर्ष 2023-24 में यह आंकड़ा 40,676 करोड़ रुपये था। इस तरह कंपनी ने पूरे साल में अच्छा मुनाफा कमाया है।

पिछले वित्त वर्ष के दौरान एलआईसी की कुल आय भी बढ़ी है। यह 8,84,148 करोड़ रुपये हो गई है, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह 8,53,707 करोड़ रुपये थी। इसका मतलब है कि कंपनी की कुल कमाई में भी इजाफा हुआ है।

एलआईसी के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 12 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के अंतिम डिविडेंड की सिफारिश की है। यह डिविडेंड शेयरधारकों की मंजूरी के बाद दिया जाएगा। कंपनी ने कहा है, एलआईसी के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 12 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के अंतिम लाभांश की सिफारिश की, जो आगामी वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है।

कुल मिलाकर, एलआईसी ने वित्त वर्ष 2024-25 में अच्छा प्रदर्शन किया है। कंपनी का लाभ बढ़ा है, लेकिन आय में थोड़ी गिरावट आई है। कंपनी ने अपने शेयरधारकों को लाभांश देने का भी फैसला किया है।

लक्जरी कार छोड़ मेट्रो में सवार हुई बेंगलुरु की अरबपति, सोशल मीडिया पर हुई वायरल

नई दिल्ली, एजेंसी। बेंगलुरु की मशहूर अरबपति और बायोकॉन लिमिटेड की संस्थापक किरण माजूमदार-शॉ ने इस हफ्ते मंगलवार को अपनी शानदार गाड़ियों को अलविदा कहकर शहर की नम्मा मेट्रो से सफर किया। उन्होंने बेंगलुरु के खराब ट्रैफिक से बचने के लिए पर्पल लाइन मेट्रो का विकल्प चुना।

किरण ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर अपने अनुभव शेयर करते हुए लिखा, मैंने व्हाइटफील्ड से विधानसभा तक पर्पल लाइन से सफर किया। यह ट्रैफिक से बचने का बेहद आसान और तेज तरीका है। बेंगलुरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन को धन्यवाद। उनके साथ एग्जॉन मोबिल की ऑयरन लेडी कही जाने वाली उनकी दोस्त जेनिफर एरिक भी थीं। जेनिफर, जो एग्जॉन मोबिल के बेंगलुरु टेक्नोलॉजी सेंटर में जियोसाइंस मैनेजर हैं, ने किरण को पहली बार मेट्रो से सफर करने में मदद की।

पोस्ट पर क्या आया रिएक्शन: जेनिफर ने भी किरण के पोस्ट पर जवाब देते हुए कहा, आपको मेट्रो का साथी बनकर खुशी हुई। मेरे ऑफिस आने के लिए शुक्रिया। किरण के इस साधारण और समझदारी भरे कदम को सोशल मीडिया पर

खूब सराहा गया। एक यूजर ने लिखा, बड़े लोगों का ऐसा करना और बताना जरूरी है, तभी जनता पब्लिक ट्रांसपोर्ट अपनाएगी। वहीं दूसरे ने कहा, जब अमीर और प्रभावशाली लोग मेट्रो-बस जैसे साधनों को चुनेंगे, तो सरकार भी इनमें निवेश करेगी। इससे ट्रैफिक और प्रदूषण की समस्या कम होगी।

अरबपतियों का ट्रेंड : किरण पहली अरबपति नहीं हैं जिन्होंने पब्लिक ट्रांसपोर्ट चुना। 2023 में मुंबई के बिल्डर निरंजन हीरानंदानी भी ट्रैफिक से बचने के लिए लोकल ट्रेन से सफर कर चुके हैं। इस तरह, किरण का यह कदम न केवल ट्रैफिक की मार झेल रहे बेंगलुरुवासियों के लिए एक संदेश है, बल्कि यह दिखाता है कि साधारण साधन भी जीवन को आसान बना सकते हैं।

अंबानी-अडानी के शेयरों पर भारी पड़ रही बिटकॉइन, एक साल में दिया धांसू रिटर्न

नई दिल्ली, एजेंसी। कई क्रिप्टोकरेंसी इस समय निवेशकों को काफी अच्छा रिटर्न दे रही हैं। इन्हीं में बिटकॉइन भी शामिल है। बिटकॉइन दुनिया की सबसे महंगी क्रिप्टोकरेंसी है। एक बिटकॉइन की कीमत अभी करीब 1.10 लाख डॉलर (करीब 94 लाख रुपये) है। पिछले एक साल में इसने रिटर्न के मामले में अंबानी और अडानी स्टॉक्स को भी पीछे छोड़ दिया है। यानी अंबानी और अडानी की कंपनियों के शेयर से ज्यादा कमाई बिटकॉइन ने कराई।

बिटकॉइन ने कितनी कराई कमाई?

इस समय बिटकॉइन की कीमत एक लाख डॉलर से ज्यादा है। पिछले एक महीने में बिटकॉइन ने 16 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया है। बात अगर एक साल के रिटर्न की करें तो इसने निवेशकों की झोली भर दी है। एक साल में इसका रिटर्न 60 फीसदी से ज्यादा रहा है। अगर आपने एक साल पहले बिटकॉइन में एक लाख रुपये निवेश किए होते तो आपको 60 हजार रुपये का फायदा हो चुका होता।

रिलायंस का कितना रिटर्न?

मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का रिटर्न बिटकॉइन से काफी पीछे है। मंगलवार को इसमें गिरावट आई। पिछले एक महीने में इसमें करीब 4 फीसदी की तेजी आई है। हालांकि एक साल में इसने निवेशकों का नुकसान किया है। एक साल में इसका रिटर्न नेगेटिव करीब 3 फीसदी रहा है। यानी 100 रुपये के निवेश पर करीब 3 रुपये का

नुकसान दिया है।

अडानी स्टॉक्स की क्या स्थिति?

अडानी इंटरप्राइजेज को अडानी ग्रुप की दुधारू गाय कहा जाता है। एक महीने में इसने 7 फीसदी रिटर्न दिया है। वहीं एक साल इसका रिटर्न नेगेटिव 23 फीसदी रहा है। इसी प्रकार अडानी पावर का भी एक साल का रिटर्न नेगेटिव रहा है। अडानी ग्रीन ने भी एक साल में निवेशकों को जबरदस्त नुकसान किया है। अडानी पोर्ट और अडानी टोटल गैस का भी एक साल का रिटर्न नेगेटिव में रहा है।

उम्र की सीमा तोड़ सिर्फ 20,000 रुपये से शुरू किया ये काम, अब बरस रहा पैसा

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य प्रदेश के जबलपुर की रहने वाली निरुपमा सिंह शर्मा और अंजना भामरा ने कमाल कर दिया है। इन दोनों ने 10 साल पहले द सैफ्रॉन सागा नाम का फैशन ब्रांड शुरू किया। उन्होंने सिर्फ 20,000 रुपये की पूंजी से इसकी शुरुआत की थी। दोनों ने 40 की उम्र के बाद बिजनेस की दुनिया में कदम रखे थे। उनका मकसद कुछ खास बनाना था। अंजना होटल, सैलून और बुटीक चलाती थीं। उनकी साथी मार्केटिंग और कम्युनिकेशन में माहिर थीं। दोनों ने मिलकर द सैफ्रन सागा शुरू किया। इसे अपनी नैतिक प्रथाओं, पर्यावरण अनुकूल सामग्री और समावेशी डिजाइनों के लिए जाना

जाता है। इसका टर्नओवर अब 1.5 करोड़ रुपये से ज?यादा का हो गया है। आइए, यहां निरुपमा सिंह शर्मा और अंजना भमरा की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

जबलपुर की रहने वाली निरुपमा सिंह शर्मा और अंजना भामरा ने साबित किया है कि सही सोच और समर्पण से किसी भी उम्र में सफलता प्राप्त की जा सकती है। उनकी कहानी उद्यमिता, दृढ़ता और उम्र को बाधा न मानने का एक शानदार उदाहरण है। इन दोनों ने 2015 में द सैफ्रॉन सागा की शुरुआत की। बहुत कम पूंजी लगाकर उन्होंने कारोबार में एंट्री की थी। तब तक वे 40 की उम्र के पड़ाव को पार कर चुकी थीं। द सैफ्रॉन सागा एक ऐसा ब्रांड है जो कारीगर-अनुकूल है और मेक इन इंडिया की भावना के साथ स्वदेशी शिल्प कौशल को बढ़ावा देता है।

द सैफ्रॉन सागा शुरू करने से पहले अंजना का होटल, सैलून और बुटीक का काम था। उन्हें सुंदरता और कला की अच्छी समझ थी। वहीं, निरुपमा का बैकग्राउंड मार्केटिंग और कम्युनिकेशन का था। इस जोड़ी ने मिलकर फैशन ब्रांड शुरू करने का फैसला किया। लेकिन, यह सफर आसान नहीं था। उन्हें बैंक से लोन लेने में दिक्कत हुई। कई रातें बिना सोए गुजारनी पड़ीं। कई महीने तक कोई कमाई नहीं हुई। लेकिन, उन्होंने हार नहीं मानी। उनकी हिम्मत से एक शानदार ब्रांड बना।

ग्रामीण कारीगरों को मिलता है रोजगार : द सैफ्रन सागा पर्यावरण का ध्यान रखता है। ब्रांड इको-फ्रेंडली चीजें इस्तेमाल करता है। स?थानीय कारीगरों से काम लिया जाता है। अंजना और निरुपमा का मानना है कि फैशन में नैतिकता होनी चाहिए। वे हर महिला को साथ लेकर चलती हैं। उनका ब्रांड हर उम्र, आकार और पहचान वाली महिलाओं के लिए डिजाइन करता है। यह ब्रांड ग्रामीण कारीगरों को रोजगार देकर और टिकाऊ फैशन प्रथाओं को बढ़ावा देकर समाज को वापस देने पर भी केंद्रित है।

2024-25 में एफडीआई प्रवाह 13 प्रतिशत बढ़कर 50 अरब डॉलर पर पहुंचा, जनवरी-मार्च तिमाही में 24.5 प्रतिशत की आई गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में सालाना आधार पर 24.5 प्रतिशत घटकर 9.34 अरब डॉलर रह गया। वहीं, पूरे पिछले वित्त वर्ष के दौरान यह 13 प्रतिशत बढ़कर 50 अरब डॉलर पर पहुंच गया। मंगलवार को जारी सरकारी आंकड़ों में इसकी पुष्टि हुई।

जनवरी से मार्च 2023-24 के दौरान एफडीआई प्रवाह 12.38 बिलियन अमरीकी डॉलर रहा। पूरे वित्त वर्ष 2023-24 में यह 44.42 बिलियन डॉलर था। 2024-25 की अक्तूबर-दिसंबर तिमाही के दौरान वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के कारण एफडीआई प्रवाह सालाना आधार पर 5.6 प्रतिशत घटकर 10.9 बिलियन अमरीकी डॉलर रह गया।

पिछले वित्त वर्ष के दौरान कुल एफडीआई, जिसमें इक्विटी प्रवाह, पुनर्निवेशित आय और अन्य पूंजी शामिल है, 14 प्रतिशत बढ़कर 81.04 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया। यह पिछले तीन वर्षों में सबसे अधिक है। 2023-24 में यह 71.3 बिलियन अमरीकी डॉलर था।

New page 9_page 12 29.05.2025.qxd 28-05-2025 21:35 Page 1

मिट्टी धंसने से एक मजदूर की मौके पर ही मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा जिले के बगडू थाना क्षेत्र के नीचे बगडू गांव में मनरेगा सिंचाई कूप निर्माण के दौरान कूप ध्वस्त होने से मिट्टी के नीचे दबने से एक मनरेगा मजदूर की मौत हो गई। घटना में तीन मजदूर घायल भी हुए। घायल मजदूरों का स्थानीय स्तर पर इलाज किया गया।

मामले की सूचना मिलने के बाद बगडू थाना पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। घटना को लेकर मृतक के स्वजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मामले में बगडू थाना प्रभारी नरेश यादव का कहना है कि मनरेगा सिंचाई कूप ध्वस्त होने से एक मजदूर की मौत हुई है। घटना में तीन मजदूरों को आंशिक चोट आई थी, जिनका स्थानीय तौर पर इलाज किया गया है।

बताया जाता है कि जिले के किस्को प्रखंड क्षेत्र के बगडू पंचायत के नीचे बगडू गांव में मनरेगा योजना के तहत सुनील उरांव के कुआं का निर्माण का कार्य चल रहा था। विगत दिन हुई बारिश के

तीन अन्य घायल, पुलिस कर रही पड़ताल

मनरेगा से हो रहा था कूप का निर्माण कार्य

कारण मिट्टी गीली हो गई थी। इसी दौरान बुधवार की सुबह निमार्णाधीन कुए में कुछ मजदूर काम कर रहे थे।

अचानक से मिट्टी धसने से बगडू निवासी स्वर्गीय सुखनाथ उरांव का पुत्र 40 वर्षीय चंद्रप्रकाश उरांव और तीन और मजदूर मिट्टी के नीचे दब गए। यह देख कर वहां मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

सभी ने तुरंत मजदूरों को कुए से बाहर निकाला। जिसके बाद चंद्रप्रकाश को इलाज के लिए लोहरदगा सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के उपरांत चंद्रप्रकाश को मृत घोषित कर दिया।

इस घटना के बाद पीड़ित परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना के बाद गांव में भी मातम छा गया है। मृतक मजदूर चंद्रप्रकाश उरांव के दो पुत्र हैं। मजदूर चंद्रप्रकाश उरांव घर में अकेला कमाने वाला व्यक्ति था। मजदूरी कर अपने परिवार का गुजर-बसर कर रहा था। इस घटना से पीड़ित परिवार पर मुसीबत का पहाड़ टूट पड़ा है। घटना के बाद मृतक मजदूर चंद्रप्रकाश उरांव के शव को लोहरदगा सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के उपरांत शव को स्वजनों को सौंप दिया गया। घटना को लेकर योजना कार्य में लापरवाही को लेकर जांच की बात भी कही जा रही है। मामले में प्रखंड विकास पदाधिकारी अरुण उरांव का कहना है कि घटना दुखद है। प्रावधान तहत प्रभावित परिवार को आर्थिक सहायता दिया जाएगा। मृतक की पत्नी को पेंशन का लाभ भी मिलेगा।

जैक ने तैयार किया नया रोड मैप

रांची। जैक ने इस बार बोर्ड का परीक्षाफल प्रकाशित करने में देर की। अगले वर्ष से नए रोड मैप के तहत परीक्षा का आयोजन किया जाएगा, ताकि समय पर परीक्षाफल आ सके और छात्र-छात्राओं को नामांकन लेने में परेशानी न हो। इसे लेकर जैक ने नए रोड मैप तैयार कर विभाग को सौंप भी दिया है।

अगले वर्ष यानी 2026 से मैट्रिक-इंटरमीडिएट का रिजल्ट हर हाल में अप्रैल के पहले सप्ताह तक जारी कर दिया जाएगा। इसकी तैयारी पहले से ही शुरू कर दी जाएगी और फरवरी के पहले सप्ताह से दूसरे सप्ताह तक दसवीं की परीक्षा ले ली जाएगी। तीसरे सप्ताह तक इंटरमीडिएट की परीक्षा संपन्न हो जाएगी। विभागीय सचिव उमाशंकर सिंह ने बताया कि जैक द्वारा आश्वस्त किया गया है कि वे किसी भी हाल में अपने बताए रोड मैप से नहीं भटकेंगे। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया है कि वे इसी रोड मैप से तैयारी शुरू कर दें। उन्होंने कहा कि जैक को मैट्रिक-इंटर परीक्षा आयोजन को लेकर जो भी कमियां हैं उसकी मांग वे समय रहते विभाग से कर लें।

सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय में स्नातक में नामांकन 24 जून तक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जामताड़ा। सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय में स्नातक (यूजी) सत्र 2025-29 में नामांकन की प्रक्रिया को लेकर कुलपति प्रो. कुनुल कंदीर की अध्यक्षता में बुधवार को वीसी कान्फ्रेंस हाल में नामांकन समिति की बैठक की गई। बैठक में निर्णय लिया कि यूजी नामांकन के लिए चांसलर पोर्टल एक से 24 जून तक खोला जाएगा।

छात्र-छात्राएं जो विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में यूजी कोर्स में नामांकन लेना चाहते हैं, वे निर्धारित तिथि तक चांसलर पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुल्क 100 रुपये निर्धारित की गई है। इस बार विश्वविद्यालय प्रशासन ने सख्त निर्णय लेते हुए यह स्पष्ट कर दिया है कि अंतिम तिथि के बाद पोर्टल पुनः नहीं खोला जाएगा। इससे शैक्षणिक सत्र में देरी न हो।

यह भी तय किया गया कि पहली मेरिट लिस्ट 28 जून को प्रकाशित होगी। इसके आधार पर एक से 17 जुलाई तक संबंधित कालेजों में नामांकन लिया जाएगा। वहीं दूसरी मेरिट लिस्ट 19 जुलाई को जारी की जाएगी और इस सूची के अनुसार 21 से 26 जुलाई तक नामांकन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

बताया गया कि एक अगस्त से सभी कॉलेजों में नए सत्र की कक्षाएं प्रारंभ कर दी जाएंगी। पिछली बार नामांकन प्रक्रिया में बार-बार तिथि बढ़ाए जाने से सत्र विलंब हुआ था, जिसे ध्यान में रखते हुए इस बार समयबद्ध रूप से प्रक्रिया पूरी करने का संकल्प लिया गया है।

साथ ही यह निर्णय भी लिया कि जिन कालेजों की संबद्धता समाप्त हो चुकी है, उनमें नामांकन की अनुमति नहीं दी जाएगी। यूजी नामांकन के लिए आवश्यक योग्यता एवं पाठ्यक्रमों की भी विस्तार से चर्चा की गई। सामान्य कोर्स के साथ-साथ वोकेशनल कोर्स जैसे बीबीए, बीसीए आदि का भी नामांकन किया जाएगा।

डीएसडब्ल्यू डा. जैनेंद्र यादव ने जानकारी दी कि पिछली बार विश्वविद्यालय में लगभग 35000 छात्रों ने स्नातक पाठ्यक्रमों में नामांकन लिया था। इस बार भी नामांकन की संख्या अच्छी-खासी रहने की संभावना है। उन्होंने बताया कि विभागीय स्तर पर नामांकन को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

उन्होंने महाविद्यालयों के प्राचार्यों को निर्देश दिया कि वे कॉलेज स्तर की नामांकन समिति को सुदृढ़ करें, ताकि नामांकन प्रक्रिया सुचारु रूप से संपन्न हो सके। डॉ. यादव ने छात्रों से अपील की कि वे स्वयं से चांसलर पोर्टल पर आनलाइन आवेदन करें।

जून महीने से पांच स्पेशल ट्रेनें रहेगी रद्द

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। जून में दक्षिण भारत की यात्रा मुश्किल होगी। रेलवे ने अलग-अलग दिनों में पांच स्पेशल ट्रेनों को रद करने की घोषणा कर दी है। इनमें धनबाद, गोमो व बोकारो होकर चलने वाली ट्रेनें शामिल हैं।

रेलवे की ओर से जारी सूचना में बताया गया कि दक्षिण मध्य रेलवे में सिकंदराबाद मंडल के बेल्लमपल्ली स्टेशन में नान इंटरलॉकिंग कार्य के कारण ट्रेनें अस्थायी रूप से रद रहेंगी। ओडिशा के खुर्दा रोड से नई दिल्ली के बीच गोमो होकर साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन चलेगी। 04060 नई दिल्ली-खुर्दा रोड स्पेशल 14 जून तक प्रत्येक शनिवार को चलाई जाएगी।

नई दिल्ली से सुबह 09:30 पर प्रस्थान कर अगले दिन अलसुबह 04:53 बजे गोमो तथा शाम 4:35 पर भुवनेश्वर एवं शाम 5:05 पर खुर्दा रोड पहुंचेगी।

वापसी में 04059 खुर्दा रोड-नई दिल्ली स्पेशल 15 जून तक प्रत्येक रविवार को चलेगी। खुर्दा रोड से शाम 6:30 पर चलकर शाम 6:55 पर भुवनेश्वर, अगले दिन सुबह 06:18 पर गोमो एवं देर रात 12:30 पर नई दिल्ली पहुंचेगी।

धनबाद रेल मंडल के तेलो- चंद्रपुरा एवं चंद्रपुरा-जमुनियाटांड खंड में ट्रैफिक कम पावर ब्लाक के कारण अलग-अलग दिनों में ट्रेनें प्रभावित रहेंगी।

30 मई को 68080 चंद्रपुरा-भोजूडीह मेमू चंद्रपुरा से 45 मिनट विलंब से चलेगी। 31 मई एवं 13 जून को 68080 चंद्रपुरा-भोजूडीह मेमू 105 मिनट विलंब से चलाई जाएगी। 13 जून को 18020 धनबाद-झाड़ग्राम मेमू एक्सप्रेस धनबाद से 75 मिनट विलंब से रवाना होगी।

मुख्यमंत्री मंईया सम्मान योजना में बंगाल के दो लोगों के खिलाफ प्राथमिकी

फर्जीवाड़ा कर राशि गबन का आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गोमिया। मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना में फजीर्वाड़ा करने वाले पश्चिम बंगाल के यूसुफ व सूफानी खातून के खिलाफ गोमिया थाना में मंगलवार को प्राथमिकी दर्ज कर की गई है। तत्कालीन उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश पर गोमिया प्रखंड के सामाजिक सुरक्षा कोषांग के प्रभारी सहायक सुभाष चंद्र महतो ने केस दर्ज कराया है।

आवेदन में प्रभारी सहायक ने कहा है कि उपायुक्त कार्यालय (सामाजिक सुरक्षा कोषांग) के पत्र के अनुसार झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत सरकारी राशि के गबन के उद्देश्य से फजीर्वाड़ा किया गया।

फजीर्वाड़ा करने वाले यूसुफ (पत्तागोडा, बडाखांती, उत्तर दिनाजपुर, पश्चिम बंगाल) व सूफानी खातून (मोतीबिट्टा, कांटी, झारगांव, उत्तर दिनानपुर, पश्चिम बंगाल) है।

प्राथमिकी में कहा गया है कि प्रथम आरोपी यूसुफ ने विभिन्न फर्जी नाम बदलकर गोमिया प्रखंड के हजारी, चुट्टे, बारीडारी, ललपनिया सहित विभिन्न पंचायतों में डाटा की एंट्री की। दूसरी आरोपी सूफानी खातून ने भी विभिन्न फर्जी नाम बदलकर सात आवेदन गोमिया प्रखंड में किए।

शिकायत के अनुसार, आवेदन पत्रों के साथ एंट्री किए गए राशन कार्ड की जांच जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने की।

सभी राशन कार्ड की विवरणी फर्जी पाई गई। एंट्री किए गए सीएससी संचालक की आइडी की जांच जिला परियोजना पदाधिकारी यूआइडी से कराई गई।

जांच के बाद प्रतिवेदन दिया गया है कि ऑनलाइन एंट्री सीएचसी संचालक आइडी 243621130028 विक्की कुमार रवि, पैरेंट आइडी उपेंद्र प्रसाद जिला पलामू द्वारा किया गया। गोमिया बीडीओ महादेव महतो ने कहा कि आरोपी युसूफ व सूफानी खातून उत्तर दिनाजपुर, पश्चिम बंगाल के निवासी , जो गोमिया प्रखंड के राशनकार्ड का उपयोग कर सरकार की महत्वाकांक्षी मंईयां सम्मान योजना का लाभ फर्जी तरीके से ले रहे थे।

जिला स्तर पर छानबीन व सत्यापन के बाद दोनों के खिलाफ गोमिया थाना में केस दर्ज कराया गया है।

किसानों ने दिये सुझाव

पीपीपी मोड पर मछली पालन करे सरकार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड को मत्स्य पालन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की सोच के साथ राज्य की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने प्रगतिशील मत्स्य कृषकों के साथ संवाद किया। रांची के धुर्वा स्थित मत्स्य अनुसंधान केंद्र में मंगलवार को आयोजित संवाद कार्यक्रम के दौरान मत्स्य पालन से जुड़े किसानों ने सुझाव दिए।

मत्स्य पालन से जुड़े किसानों ने राज्य में मत्स्य बीज की कमी से लेकर मछली के चारा तक का सुझाव रखा। मंत्री ने मत्स्य पालकों के सुझाव को बेहतर और दूरगामी बताते हुए विभाग की कार्ययोजना में जोड़ने का आश्वासन दिया है।

कहा कि झारखंड में यदि सबसे ज्यादा किसी क्षेत्र में ग्रोथ दिख रहा है तो वो मत्स्य पालन में है। राज्य में मत्स्य पालन में 40 प्रतिशत तक का ग्रोथ नजर आती है। कृषि मंत्री ने कहा कि सरकार राज्य में मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए नीति निर्धारण करना चाहती है।

इस दिशा में मत्स्य पालन से जुड़े छोटे-बड़े किसानों के सुझाव महत्वपूर्ण है। राज्य में 80 फिश फार्म का सफल संचालन के लिए विभाग पीपीपी मोड पर भी काम करने पर विचार कर रहा है।

उन्होंने कहा कि राज्य के करीब 1.70 हजार मत्स्य कृषकों का बीमा कराया गया है, लेकिन जब मुआवजा दावे की बात आती है तो इसका प्रतिशत न के बराबर है। मत्स्य पालकों को सरकार द्वारा दी जा रही बीमा सुविधा को लेकर जागरूक रहने की जरूरत है।

मत्स्य कृषकों के साथ संवाद कार्यक्रम में विशेष सचिव प्रदीप हजारी, मत्स्य निदेशक डॉ. एचएन द्विवेदी के साथ 10 जिलों के जिला मत्स्य पदाधिकारी, राज्य के कई जिलों से 50 प्रगतिशील किसान शामिल हुए।

मत्स्य पालकों ने सरकार को इस दिशा में आवंटन बढ़ाने और राज्य के अंदर फीड की समुचित व्यवस्था करने की बात कही। किसानों ने इससे पूर्व राज्य में बतख पालन व झींगा पालन के यूनिट में बढ़ोतरी, तालाबों का जीर्णोद्धार के साथ मत्स्य प्रोसेसिंग यूनिट की स्थापना करने का भी सुझाव दिया।

झारखण्ड में नेताओं का एआइ अवतार

लोगों को पसंद आ रहा वीडियो
लाइक्स और कमेंट्स की लग रही झड़ियां

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। राजनीति में अत्याधुनिक तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) का प्रयोग तेजी से बढ़ रहा है, हालांकि इसका इस्तेमाल बड़े पैमाने पर विरोधियों के प्रति कुप्रचार में भी होता है। लेकिन हाल ही में देश के तमाम प्रमुख नेताओं के एआइ से बनाए गये लोकसभा में भाषण देते बालक अवतार का वीडियो इंटरनेट मीडिया में काफी पसंद किया गया।

इसके प्रचलन और स्वीकार्यता को बढ़ता देख झारखंड के कई कद्दावर नेता भी इसका अनुसरण कर रहे हैं। झारखंड विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने इसकी शुरूआत की है।

हाल ही में मध्य प्रदेश कांग्रेस के पर्यवेक्षक बनाए गए झारखंड प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राजेश ठाकुर भी इस कड़ी में जुड़े हैं।

इनके बालक अवतार को लोग खूब पसंद कर रहे हैं। जनता नेताजी के बाल अवतार पर मोहित और गदगद है। इसके जरिए इन्हें खूब प्रसिद्धि मिल रही है।

प्रदीप यादव के बालक रूप वाले वीडियो को इंस्टाग्राम पर खूब लाइक्स मिल रहे हैं। इसे हजारों लोगों ने पसंद किया और अपने कमेंट्स भी दिए हैं। उल्लेखनीय है कि राजनीति के अलावा प्रदीप यादव कई अन्य विधाओं में माहिर हैं। वे तबला वादन के साथ-साथ गायन में भी रूचि रखते हैं। इसके अलावा क्रिकेट के मैदान में भी वे अपना कमाल दिखाते हैं।

प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने काफी कम समय में तेजी से राजनीतिक ऊंचाई हासिल की है। दिल्ली विश्वविद्यालय में छात्र राजनीति से सार्वजनिक जीवन में उन्होंने अबतक लंबा सफर तय किया है। इनके बालक रूप में नेता वाली छवि को फेसबुक पर समर्थकों ने

काफी पसंद किया है और काफी प्रतिक्रिया दी है।

दक्षिण भारत के राजनेता आगे, यहां भी आने वाले समय में तेज होगा प्रयोग

फिलहाल राजनीतिक प्रचार में कृत्रिम बुद्धिमता के इस्तेमाल के मामले में दक्षिण भारत के राज्यों के राजनेता काफी आगे हैं। तमिलनाडु विधानसभा के चुनाव में इसका काफी उपयोग किया गया था।

इसमें करूणानिधि की आवाज में जारी वीडियो काफी चर्चा में आया था। कर्नाटक विधानसभा के चुनाव में भी इसका तमाम प्रमुख दलों ने उपयोग किया था।

हालांकि पिछले वर्ष संपन्न झारखंड विधानसभा चुनाव में इसका सीमित उपयोग हुआ। अब धीरे-धीरे इसका जोर पकड़ रहा है। हालांकि इसके इस्तेमाल के जरिए गलत तरीके से प्रतिद्वंद्वियों की छवि को प्रस्तुत करने संबंधी चुनौतियां भी है, जिसके लेकर अक्सर चिंता प्रकट की जाती है।

कई कर्मियों पर बढ़ा काम का बोझ

रांची। झारखंड पुलिस कई शीर्ष पद अतिरिक्त प्रभार में चल रहे हैं। मतलब कुछ पुलिस अफसर ओवरलोडेड हैं तो कई ऐसे अधिकारी हैं जो काम की प्रतीक्षा में हैं। उदाहरण के लिए एसीबी व सीआईडी जैसी दो महत्वपूर्ण जांच एजेंसियां डीजीपी अनुराग गुप्ता के अतिरिक्त प्रभार में है। वे डीजी एसीबी व डीजी सीआईडी के प्रभार में हैं। इसी तरह प्रशिक्षण सह आधुनिकीकरण के एडीजी का प्रभार जैप की एडीजी प्रिया दुबे के पास है। एडीजी प्रशिक्षण सह आधुनिकीकरण सुमन गुप्ता थीं। अब वह पदस्थापन की प्रतीक्षा कर रही हैं। एडीजी मुख्यालय का पद रिक्त है। आईजी मुख्यालय का प्रभार सीआईडी के आईजी संगठित अपराध सुदर्शन प्रसाद मंडल के पास है।

आईजी सुदर्शन प्रसाद मंडल के पास पहले से ही आईजी जेल झारखंड का भी अतिरिक्त प्रभार है। आईजी जेल व आईजी मुख्यालय का पद बेहद महत्वपूर्ण है।

मुख्यालय में आईजी मुख्यालय व एडीजी मुख्यालय पद से दो अधिकारी इस विंग को संभालते हैं।

एजेंसियों की डेट लाइन तय

रांची। राज्य में एक जुलाई से शराब की खुदरा दुकानों का संचालन उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के लिए बड़ी चुनौती बन गई है। झारखंड राज्य बिवरेजेज कॉरपोरेशन लिमिटेड (जेएसबीसीएल) के अधीन राज्य में चल रही खुदरा दुकानों का संचालन प्लेसमेंट एजेंसियों के माध्यम से कराया जा रहा है। उन दुकानों में प्लेसमेंट एजेंसियों के माध्यम से मैनपावर की आपूर्ति की गई है।

इन प्लेसमेंट एजेंसियों को 30 जून तक के लिए ही ठेका मिला हुआ है। ऐसी स्थिति में एक जुलाई से शराब दुकानों का संचालन कौन करेगा, यह विभाग के लिए बड़ी चुनौती है। इस चुनौती को देखते हुए विभागीय मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने बुधवार को अधिकारियों से बैठक की और आगे का प्लान बनाया।

बैठक में यह समस्या सामने आई कि हाल के दिनों में एसीबी की कार्रवाई से विभाग में वरीय अधिकारियों की भारी कमी हो गई है। आयुक्त उत्पाद भी प्रशिक्षण के सिलसिले में बाहर हैं।

जैक बोर्ड परीक्षा परिणाम पर रहा छात्राओं का कब्जा

4.33 लाख से अधिक छात्रों ने दी परीक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड अधिविद्य परिषद् (जैक बोर्ड) की दसवीं बोर्ड परीक्षाओं का परिणाम आज मंगलवार को जारी कर दिया गया। परीक्षा परिणाम को लेकर प्रदेश की राजधानी रांची स्थित जैक बोर्ड के मुख्य कार्यालय में सुबह करीब 11:20 बजे कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य रूप से शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन और जैक बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. नटवा हांसदा शामिल हुए। इस दौरान मंत्री सोरेन और जैक अध्यक्ष हांसदा ने संयुक्त रूप से परिणाम घोषित किया। दोपहर 12:20 बजे के बाद जैक बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर परिणाम प्रकाशित किए गए। बता दें कि टॉप-5 में 14 छात्र हैं, जिनमें 12 लड़कियां हैं। इन 12 लड़कियों में भी 11 हजारीबाग इंदिरा गांधी बालिका हाईस्कूल की छात्राएं हैं। जैक बोर्ड 2025 की मैट्रिक परीक्षा का परिणाम 91.71 प्रतिशत रहा है। परीक्षा देने वाले 4 लाख 31488 बच्चों में से 3 लाख 95 हजार 755 पास हुए हैं। 2 लाख 2140 बच्चे फर्स्ट, 1लाख 57294 सेकेंड और 17

हजार 521 बच्चे थर्ड डिवीजन से पास हुए हैं।

वर्ष 2024 में दसवीं के परिणाम 19 अप्रैल को घोषित किए गए थे। उस वर्ष कुल पास प्रतिशत 90.39% था। विद्यार्थियों की संख्या की बात की जाए तो जैक 10वीं परीक्षा के लिए कुल 4.21 लाख परीक्षार्थियों ने नामांकन कराया था, जिनमें से 4.18 लाख छात्र परीक्षा में शामिल हुए थे और 3.78 लाख छात्र परीक्षा में सफल हुए थे। लड़कों का पास प्रतिशत 89.70% था, जबकि लड़कियों का पास प्रतिशत 91% था।

इस वर्ष मैट्रिक परीक्षा में कुल 4,33,890 छात्र-छात्राओं ने पंजीकरण कराया, जो कि 2024 के मुकाबले लगभग 12,000 छात्रों की वृद्धि को दर्शाता है। यह राज्य में शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ती जागरूकता और भागीदारी को भी दर्शाता है।

अवमानना याचिका पर हुई सुनवाई

रांची। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को राज्य में सहायक आचार्य नियुक्ति को लेकर दाखिल अवमानना याचिका पर सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस अरविंद कुमार की खंडपीठ ने मामले में सुनवाई करते हुए झारखंड के मुख्य सचिव एवं जेएसएससी सचिव को एक माह के अंदर सहायक आचार्य नियुक्ति का परिणाम जारी कर अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अगर सरकार की ओर से अनुपालन रिपोर्ट दाखिल नहीं किया जाता है तो संबंधित जिम्मेदार अधिकारी के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई शुरू की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने अरविंद कुमार ठाकुर एवं अन्य की ओर से सहायक आचार्य परीक्षा में सीटेट अभ्यर्थियों शामिल रखने के आग्रह करने वाली एसएलपी पर भी सुनवाई की।

अदालत ने अरविंद कुमार ठाकुर एवं अन्य की दलील को अस्वीकार करते हुए इसे कोर्ट के समय को व्यर्थ करना बताया। अदालत ने उनकी एसएलपी खारिज करते हुए उनपर पांच लाख रुपये का जुमार्ना लगाया है।

भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री और हथियार बरामद, नक्सलियों की टूटी कमर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जंगल में तलाशी के दौरान हुई जखीरे की बरामदगी रविवार को हुई थी मुठभेड़, पुलिस को मिली सफलता लगातार चल रही नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई

लातेहार। झारखंड के लातेहार जिले में सुरक्षाबलों को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। दो दिन पहले माओवादियों के साथ हुई मुठभेड़ के बाद बुधवार को पुलिस ने जिले के एक जंगल से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री, हथियार और जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। यह कार्रवाई नेतारहाट थाना क्षेत्र के तहत आने वाले टूटा पानी जंगल में आदे गांव के पास की गई। पुलिस अधीक्षक ने जानकारी दी कि यह बरामदगी सुरक्षाबलों द्वारा चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान हुई। जंगल में छिपाकर रखे गए आठ आईईडी बरामद किए गए, जिनका वजन आधा-आधा किलो था। इन सभी विस्फोटकों को मौके पर ही सीआरपीएफ की बम निरोधक टीम ने निष्क्रिय कर दिया।

इसके अलावा सुरक्षाबलों को एक 7.62 बोर की एसएलआर राइफल, 9 एमएम बोर की एक कार्बाइन, 150 जिंदा कारतूस, 5.56 एमएम बोर की 40 गोलियां और 9 एमएम बोर की कई गोलियां भी मौके से मिली हैं। पुलिस का मानना है कि इन हथियारों का इस्तेमाल माओवादी गतिविधियों में किया जाना था।

इससे पहले रविवार की रात सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। यह मुठभेड़ मौहदान्द थाना क्षेत्र के दौना जंगल में हुई थी। मुठभेड़ के दौरान मनीष यादव नामक एक कुख्यात माओवादी ढेर हो गया था। उस पर सरकार ने पांच लाख रुपये का इनाम घोषित किया था।

इसी मुठभेड़ के दौरान सुरक्षाबलों ने कुंदन खेरवार उर्फ सुधीर सिंह नाम के एक और वरिष्ठ माओवादी नेता को गिरफ्तार किया था, जिस पर दस लाख रुपये का इनाम घोषित था। यह गिरफ्तारी सुरक्षाबलों के लिए एक बड़ी सफलता मानी जा रही है।

पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने बताया कि माओवादियों के खिलाफ चलाया जा रहा अभियान लगातार जारी है। उन्होंने कहा कि जिले में नक्सलियों के संभावित ठिकानों पर लगातार तलाशी अभियान चलाया जा रहा है, ताकि उनके नेटवर्क को पूरी तरह से ध्वस्त किया जा सके।

लातेहार जिला झारखंड के उन संवेदनशील इलाकों में शामिल है, जहां माओवादी लंबे समय से सक्रिय रहे हैं। सुरक्षाबलों द्वारा चलाए जा रहे अभियान के चलते इन इलाकों में माओवादियों की गतिविधियों पर काफी हद तक अंकुश लग चुका है, उम्मीद है कि आने वाले समय में इन पर पूरी तरह से काबू पा लिया जाएगा।

जितेश की पारी IPL के वर्तमान सत्र की सर्वश्रेष्ठ पारी है: टॉम मूडी

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी टॉम मूडी ने कहा कि मंगलवार को लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ जितेश शर्मा की असाधारण पारी इंडियन प्रीमियर लीग के वर्तमान सत्र की सर्वश्रेष्ठ पारी है।

कार्यवाहक कप्तान जितेश ने 33 गेंदों पर नाबाद 85 रन की शानदार पारी खेलकर अपनी टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को आईपीएल के पहले क्वालीफायर में पहुंचा दिया। जब विराट कोहली का विकेट गिरने के बाद जितेश क्रीज पर आए, तब आरसीबी को 228 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 52 गेंदों पर 105 रन की जरूरत थी। जितेश ने इससे पहले वर्तमान सत्र में कोई अर्धशतक नहीं लगाया था लेकिन उन्होंने महत्वपूर्ण मौके पर आकर्षक पारी खेली। मूडी ने कहा, 'मेरे लिए यह पारी आईपीएल के वर्तमान सत्र की सर्वश्रेष्ठ पारी है। हमने युवा और अनुभवी खिलाड़ियों की कुछ बेहतरीन पारियां देखी हैं, लेकिन यह पारी वाकई उल्लेखनीय है। उन्होंने कहा, 'परिस्थितियां पूरी तरह से प्रतिकूल थी लेकिन उन्होंने इस पर ध्यान नहीं दिया और मैच का पासा पलट दिया। उन्होंने पूरी चतुराई से बल्लेबाजी की। वह जिस तरह से खेल रहे थे उसे देखकर लग रहा था कि वह इससे पहले भी कई बार ऐसा कर चुके हैं।

भारत ने अर्जेंटीना को पेनल्टी शूटआउट में हराया

रोसारियो (अर्जेंटीना), एजेंसी। गोलकीपर और कप्तान निधि ने लगातार चार गोल बचाए जिससे भारत ने चार देशों के जूनियर महिला हॉकी टूर्नामेंट में मेजबान अर्जेंटीना को मैच 1-1 से बराबर छूटने के बाद पेनल्टी शूटआउट में 2-0 से हराया। कनिका (44वें मिनट) ने निर्धारित समय

में भारत के लिए एकमात्र गोल किया, जबकि लालरिनपुई और लालथंतलुआंगी ने शूटआउट में गोल करके टूर्नामेंट के अपने तीसरे मैच में भारत को जीत दिलाई। अर्जेंटीना ने अच्छी शुरुआत की। मिलग्रोस डेल वैले (10वें मिनट) ने घरेलू टीम को पहले क्वार्टर में बढ़त दिलाई जबकि भारत ने तीसरे क्वार्टर में कनिका के गोल से स्कोर बराबर किया। भारत का अगला मुकाबला शुक्रवार को चिली से होगा।

वैभव सूर्यवंशी ने दुनिया के 58 बल्लेबाजों के बीच मारी बाजी, बने नंबर 1

नई दिल्ली, एजेंसी। भइया अब तो कहना ही पड़ेगा, वैभव सूर्यवंशी जैसा कोई नहीं. अब जिस नन्हें खिलाड़ी ने दुनिया के 58 बल्लेबाजों के बीच बाजी मारी हो, उसके बारे में ऐसा नहीं कहेंगे तो और क्या कहेंगे? 58 बल्लेबाजों के बीच अपने दबदबे की कहानी लिख 14 साल के वैभव सूर्यवंशी नंबर 1 भी बन गए हैं. अब आप सोच रहे हैं कि वैभव सूर्यवंशी ने कारनामा किया कहां? और कब किया? तो इन सवालों का जवाब आईपीएल से ही जुड़ा है.

इन 58 बल्लेबाजों के बीच वैभव सूर्यवंशी छाए- सबसे पहले तो ये जान लीजिए कि वो 58 बल्लेबाज हैं कौन, जिनके बीच वैभव सूर्यवंशी ने अपने नाम का डंका पीटा है. वो सभी बल्लेबाज आईपीएल में धूम मचा चुके हैं. दरअसल, ये उन बल्लेबाजों की संख्या है, जिन्होंने अभी तक आईपीएल में शतक जड़ा है. और, वैभव सूर्यवंशी आईपीएल में शतक लगाने वाले उन सारे बल्लेबाजों के बीच नंबर वन पर हैं.

इस मामले में नंबर 1 बने वैभव सूर्यवंशी- अब वैभव सूर्यवंशी नंबर वन तो हैं मगर किस मामले में? क्योंकि, ना ही उनका शतक सबसे तेज है और ना ही उनका बनाया स्कोर सबसे बड़ा. वैभव सूर्यवंशी जिस मामले में 58 बल्लेबाजों के बीच बाजी मारने में कामयाब रहे हैं, वो है उनकी सेंचुरी में मौजूद बाउंड्री पर्सेन्टेज. 14 साल के बाएं हाथ के बल्लेबाज ने आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ सिर्फ 35 गेंदों में शतक जड़ दिया था. वैभव सूर्यवंशी ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 38 गेंदों पर 265.78 की स्ट्राइक रेट से 101 रन बनाए थे, जिसमें 7 चौके और 11 छक्के शामिल रहे थे. मतलब उन्होंने अपनी सेंचरी में 94 रन सिर्फ बाउंड्री से बनाए थे.

वैभव सूर्यवंशी ने यशस्वी जायसवाल का रिकॉर्ड तोड़ा

अब अगर बाउंड्री पर्सेन्टेज निकालें तो वैभव सूर्यवंशी ने 93 प्रतिशत रन अपनी सेंचुरी के दौरान सिर्फ चौके-छक्के लगाकर बनाए थे, जो कि एक रिकॉर्ड है. वैभव सूर्यवंशी ने इस मामले में अपने ही टीममेट और ओपनिंग पार्टनर यशस्वी जायसवाल के रिकॉर्ड को तोड़ा है. यशस्वी जायसवाल ने जब आईपीएल 2023 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ शतक जड़ा था तो उसमें 90 प्रतिशत रन बाउंड्री से बनाए थे.

सनथ जयसूर्या नंबर 3, गिलक्रिस्ट चौथे नंबर पर

वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल के बाद तीसरे नंबर पर श्रीलंका के पूर्व ओपनर सनथ जयसूर्या हैं. उन्होंने आईपीएल 2008 में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ जमाए अपने शतक में 89 प्रतिशत रन बाउंड्री से बनाए थे. जबकि उसी आईपीएल सीजन में एडम गिलक्रिस्ट ने जब मुंबई इंडियंस के खिलाफ शतक लगाया था तो उसमें 88 प्रतिशत रन बाउंड्री से मारे थे.

भारत के खिलाफ श्रृंखला में होगी क्रॉली और पोप की असली परीक्षा:ज्योफ्री बॉयकॉट

लंदन, एजेंसी। अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज ज्योफ्री बॉयकॉट इस बात से सहमत नहीं हैं कि जिम्बाब्वे के खिलाफ शतक बनाने के बावजूद इंग्लैंड के जैक क्रॉली और ओली पोप अपनी 'तकनीकी और मानसिक समस्याओं से उबर चुके हैं और उनका मानना है कि उन्हें असली चुनौती अगले महीने भारत के खिलाफ होने वाली पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में मिलेगी। क्रॉली के लिए पिछले कुछ महीने काफी कठिन रहे हैं। न्यूजीलैंड में वे संघर्ष करते रहे, जहां उनका औसत 9 से कम रहा और वे सभी छह पारियों में मैट हेनरी के हाथों आउट हुए। पोप के लिए भी 2024 उतार-चढ़ाव भरा रहा। हैदराबाद में भारत के खिलाफ पहले टेस्ट में 196 रन की शानदार पारी खेलने के बाद उनके प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव रहा।

बॉयकॉट ने डेली टेलीग्राफ में अपने कॉलम में लिखा, 'हम अभी इस नतीजे पर नहीं पहुंच सकते हैं कि क्रॉली और पोप ने अपनी तकनीकी और मानसिक समस्याओं को सुलझा लिया है, जो उनके करियर को प्रभावित कर रही थीं, क्योंकि जिम्बाब्वे की गेंदबाजी बहुत औसत दर्जे की थी। इंग्लैंड के शीर्ष तीन बल्लेबाजों क्रॉली, बेन डकेट और पोप ने शतक लगाए, जिससे मेजबान टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ अपनी पारी छह विकेट पर 565 रन बनाकर समाप्त घोषित की। इंग्लैंड ने यह एकमात्र टेस्ट मैच पारी और 45 रन से जीता था। बॉयकॉट ने कहा, 'वे मध्यम गति के गेंदबाज थे, जो क्रॉली और पोप की बल्लेबाजी में किसी भी तरह की खामी को उजागर करने के लिए पर्याप्त अच्छे नहीं थे। हमें भारत के खिलाफ श्रृंखला तक इंतजार करना होगा, ताकि यह देखा जा सके कि बेहतर गेंदबाजों के खिलाफ वास्तव में कोई सुधार हुआ है या नहीं। यह उनके लिए असली परीक्षा होगी और इससे हम बेहतर आकलन कर सकते हैं कि वह अभी किस स्थिति में हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला का पहला मैच 20 जून से लीड्स में खेला जाएगा। इंग्लैंड को इसके बाद एशेज श्रृंखला खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करना है जिसका पहला मैच 21 नवंबर को शुरू होगा।

शतक ठोकने बाद ऋषभ पंत को बड़ा नुकसान, IPL ने ठोका 30 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के 70वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने लखनऊ सुपर जायंट्स को 6 विकेट से हरा दिया। लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत ने बेहतरीन शतक जड़ा, लेकिन टीम 228 का टारगेट डिफेंड नहीं कर पाई। शतक पर पानी फिरने के बाद पंत पर भारी जुर्माना लगा। स्लो ओवर रेट के कारण 30 लाख रुपये का जुर्माना ठोका गया। आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स ने तीसरी बार स्लो ओवर रेट से गेंदबाजी की। ऐसे में आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट के तहत कप्तान पंत पर 30 लाख का जुर्माना और इंपैक्ट प्लेयर समेत प्लेइंग 11 के हिस्सा खिलाड़ियों पर 12-12 लाख रुपये या मैच फीस के 12 प्रतिशत का जुर्माना लगा।

पंत का बेहतरीन शतक- मुंबई इंडियंस के खिलाफ एलिमिनेटर खेलने से बचने के लिए बेंगलुरु को जीत की जरूरत थी और उसने 230-4 का स्कोर बनाकर रिकॉर्ड चेज किया। पंत ने सीजन की अपनी पहली बड़ी पारी में 61 गेंदों पर आठ छक्कों और 11 चौकों की मदद से नाबाद 118 रन बनाए, जिससे लखनऊ ने 227-3 का मजबूत स्कोर बनाया।

मार्श के साथ 152 रन की साझेदारी

तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे पंत ने तीसरे ओवर में नुवान तुषारा द्वारा मैथ्यू ब्रीट्ज़के (14) को क्लीन बोल्ड किए जाने के बाद अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। पंत ने तेजी से रन बनाए और 29 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। मिचेल मार्श (67) ने इस सीजन में अपना छठा 50 से अधिक का स्कोर 31 गेंदों पर बनाया और पंत के साथ 78 गेंदों पर 152 रनों की मजबूत साझेदारी की।

जीतेश-कोहली का बेहतरीन अर्धशतक- आरसीबी ने जीतेश शर्मा की 33 गेंद पर 85 और विराट कोहली की 30 गेंद 54 रन की पारी के दम पर अबतक का अपना सबसे बड़ा स्कोर चेज किया।

गुकेश की नॉर्वे चेस टूर्नामेंट में लगातार दूसरी हार-दूसरे राउंड में अर्जुन ने हराया

अगले दौर में हिकारू से भिड़ेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। मौजूदा वर्ल्ड चेस चैंपियन डी गुकेश की नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट 2025 में शुरुआत बेहद खराब रही। उन्हें शुरुआती दोनों मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा। मंगलवार को खेले गए दूसरे राउंड में उन्हें हमवतन अर्जुन एरिगैसी ने हराया। इस हार के बाद गुकेश स्टैंडिंग में सबसे निचले छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। इससे पहले, उन्हें पहले राउंड में पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन और मौजूदा वर्ल्ड नंबर-1 मैग्नस कार्लसन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।

तीसरे राउंड में हिकारू से भिड़ेंगे गुकेश इस जीत से अर्जुन दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। टॉप पर अमेरिका के हिकारू नाकामुरा हैं। एक अन्य मुकाबले में हिकारू ने मैग्नस कार्लसन को हरा दिया। तीसरे राउंड में गुकेश का सामना हिकारू से होगा।

कौन हैं डी गुकेश? गुकेश डी का पूरा नाम डोम्माराजू गुकेश है। वह चेन्नई के रहने वाले हैं। गुकेश का जन्म चेन्नई में 7 मई 2006 को हुआ था। उन्होंने 7 साल की उम्र में ही शतरंज खेलना शुरू कर दिया था। उन्हें शुरू में भास्कर नागैया ने कोचिंग दी थी। नागैया इंटरनेशनल चेस खिलाड़ी रहे हैं और चेन्नई में चेस के होम ट्यूटर हैं। इसके बाद विश्वनाथन आनंद ने गुकेश को खेल की जानकारी देने के साथ कोचिंग दी। गुकेश के पिता डॉक्टर हैं और मां पेशे से माइक्रोबायोलॉजिस्ट हैं।

गुकेश मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन गुकेश ने दिसंबर में सिंगापुर में खेले गए वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप में चीन के डिंग लिरेन को 7.5-6.5 से फाइनल में हराकर खिताब जीता था। 18 साल की उम्र में वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप जीतने वाले गुकेश दुनिया के पहले प्लेयर हैं। इससे पहले 1985 में रूस के गैरी कैस्परोव ने 22 साल की उम्र में यह खिताब जीता था। गुकेश ने चीनी खिलाड़ी को 14वें गेम में हराकर यह टाइटल जीता था।

पंत की क्षमता और योग्यता पर कभी संदेह नहीं था: जहीर खान

लखनऊ, एजेंसी। ऋषभ पंत इंडियन प्रीमियर लीग के वर्तमान सत्र में भले ही अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए लेकिन लखनऊ सुपर जाइंट्स के मेंटोर (मार्गदर्शक) जहीर खान ने कहा है कि इस विकेटकीपर बल्लेबाज की क्षमता और योग्यता पर कभी संदेह नहीं रहा। मेगा नीलामी में 27 करोड़ रुपए की भारी भरकम कीमत पर खरीदे गए पंत ने 13 पारियों में सिर्फ 269 रन बनाए।

उन्होंने टीम के सत्र के आखिरी मैच में 61 गेंदों पर 118 रन बनाए लेकिन इसके बावजूद उनकी टीम को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से हार का सामना करना पड़ा। जहीर ने मैच के बाद कहा, 'उन्होंने कप्तान के रूप में वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया। यह पूरे सत्र में हमारे लिए सकारात्मक पहलू रहा। बल्ले से उनका प्रदर्शन निश्चित रूप से उनके लिए सीखने वाला अनुभव रहा, क्योंकि इस तरह का सत्र उनके लिए काफी महत्वपूर्ण था। उन्होंने कहा, 'लेकिन उनकी योग्यता और क्षमता पर किसी को कोई संदेह नहीं था। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि इस आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज को शानदार प्रदर्शन करते हुए सत्र का अंत करते देखना अच्छा लगा। जहीर ने कहा, 'हमें खुशी है कि उन्होंने बहुत अच्छे प्रदर्शन के साथ सत्र का समापन किया। उनकी क्षमता ऐसी है और वे खेल पर बहुत प्रभाव डाल सकते हैं।

लखनऊ के लिए यह सत्र निराशाजनक रहा तथा वह छह जीत और आठ हार के साथ सातवें स्थान पर रहा। प्रमुख गेंदबाजों की चोटों के कारण उसकी लय और निरंतरता बाधित हुई। जहीर ने कहा, 'जब आप आईपीएल सत्र की शुरुआत करते हैं, तो आपका पहला लक्ष्य प्लेऑफ के बारे में सोचना होता है, कि आप वहां कैसे पहुंचेंगे। हमारे कुछ मुख्य गेंदबाज चोटिल होने के कारण बाहर हो गए थे और हमने इन चुनौतियों से निपटने के लिए अपनी तरफ से अच्छे प्रयास किये। हमारे बल्लेबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया और यह हमारे लिए सकारात्मक पहलू रहा।

रेसलिंग की जगह ये काम करना चाहते थे जॉन सीना

नई दिल्ली, एजेंसी। डब्ल्यूडब्ल्यूई को जॉन सीना जैसा गोट (ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम) शायद कभी नहीं मिलता। एक समय ऐसा था जब जॉन सीना रेसलिंग में आने ही नहीं वाले थे। डब्ल्यूडब्ल्यूई में कई बड़े सितारे हुए हैं जिन्होंने अलग-अलग दौर में अपना नाम बनाया है। जॉन सीना भी उनमें से एक हैं। अनसीन 17 प्रोफेशनल रेसलिंग में बहुत बड़ा नाम है और डब्ल्यूडब्ल्यूई का चेहरा भी रहे हैं। लेकिन, अगर जॉन सीना ने कोई और रास्ता चुना होता तो कंपनी को ऐसा लड़ाका कभी नहीं मिल पाता। दरअसल, जॉन सीना एक समय मरीन कॉर्प्स में भर्ती होना चाहते थे। उसी समय उन्हें कुश्ती का भी ऑफर मिला।

डब्ल्यूडब्ल्यूई में सीना का योगदान काफी अहम

जॉन सीना की कहानी प्रेरणादायक है। यह हमें सिखाती है कि हमें अपने सपनों को कभी नहीं छोड़ना चाहिए। हमें हमेशा अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रयास करते रहना चाहिए। डब्ल्यूडब्ल्यूई में जॉन सीना का योगदान बहुत बड़ा है। उन्होंने डब्ल्यूडब्ल्यूई को दुनिया भर में लोकप्रिय बनाया है। वे डब्ल्यूडब्ल्यूई के सबसे बड़े सितारों में से एक हैं।

जॉन सीना ने कैसे चुनी रेसलिंग

जॉन सीना ने स्टेफनी मैकमैहन के नए शो स्टेफनी प्लेसेस पर अपने संघर्ष के दिनों की एक कहानी बताई। उन्होंने बताया कि शारीरिक गतिविधियों में रुचि होने के बाद वे मरीन कॉर्प्स में जाना चाहते थे। उन्हें लगता था कि यह उनके लिए सही रहेगा। जॉन सीना ने मरीन में भर्ती होने का फैसला कर लिया था। लेकिन, उसी हफ्ते उनके एक दोस्त ने उन्हें ऑरेंज काउंटी में एक ट्रेनिंग सेशन के लिए बुलाया। द फेस दैट रन्स द प्लेस ने वहां जाने का फैसला किया। रिंग देखकर उन्हें रेसलिंग से प्यार हो गया। फिर उन्होंने हफ्ते में एक नौकरी करने और वीकेंड पर रेसलिंग करने का फैसला किया। अगर जॉन सीना उस वीकेंड मरीन में भर्ती होने चले जाते, तो डब्ल्यूडब्ल्यूई को उनका एक बड़ा नाम कभी नहीं मिलता। रेसलिंग की दुनिया भी बहुत अलग होती। लेकिन, सीना ने उस ट्रेनिंग सेशन में जाने का फैसला किया और डब्ल्यूडब्ल्यूई में शामिल हो गए। 25 साल बाद, उन्हें गोट के रूप में जाना जाता है। वे 17 बार डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियन रह चुके हैं।

जोकोविच ने मैकडोनाल्ड के खिलाफ सीधे सेटों में जीत दर्ज की

पेरिस, एजेंसी। नोवाक जोकोविच ने मंगलवार को अपने 2025 रौलां गैरो अभियान की शुरुआत अपने ट्रेडमार्क अंदाज में की, उन्होंने कोर्ट फिलिप-चैटियर पर पहले दौर में आत्मविश्वास और संयम के साथ प्रदर्शन करते हुए अमेरिकी मैकेंजी मैकडोनाल्ड को 6-3, 6-3, 6-3 से हराया। यह जीत जोकोविच द्वारा जिनेवा ओपन में अपना 100वां टूर-लेवल खिताब जीतने के ठीक तीन दिन बाद मिली। मैकडोनाल्ड के खिलाफ अपना पहला एटीपी हेड2हेड मैच खेलते हुए, जोकोविच एक घंटे, 58 मिनट के मुकाबले में पूरे नियंत्रण में थे। मैच की शुरुआत में हवा की स्थिति ने कुछ अप्रत्याशितता पैदा की, लेकिन बारिश के कारण दूसरे सेट के बीच में छत बंद हो गई। तब तक, सर्बियाई खिलाड़ी ने पहले ही गति पकड़ ली थी, उन्होंने शुरुआती सेट में 2-2 से सात में से छह गेम जीत लिए थे। इस जीत ने रौलां गैरो के पहले दौर के मैचों में जोकोविच के शानदार रिकॉर्ड को 20-0 तक पहुंचा दिया है। 2010 के बाद से उन्होंने क्ले-कोर्ट मेजर में ओपनर में एक भी सेट नहीं गंवाया है, जब उन्होंने चार सेटों में एवगेनी कोरोलेव को हराया था। जोकोविच ने कोर्ट पर दिए अपने इंटरव्यू में फ्रेंच में कहा, ÷मैं इस बेहद खास और खूबसूरत कोर्ट पर हर पल का लुत्फ उठाने की कोशिश करता हूं।मैं यहां अच्छा महसूस कर रहा हूँ, जाहिर है, और भी ज्यादा क्योंकि मैं पिछले साल के ओलंपिक की यादों को फिर से जी रहा हूं, पिछली बार जब मैंने इस कोर्ट पर खेला था। वे खूबसूरत भावनाएं हैं।

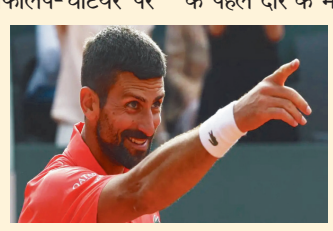

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में कम आयु वालों में बढ़ रहा ब्लड कैंसर का खतरा?

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में हर साल रक्त कैंसर में एक्यूट मायलॉयड ल्यूकेमिया के कम से कम 3,000 मामले सामने आ रहे हैं। चिंता की बात यह है कि यह आक्रामक ब्लड कैंसर अब 30 से 40 वर्ष की उम्र के लोगों में भी तेजी से फैल रहा है। एम्स के एडिशनल प्रोफेसर डॉक्टर रंजीत साहू ने मंगलवार को यह जानकारी दी। विशेषज्ञों के अनुसार, यह गंभीर स्वास्थ्य चुनौती बनती जा रही है, जिस पर ध्यान देने की जरूरत है। आंकड़ों के मुताबिक,एएमएल कैंसर से पीड़ित सिर्फ 30 फीसदी मरीज ही पूरा इलाज करवा पाते हैं। इलाज में सबसे बड़ी बाधा आर्थिक तंगी और अपर्याप्त बीमा सुरक्षा है, जिसके कारण अधिकतर मरीज समय पर इलाज नहीं ले पाते। विशेषज्ञों का मानना है कि एएमएल को राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राथमिकता में शामिल किया जाना चाहिए, क्योंकि इसके मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं और समय रहते कदम न उठाने पर अनावश्यक जानें जा रही हैं। विशेषज्ञों ने सरकार से अपील की कि बढ़ती गंभीरता को देखते हुए इसके इलाज और जांच को सुलभ और सस्ता बनाया जाए। एम्स के डीएम (मेडिकल ऑन्कोलॉजी) प्रोफेसर (एडिशनल) डॉ. रंजीत साहू ने बताया कि हम समय गंवा देते हैं,क्योंकि एएमएल का देर से पता चलता है। यह थकान या संक्रमण जैसा दिखता है और जब तक सही जांच होती है, तब तक बीमारी काफी बढ़ चुकी होती है। एक सामान्य ब्लड टेस्ट से इसका पता लगाया जा सकता है, लेकिन एएमल का इलाज सिर्फ उच्चस्तरीय चिकित्सा केंद्रों में ही संभव है और सहायक इलाज की लागत भी बहुत अधिक है।

पेंशन बढ़ाने जा रही रेखा गुप्ता सरकार, लाखों लोगों को होगा फायदा

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के बुजुर्गों और दिव्यांगों के लिए अच्छी खबर है। इन दोनों की

मासिक पेंशन 500 रुपये बढ़ाने पर समाज कल्याण विभाग ने काम शुरू कर दिया है। इसका मसौदा तैयार कर कैबिनेट ने वित्त विभाग को भेज दिया है। वहां से हरी झंडी मिलने के बाद इसे कैबिनेट में मंजूरी के लिए भेज दिया जाएगा। वर्तमान में दिल्ली सरकार 4.60 लाख बुजुर्गों, 1.35 लाख दिव्यांगों को हर महीने पेंशन देती है। अलग-अलग श्रेणी में इन्हें 2000 और 2500 रुपये पेंशन दी जाती है। इस पर हर वर्ष करीब 1400 करोड़ रुपये खर्च होते हैं। पेंशन में वृद्धि के बाद बुजुर्गों और दिव्यांगों को 2500 और 3000 रुपये मिलेंगे। इससे सरकारी खजाने पर करीब 500 करोड़ रुपये का बोझ बढ़ेगा। हालांकि, सरकार के सूत्रों की मानें तो पेंशन वृद्धि के साथ पेंशन का लाभ ले रहे लाभार्थियों की जांच की जाएगी। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि जरूरतमंदों को ही वर्तमान में दिल्ली में बुजुर्गों को कई श्रेणी में अलग-अलग पेंशन मिलती है। जैसे 60 से 69 आयु वर्ग वाले बुजुर्गों को दो हजार रुपये मासिक पेंशन मिलती है। 70 साल या उससे अधिक उम्र के बुजुर्गों को हर माह 2500 रुपये पेंशन मिलती है।

नौकरी में नहीं चलेगी नवाबी, बर्खास्त होते ही पेंशन से धोना पड़ेगा हाथ; सरकार का बड़ा फैसला

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू) के किसी कर्मचारी को बर्खास्त करने या हटाने की स्थिति में उसे सेवानिवृत्ति लाभ नहीं मिलेंगे। केंद्र सरकार ने यह जानकारी देते हुए कहा कि इस तरह की बर्खास्तगी या हटाने के फैसले की समीक्षा संबंधित प्रशासनिक मंत्रालय करेगा। कार्मिक मंत्रालय ने इस संबंध में केंद्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 2021 में प्रमुख बदलाव किए हैं। हाल ही में अधिसूचित केंद्रीय सिविल सेवा (पेंशन) संशोधन नियम, 2025 के अनुसार, किसी भी कर्मचारी को सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम में शामिल होने के बाद किसी भी कदाचार के लिए बर्खास्त करने या हटाने से सेवानिवृत्ति लाभ नहीं मिलेगा।

दिल्ली के एटीएम में सौ की ट्रे में रखे 500 के नोट, लोगों ने 8 लाख से अधिक निकाल लिए

नईदिल्ली, एजेंसी। उत्तर पूर्वी दिल्ली के हर्ष विहार इलाके में एटीएम में कैश लोडिंग के दौरान 100 रुपये के नोट की ट्रे में 500 के नोट रख दिए गए। इसका फायदा उठाकर 112 एटीएम कार्डधारकों ने करीब आठ लाख रुपये अतिरिक्त निकाल लिए। ऑडिट में ज्यादा रुपये निकलने का खुलासा होने के बाद कैश लोडिंग कंपनी ने बुधवार को अपने की दो कर्मचारियों के खिलाफ केस दर्ज कराया। आरोप है कि दोनों कर्मचारियों ने जान-बूझकर नोटों की अदला-बदली की और फिर अपने जानकार कार्डधारकों की मदद से आठ लाख रुपये निकलवाकर गबन कर लिए। पुलिस केस दर्ज कर जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक,मामले में एटीएम में कैश लोडिंग व अनलोडिंग का काम करने वाली कंपनी के शाखा प्रबंधक ने केस दर्ज कराया है। शिकायत में शाखा प्रबंधन ने बताया कि कैश की लोडिंग-अनलोडिंग के लिए प्रत्येक एटीएम रूट पर दो कस्टोडियन की नियुक्ति की जाती है। ये बैंकों से कैश लेकर एटीएम में लोड करने के साथ कैश रिसाइकलर मशीन (सीआरएम) और बल्क नोट एक्सेप्टर (बीएनए) में ग्राहकों द्वारा जमा किए रुपये को निकालकर बैंकों में जमा करते हैं। कस्टोडियन के पास एटीएम के वॉल्ट का पासवर्ड, एडमिन कार्ड और एटीएम रूम की चाबी होती है।

इस तरह फर्जीवाड़ा हुआ : एक मई

को कंपनी का एक कर्मचारी कैश लोडिंग व ऑडिट के लिए एक एटीएम पर गया, तो उसे गलत तरीके से ज्यादा कैश निकाले जाने की जानकारी हुई। आरोप है कि 29 अप्रैल को 31 लाख का कैश लोड करने गए कंपनी के दो कस्टोडियन ने जान-बूझकर 100 रुपये के नोट की ट्रे में 500 के दो हजार नोट डाल दिए और 100 रुपये वाली ट्रे से सौ के सारे नोट निकालकर 500 रुपये वाली ट्रे में रख दिया। इसके बाद इस ट्रे को हल्का सा बाहर खींच दिया, जिससे 500 की ट्रे में रखे 100 के नोट फंस जाएं और बाहर न निकलें। मशीन नोटों की पहचान नहीं कर पाती

एटीएम में नोटों को रखने की जगह को कैसेट या ट्रे बोला जाता है। एटीएम की कार्यप्रणाली ऐसी होती है कि वह रुपये निकालने के दौरान केवल कैसेट या ट्रे की पहचान करती है। मशीन नोटों की पहचान नहीं कर पाती है। उदाहरण के लिए यदि 500 के ट्रे में 100 रुपये के नोट रख दिए जाएं और कोई 1000 रुपये निकालने का कमांड दे, तो एटीएम पांच सौ के कैसेट में रखे सौ के नोटों की पहचान नहीं कर पाएगा। ऐसे में पांच सौ की नोट के हिसाब से एक हजार रुपये के लिए 100 के दो नोट डिस्पेंस कर देगा। बिल्कुल ऐसा ही तब भी होगा जब 100 के कैसेट में पांच सौ या दो सौ के नोट रख दिए जाएंगे। तब एटीएम क्रमशः पांच गुना या दो गुना रकम निकाल देगा। कस्टोडियन की सफाई,कहा-गलती से ऐसा हुआ एक आरोपी कस्टोडियन ने कहा कि नोटों की अदला-बदली गलती से हुई। उसके मुताबिक, तबीयत खराब होने के कारण वह ब्रांच में कुछ दिन पहले ही इस्तीफा दे चुका था और नोटिस पीरियड पर था। उसका काम नए कस्टोडियन को सारा काम समझाने का था। कंपनी तबीयत खराब होने के बावजूद उसे लोडिंग-अनलोडिंग के लिए भेज रही थी। नोटों की अदला-बदली वाले दिन भी तबीयत ठीक नहीं थी। जल्दी काम निपटाने के चक्कर में यह गड़बड़ी हुई। परिचितों के जरिये रुपये निकलवाने का आरोप कंपनी का आरोप है कि एटीएम में गड़बड़ी करने के बाद आरोपी कस्टोडियन ने अपने जानने वाले 112 एटीएम कार्डधारकों को पैसे निकालने भेजे, जिन्होंने 100 रुपये की जगह 500 की नोट निकालकर बैंक को तीन दिन के अंदर आठ लाख रुपये की चपत लगा दी। कंपनी का आरोप है कि दोनों कस्टोडियन ने साजिशन गड़बड़ी की है। समय पर ऑडिट न होने पर चूक पकड़ में नहीं आती।

पुलिस जवान को मरवाने वाले कादिर के घर पीएसी तैनात, नाहल से नोएडा तक छापे,45 अरेस्ट

नईदिल्ली, एजेंसी। नाहल गांव में नोएडा के सिपाही की हत्या के बाद पुलिस लगातार छापेमारी कर रही। पुलिस ने गाजियाबाद के नाहल में सोमवार और मंगलवार को ताबड़तोड़ कार्रवाई की। हत्या के आरोप में 14 और शांति भंग करने में 31 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इनमें से 36 लोगों को जेल भेज दिया गया। नोएडा में भी छापे मारे गए। नाहल गांव में 25 मई की रात हिस्ट्रीशीटर कादिर उर्फ मंटा को छुड़ाने के लिए पथराव-फायरिंग में सिपाही की मौत हो गई थी। मसूरी पुलिस ने सोमवार शाम तक हिस्ट्रीशीटर कादिर के अलावा नाहल गांव के ही मुशाहिद,अब्दुल खालिक,नन्हू और अब्दुल सलाम को गिरफ्तार कर लिया था। नन्हू और अब्दुल सलाम पुलिस मुठभेड़ में गोली लगने से घायल हुए थे। इसके अलावा पुलिस ने 10-12 संदिग्ध लोगों को भी हिरासत में लिया था। इसी क्रम में पुलिस की पांच टीमों ने सोमवार रात दस बजे से तड़के चार बजे तक नाहल गांव में छापेमारी की और करीब 50 संदिग्धों को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने मंगलवार को सिपाही की हत्या के मामले में जावेद, मुरसलीन, इनाम, महताब, मेहराज, मोहम्मद जावेद,हसीन,मुरसलीन खान और अब्दुल रहमान को गिरफ्तार कर लिया। अब्दुल रहमान पुलिस मुठभेड़ में गोली लगने से घायल हुआ है। इसके अलावा सोमवार रात नाहल गांव से हिरासत में लिए गए 50 से अधिक संदिग्धों में 31 लोगों को मंगलवार को शांतिभंग में गिरफ्तार किया गया। इन सभी को मसूरी,वेव सिटी,मोदीनगर और निवाड़ी थाने से एसीपी की कोर्ट में भेजा गया,जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। डीसीपी ग्रामीण सुरेन्द्र नाथ तिवारी ने बताया कि सिपाही की हत्या में लगातार कार्रवाई जारी है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही। सिपाही की हत्या के बाद कादिर के परिजन घर छोड़कर फरार हो गए। वह घर को खुला ही छोड़ गए। पुलिस अब तक उनका कोई सुराग नहीं लगा सकी है, जबकि काादिर का भाई मुकदमे में नामजद है। कादिर के खुले घर के बाहर पीएसी के जवान तैनात हैं। गांव के अन्य स्थानों पर भी पीएसी के जवानों की क्रमवार ड्यूटी लगाई जा रही है। दबिश की सूचना लीक तो नहीं हुई,जांच जारी गाजियाबाद के नाहल गांव में दबिश देने की सूचना कहीं लीक तो नहीं हुई थी।

जमीन की शिकायत लेकर पहुंचे किसान को लेखपाल ने दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

नईदिल्ली, एजेंसी। नोएडा में एक किसान से बदसलूकी का मामला सामने आया है। सदर तहशील में तैनात लेखपाल ने जीमन की शिकायत लेकर पहुंचे किसान पर अपना गुस्सा उतार दिया। यही नहीं उसने किसान को गालियां दीं और दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। पूरी घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सदर की एसडीएम चारुल यादव ने लेखपाल सुनील के खिलाफ जांच शुरू कर दी है। मंगलवार को सदर तहसील के पाली गांव के एक शिकायतकर्ता किसान राजू ने आरोप लगाया कि उन्हें केवल इसलिए दौड़ा-दौड़ा कर पीटा गया,क्योंकि उन्होंने लेखपाल के खिलाफ उनके खेत की पैमाइश न करने की शिकायत की थी। राजू ने शिकायत की थी कि रुहल्लापुर गांव में उनकी चार बीघा मीन है और वह पिछले एक साल से संबंधित अधिकारियों से मीन की पैमाइश के लिए अनुरोध कर रहे हैं,लेकिन अब तक कुछ नहीं किया गया है। सामने आए तीन वीडियो में कुछ निजी कर्मचारी के रूप में पहचाने गए लोग भी किसान को पीटते हुए दिखे। एसडीएम (सदर) चारुल यादव ने कहा,÷इसकी जांच की जा रही है और जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

न्याय की दिशा में मजबूत कदम; रेखा सरकार ने 1984 के सिख दंगा पीड़ितों को दी नौकरी

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 1984 के सिख विरोधी दंगों के पीड़ित परिवारों के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए उनके आश्रितों को सरकारी नौकरियों के नियुक्ति पत्र सौंपे। दिल्ली सचिवालय में आयोजित इस भावनात्मक समारोह में कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा,दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका और पीड़ित परिवारों के सदस्य मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि 1984 के दंगे भारत के इतिहास का एक दुखद अध्याय हैं। इनमें अपनों को खोने वालों के दर्द की कोई भरपाई नहीं हो सकती। यह नियुक्तियां केवल नौकरियां नहीं, बल्कि 40 साल के संघर्ष के बाद न्याय और सम्मान का प्रतीक हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि 125 परिवारों के लिए नौकरियां स्वीकृत की गई हैं, जिनमें से 19 लोग अपनी सेवाएं शुरू कर रहे हैं। यह कदम पीड़ितों की गरिमा और अधिकारों की बहाली का संदेश देता है। मुख्यमंत्री ने कश्मीरी विस्थापित परिवारों के लिए हरसंभव सहायता और इमरजेंसी में लोकतंत्र के लिए संघर्ष करने वालों को सम्मान देने का भी वादा किया। साथ ही कहा कि कोविड पीड़ित परिवारों के लिए एक विशेष समिति गठित की गई है।

न्याय की दिशा में एक मजबूत कदम : समारोह के दौरान मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा

ने इसे व्यक्तिगत जीत बताते हुए कहा कि यह न्याय की दिशा में एक मजबूत कदम है। उन्होंने कहा कि पहले की सरकारों ने पीड़ितों को अनदेखा किया, लेकिन हमारी सरकार ने 100 दिनों में वह कर दिखाया, जो दशकों में नहीं हुआ। न्याय दिलाने में डीएसजीएमसी की अहम भूमिका सोमवार को 1984 के सिख दंगों के पीड़ित परिवारों के सदस्यों को नौकरी के नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। इस कार्य में दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) ने अहम भूमिका निभाई। पीड़ित परिवारों के सदस्यों को नियुक्ति पत्र सौंपने के दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मोदी सरकार की संवेदनशीलता और डीएसजीएमसी की लगातार कोशिशों की सराहना की। डीएसजीएमसी ने बीते वर्षों में लगातार पीड़ित परिवारों की पहचान,दस्तावेजीकरण और पुनर्वास की दिशा में काम किया। कमेटी के प्रधान हरमीत सिंह कालका और महासचिव जगदीप सिंह काहलों ने आयोजन की व्यवस्था संभाली। मुख्यमंत्री ने कहा कि डीएसजीएमसी के सहयोग से आज जो पहल हुई है, वह केवल रोजगार देने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि 1984 के घावों पर मरहम रखने का प्रयास है। सिरसा ने कहा कि अब तक 600 से अधिक पीड़ित परिवारों की पहचान की गई है और उन्हें दिल्ली सरकार की ओर से नौकरी दी जाएगी। कार्यक्रम में डीएसजीएमसी के वरिष्ठ सदस्य आत्मा सिंह लुबाना सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

दो भारतीय शांति रक्षकों को संयुक्त राष्ट्र मरणोपरांत करेगा सम्मानित, मिशन के दौरान दिया सर्वोच्च बलिदान

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र दो भारतीय शांतिरक्षकों को मरणोपरांत सम्मानित करेगा। दोनों भारतीय शांतिरक्षक अपने कर्तव्य को निभाने के दौरान बलिदान हो गए थे। यह सम्मान समारोह 29 मई को अंतरराष्ट्री शांति रक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित किया जाएगा। जिन दो भारतीय शांतिरक्षकों को सम्मानित किया जाएगा, उनमें ब्रिगेडियर जनरल अमिताभ झा और हवलदार संजय सिंह शामिल हैं। इन दो भारतीय सैनिकों को मरणोपरांत किया जाएगा सम्मानित ब्रिगेडियर जनरल अमिताभ झा, यूएन डिसइंगेजमेंट ऑब्जर्वर फोर्स और हवलदार संजय सिंह यूएन स्टैबलाइजेशन मिशन, कांगो में तैनात थे। दोनों को मरणोपरांत डैग हैमर्सजोल्ड मेडल से सम्मानित किया जाएगा। भारत संयुक्त राष्ट्र शाति सेना में चौथा सबसे ज्यादा योगदान करने वाला देश है। फिलहाल विभिन्न यूएन शांति रक्षक अभियानों में भारत के 5300 सैन्य और पुलिस जवान तैनात हैं। ये सैनिक अबेई, सेंट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक, डेमोक्रेटिक रिपब्लिकन ऑफ कांगो, लेबनान, सोमालिया, साउथ सूडान और वेस्टर्न सहारा जैसे देशों में तैनात हैं। 29 मई को होने वाले सम्मान समारोह में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनिया गुटेरेस 1948 से अब तक संयुक्त राष्ट्र मिशन में बलिदान हुए 4,400 शांति रक्षकों की याद में पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। सम्मान समारोह में कुल 57 सैन्य, पुलिस और सामान्य नागरिक शांति रक्षकों को मरणोपरांत सम्मानित किया जाएगा। ये 57 शांति सैनिक बीते साल विभिन्न यूएन मिशन में बलिदान हुए। बीते साल भारतीय सेना की मेजर राधिका सेन को 2023 यूएन मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर अवार्ड से सम्मानित किया गया था। 2024 का मिलिट्री जेंडर एडवोकेट सम्मान घाना के स्क्वाड्रन लीडर शैरोन मिनसोटे और यूएन की महिला पुलिस अधिकारी सिएरा लिओन की सुपरीटेंडेंट जैनब गबला को दिया जाएगा। साल 1948 से शांति सेना विभिन्न संघर्ष जोन्स में तैनात अंतरराष्ट्रीय संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिक दिवस की शुरुआत साल 2002 में की गई थी। यह दिन शांति मिशन के दौरान सेवा करने वाले सैनिकों के सम्मान में मनाया जाता है। साल 1948 में पहली बार पश्चिम एशिया में इस्राइल और अरब देशों के बीच हुए युद्ध में शांति सैनिकों की तैनाती की गई थी। उसके बाद से दुनियाभर में करीब 20 लाख शांति सैनिक 71 ऑपरेशन में सेवाएं दे चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र शांति सेना में 68 हजार महिला और पुरुष सैनिक हैं, जो अफ्रीका, एशिया, यूरोप और पश्चिम एशिया में 11 संघर्ष जोन्स में तैनात हैं। फिलहाल दुनिया के 119 देशों के सैनिक संयुक्त राष्ट्र की शांति सेना में सेवाएं दे रहे हैं।

आग से मत खेलो, डोनाल्ड ट्रंप के बयान से भड़का रूस; दे डाली तीसरे विश्व युद्ध की धमकी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूस और यूक्रेन के बीच किसी भी हालत में सीजफायर कराना चाहते हैं, लेकिन रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इसके लिए तैयार नहीं हैं। ऐसे में ट्रंप पुतिन से खफा हैं। ऐसे में ट्रंप ने पुतिन से दो टूक कह दिया था कि हमारी बात नहीं मानकर वे आग से खेल रहे हैं। लेकिन अब रूस ने ट्रंप की इस धमकी का करारा जवाब दिया है और तीसरे विश्वयुद्ध की धमकी तक दे डाली है। रूस की सिक्योरिटी काउंसिल के डिप्टी चेयर दिमित्री मेदवेदेव ने कहा कि ट्रंप ने पुतिन के बारे में कहा है कि वे आग से खेल रहे हैं और रूस के साथ वह कुछ बुरा कर सकते हैं। उन्होंने कहा, मैं एक ही बुरी चीज जानता हूं और वो है तीसरा विश्वयुद्ध। उम्मीद है कि ट्रंप इसे समझते हैं। जिस तरह से ट्रंप द्वारा आग से खेलने वाला बयान दिया गया और फिर रूस की तरफ से प्रतिक्रिया आई है, इससे यह साफ हो गया है कि दोनों देशों के बीच सबकुछ सामान्य नहीं है। इससे पहले भी ट्रंप ने पुतिन पर भड़कते हुए कहा था, पुतिन को समझना चाहिए कि अगर मैं नहीं होता तो रूस के साथ अब तक बहुत बुरी चीज हो चुकी होती। मेरा मतलब है वाकई में बहुत बुरी चीज। वह आग से खेल रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने मीडिया से बात करते हुए कहा था, मैं पुतिन को

काफी लंबे समय से जानता हूं और हमारे संबंध अच्छे रहे हैं। लेकिन अब वह रॉकेट दाग रहे हैं, शहरों पर हमला कर रहे हैं और लोगों को मार रहे हैं। मुझे यह बिल्कुल पसंद नहीं आ रहा है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता इस आदमी को क्या हो गया है। हम बातचीत कर रहे हैं और वे कीव व अन्य शहरों पर मिसाइलें बरसा रहे हैं। कुछ तो गड़बड़ है। ये सब बिल्कुल भी अच्छा नहीं लग रहा है। ट्रंप ने पुतिन को क्रेजी बताते हुए कहा था कि वे बेवजह बहुत सारे लोगों को मार रहे हैं और मैं सिर्फ सैनिकों की बात कर रहा हूं। बिना किसी कारण यूक्रेन के शहरों में मिसाइल और ड्रोन दागे जा रहे हैं। उन्होंने कहा, मैंने हमेशा कहा है कि उन्हें यूक्रेन का सिर्फ एक टुकड़ा नहीं, बल्कि पूरा यूक्रेन चाहिए और शायद यह सही साबित हो रहा है।

हमें बचा लीजिए, पाकिस्तानी नेता ने पीएम मोदी से लगाई गुहार; कहा- आप ही हैं आखिरी उम्मीद

लंदन एजेंसी। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान और पीओके में ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया था, जिसके बाद पाकिस्तान ने भारत पर ड्रोन और मिसाइल से हमले की कोशिश की थी। इसके बाद से दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा हुआ है। इस बीच पाकिस्तान के निर्वासित नेता और मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट के फाउंडर अल्ताफ हुसैन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मदद की गुहार लगाई है। उन्होंने पीएम मोदी से मुहाजिरों को बचाने का अनुरोध किया है। अल्ताफ हुसैन ने पीएम मोदी से अनुरोध करते हुए कहा कि बंटवारे के बाद भारत से आकर पाकिस्तान में बसे उर्दू बोलने वाले शरणार्थियों यानी मुहाजिरों के उत्पीड़न का मुद्दा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाए। लंदन में एक कार्यक्रम के दौरान हुसैन ने यह अपील की।

क्या हो सकते हैं पाकिस्तान के दो टुकड़े? इस शर्त पर अलग देश बन सकता है बलूचिस्तान

क्वेटा, एजेंसी। पाकिस्तान के सबसे बड़े प्रांत बलूचिस्तान ने अपने लिए अलग देश घोषित कर दिया है। इसके साथ ही उसने भारत समेत दूसरे अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भी मदद मांगी है। मीर यार बलूच दिल्ली में बलूच दूतावास खोलना चाहते हैं। तो सवाल यह है कि किस आधार पर किसी देश को अलग देश का दर्जा दिया जाता है और बलूचिस्तान के लिए यह सफर कितना मुश्किल है। अगर किसी भी नए देश को संयुक्त राष्ट्र ने मान्यता नहीं दी तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उस क्षेत्र को देश नहीं माना जा सकता है. अगर देश का दर्जा अलग है तो उसके पास एक निश्चित क्षेत्र, एक स्थायी आबादी और एक सरकार होनी चाहिए। इसके अलावा यह अंतरराष्ट्रीय कानून के मुताबिक है। बलूचिस्तान की आजादी के लिए संयुक्त राष्ट्र की मदद के साथ-साथ दुनिया बड़े देशों और प्रमुख शक्तियों का साथ जरूरी होगा. अंतरराष्ट्रीय कानून के मुताबिक राज्यों के लिए न्यूनतम मानक तय किए जाते हैं। इसके अलावा यह भी सुनिश्चित किया जाता है कि आपका किसी दूसरे देश के साथ कोई विवाद या मनमुटाव न हो। बलूचिस्तान और पाकिस्तान की लड़ाई कई दशक से चली आ रही है. वहीं पाकिस्तानी सरकार और सेना का दमन बलूच में बढ़ता ही गया है. बीएलए और बीएलएफ पाकिस्तान में सालों से लड़ रहे हैं. साथ ही एक औपचारिक सरकार होनी चाहिए जो देश चलाने के फैसले लेने, कानून बनाने और उन्हें लागू करने के लिए जिम्मेदार हो। इसके अलावा दूसरे देशों के साथ रिश्ते बनाने की क्षमता भी होनी चाहिए। बलूचिस्तान की

राह में रोड़े इसलिए हैं क्योंकि पाकिस्तान बलूचिस्तान को अलग देश बनाने के लिए कभी राजी नहीं होगा। क्योंकि यह पाकिस्तान का 44प्रतिशत हिस्सा है। अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार राज्य के लिए न्यूनतम मानक तय किए जाते हैं. इसके अलावा यह भी सुनिश्चित किया जाता है कि आपका किसी अन्य देश के साथ कोई विवाद या तकरार न हो. बलूचिस्तान और पाकिस्तान के बीच दशकों से युद्ध चल रहा है। साथ ही बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सरकार और सेना का दमन भी बढ़ता जा रहा है। बीएलए और बीएलएफ कई सालों से पाकिस्तान में लड़ रहे हैं। बलूचिस्तान की आजादी के लिए संयुक्त राष्ट्र की मदद के साथ-साथ दुनिया के बड़े देशों और बड़ी ताकतों का समर्थन भी जरूरी होगा।

बीएसएल के सीएसआर के तहत परिक्षेत्रीय गाँव बिशुनपुर में निःशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बीएसएल के सीएसआर के तहत बालीडीह के परिक्षेत्रीय गाँव बिशुनपुर में एक निःशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया. इस कैंप में कुल 225 मरीजों का का इलाज किया गया. कैंप में मरीजों का मधुमेह, ब्लड प्रेशर, हीमोग्लोबिन, मलेरिया इत्यादि की निःशुल्क जाँच की गई तथा दवा का वितरण किया गया. कैंप में चौदह (14) मरीजों को नेत्र परीक्षण के उपरांत मोतियबिंद के ऑपरेशन हेतु बीएसएल के बोकारो जनरल हॉस्पिटल में रेफर किया गया. कैंप में बोकारो जनरल हॉस्पिटल के चिकित्सक डॉ साकेत मिश्रा, डॉ असित, डॉ नितेन्द्र, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ ममता, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ जया, डॉ शीतल, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ सुशील कुमार एवं डॉ अनुपमा शर्मा, दन्त रोग विशेषज्ञ डॉ नीलम, डॉ मधुमिता श्रीवास्तव, कान, नाक तथा गला विभाग से डॉ अमरेंद्र कुमार, सर्जरी विभाग से डॉ मो.अफसार आलम एवं डॉ सौरभ तथा चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ विनोद उपस्थित थे. इस कैंप के सफल आयोजन में बीएसएल के सी एस आर विभाग के महाप्रबंधक (सीएसआर) श्री बी बनर्जी एवं उनके सहयोगी श्री एस सी तिवारी, श्री संजीव सिंह, श्री संतोष कुमार तथा पीरामल स्वास्थ्य के मोबाइल मेडिकल टीम का काफी सराहनीय योगदान रहा.

मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में एबीबी ड्राइव्स (ACS-880) पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में एबीबी ड्राइव्स (ACS -880) पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 28 -30 मई तक के लिए बी एस एल के अनुभवी फैकल्टी के सहयोग से किया जा रहा है. कार्यक्रम में विभिन्न विभागों से कुल 20 प्रशिक्षणार्थी शामिल हुए हैं. कार्यक्रम के उदघाटन सत्र मे मुख्य महाप्रबंधक (विद्युत) देवाशीष सरकार, मुख्य महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) सुश्री नीता बा, महाप्रबंधक (ई टी एल) हरिहर राउत उपस्थित थे. सर्वप्रथम जय नारायण यादव, प्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) ने सभी प्रतिभागियों तथा मुख्य अतिथियों का स्वागत किया तथा इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के संबंध में जानकारी दी. मुख्य महाप्रबंधक (विद्युत) श्री देवाशीष सरकार ने अपने सम्बोधन में कहा कि औद्योगिक प्रयोग में लाये जाने वाले मोटर को स्मार्ट, सुरक्षित और कुशल तरीके से नियंत्रित करना संयंत्र के उत्पादन प्रक्रिया के लिए अनिवार्य है तथा इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल प्रशिक्षणार्थियों को इसके बारे में विस्तृत जानकारी मिलेगी. मुख्य महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) सुश्री नीता बा ने सभी प्रतिभागियों से इस कार्यक्रम को अन्तः क्रियात्मक बनाकर अधिकतम ज्ञान अर्जित करने तथा अपने अर्जित ज्ञान को विभाग के लोगों के साथ साझा करने का अनुरोध किया. कार्यक्रम का संचालन तथा धन्यवाद ज्ञापन जय नारायण यादव, प्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) ने किया. कार्यक्रम के आयोजन मे ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के वरीय ऑपरेटर नवनीत कुमार सिंह, तथा ओ सी टी टी श्री भीम प्रसाद का योगदान सराहनीय रहा.

माहवारी स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

विश्व मासिक स्वच्छता दिवस कार्यक्रम

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सहयोगिनी संस्था द्वारा माहवारी स्वच्छता दिवस के अवसर पर जागरूकता एवं पोस्टर मेकिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कसमार प्रखंड के टांगटोना, दुगार्पुर, सोनपुरा तथा गरी पंचायत में विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता सहित जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर किशोरियों के बीच माहवारी स्वच्छता की जानकारी दी गई। इस दौरान सहयोगिनी की सचिव कल्याणी सागर ने बताया कि किशोरी तथा महिलाओं को उनके मासिक धर्म के बारे में जानकारी प्रदान करने और स्वच्छता से संबंधित चुनौतियों का समाधान खोजने के लिए आज के दिन मासिक स्वच्छता दिवस मनाया जाता है। इस दौरान स्वच्छता से संबंधित उत्पादों की उपलब्धता, स्वच्छता सुविधाओं की पहुंच, और मासिक धर्म से संबंधित शिक्षा के महत्व पर चर्चा किया गया। 2014 में "वॉश युनायटेड ऑफ जर्मनी" ने मासिक धर्म स्वच्छता दिवस मनाने की शुरूआत की थी। सहयोगिनी कि समन्वयक कुमारी किरण ने कहा कि माहवारी स्वच्छता का उद्देश्य है कि किशोरियों और महिलाओं को सुरक्षित और स्वच्छ मासिक धर्म का सही सूचना और सुविधाये मिले । उन्होंने कहा कि आइए हम सब एक साथ मिल कर माहवारी पर जागरूकता फैलाएं । कार्यक्रम के दौरान कसमार प्रखंड की किशोरियो को संबोधित करते हुए सहयोगिनी की रेखा देवी ने कहा कि बाल विवाह तथा किशोरी स्वास्थ्य को लेकर संस्था द्वारा लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान बताया गया कि सरकार द्वारा किशोरियो के स्वास्थ्य के लिए विभिन्न प्रकार की किशोरी संबंधित योजनाऐं है, जिसका किशोरियां लाभ उठा सकती है। सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना से किशोरियों का भविष्य को निश्चित किया जा सकता है। इस दौरान स्वाति कुमारी, पायल कुमारी, सूर्यमुनि देवी, शीतल कुमारी, कोमल कुमारी,कल्पना कुमारी, ममता कुमारी, आरती कुमारी, संगीता कुमारी, पूजा कुमारी, पार्वती कुमारी, नेहा कुमारी, कुंती कुमारी, कमली देवी, सुलोचना देवी संस्कृति कुमारी, लवली कुमारी, लक्ष्मी कुमारी आदि उपस्थित थे।

उपायुक्त बोकारो को पत्र लिख दोषियों पर कार्रवाई की मांग

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। चंदनकियारी प्रखंड प्रमुख निवारण सिंह चौधरी ने उपायुक्त बोकारो के नाम पत्र प्रेषित कर विगत साल के जून माह में खाद्यान्न घोटालेबाजो और खुद को मार्केटिंग ऑफिसर बताने वाले मनोज माहथा, उनके भाई सुमन माहथा पर कार्रवाई करने की मांग की है। मामले का अनुसंधानकर्ता पप्पू कुमार मेहता पर अनुसंधान पर लापरवाह बरतने का आरोप लगाया है। बोकारो उपायुक्त को पत्र प्रेषित कर करवाई की मांग की हैं। चंदनक्यारी थाना कांड संख्या 129 / 24 में दैनिक अनुसंधान के तहत अनुसंधानकर्ता द्वारा एक साल होने के वावजूद चार्जशीट कोर्ट में दाखिल नहीं किया गया हैं. जिला प्रशासन के आदेश का अवहेलना कर नियम को ताक पर रखकर काम किया जा रहा है। जांच अंचलाधिकारी सह प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी चंदनकियारी रवि कुमार आनंद की अगुवाई में एक जांच टीम कर रही थी, और दोषियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की बातें कही गई।

संत जेवियर्स स्कूल में दस दिवसीय समर कैंप का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी बोकारो के सेंट जेवियर्स विद्यालय में ग्रीष्मकालीन शिविर का एक आयोजन हुआ। यह शिविर 16 मई से 27 मई 2025 तक चला और इसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। इस कार्यक्रम में लगभग 500 बच्चों की भागीदारी रही। गर्मी की छुट्टियों में आयोजित यह शिविर बच्चों के लिए केवल खेल और मस्ती का साधन नहीं होता बल्कि यह उन्हें जीवन की अनमोल शिक्षा देने वाला एक सुंदर अनुभव बन जाता है। विद्यार्थियों को खेलकूद के प्रति जागरूक करने के लिए विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया, जैसे झ फुटबॉल, क्रिकेट, बैडमिंटन, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, खो-खो, कराटे। इस वर्ष दो और खेलों कबड्डी और स्विमिंग को जोड़ा गया। इसके अलावा अन्य गतिविधियों का भी आयोजन किया गया जैसे म्यूजिक, कर्सिव लिखावट और जुंबा। विद्यालय द्वारा आयोजित यह ग्रीष्मकालीन शिविर में विद्यालय के प्रधानाचार्य महोदय फादर अरुण मिंज, एस.जे. ने कहा कि यह समर कैंप बच्चों के योग्यता को उभारने में वास्तविक रूप से सहायता करता है। खेल और अन्य गतिविधियाँ शरीर को तंदुरुस्त रखती हैं और मानसिक तनाव को भी दूर करती हैं। बच्चों को मोबाइल, टीवी आदि से दूर रखकर प्रकृति और असली जीवन से जोड़ती है। फादर अरुण ने बताया कि जिस प्रकार जल मछली के जीवन के लिए मायने रखती है उसी प्रकार से हर विद्यार्थी के जीवन में शारीरिक गतिविधि अत्यन्त महत्वपूर्ण है जो कि विद्यार्थियों को आगे बढ़ने में सक्षम बनाता है। दस दिनों से चल रहे इस समर कैंप में विद्यालय द्वारा हर खेल के विशेषज्ञ को बुलाया गया था जिन्होंने विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया। इस कार्यक्रम का सफलता का श्रेय विद्यायल प्रबंधन के साथ-साथ वरिष्ठ खेल शिक्षक शशि सर एवं अमृत लता को जाता है। समापन समारोह में विद्यालय के प्रधानाचार्य फॉदर अरुण मिंज, एसजे के साथ प्लस टू के उप-प्रधानाचार्य देवाशीष गुप्ता एवं हाई स्कूल के उप-प्रधानाचार्य दीपक चौधरी मौजूद रहे ।

संक्षिप्त समाचार

चंदन-वंदन के साथ सम्मानित किया गया मेधावी छात्रों को

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सरस्वती विद्या मंदिर 3 सी में सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें कक्षा 10वीं व 12वी के सफल छात्रों को सम्मानित किया गया। दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन के साथ कार्यक्रम प्रारंभ हुआ।। मुख्य अतिथि संकुल के संयोजक मारकंडे पांडे एवं विद्यालय की कोषाध्यक्ष। स्वाति श्री जी तथा विद्यालय के प्राचार्य संजीव कुमार दीप प्रज्वलन का कार्य संपन्न किया। कक्षा दशम में 91% अंक लाकर विद्यालय टॉपर रहे यतीश राज जबकि मौसम रानी 89.4% लाकर द्वितीय टॉपर बनी,कौशल राज 89.2 प्रतिशत लाकर तृतीय टॉपर बने। विद्यालय के 20 भैया बहनों को किया गया सम्मानित कार्यक्रम की भूमिका रखते हुए प्राचार्य ने कहा कि आज वैसे प्रतिभाशाली बच्चों का सम्मानित करने का अवसर है जिन्होंने विद्यालय एवं अपने परिवार को गौरवान्वित किया है। इन छात्रों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन न सिर्फ पढ़ाई में बल्कि अपनी रुचि के विषम खेलकूद, प्रश्नमंच, संगीत और अन्य क्षेत्रों में भी किया है। इस समारोह में विद्यालय के प्रबंधकारिणी समिति के सदस्य, शिक्षक और छात्र उपस्थित थे। प्राचार्य ने संदेश दिया कि परिश्रम करेंगे तो सफलता मिलना तय है।

सीएचओ और सहिया स्वास्थ्य विभाग की रीढ़ः सिविल सर्जन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिला स्वास्थ्य समिति के तत्वाधान में बुधवार को सेक्टर टू स्थित कला केंद्र में जिला स्तरीय सहिया सम्मेलन सह सीएचओ सम्मान समारोह 2025 का आयोजन किया गया। समारोह का उद्घाटन सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद समेत अन्य चिकित्सा पदाधिकारियों/अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर सिविल सर्जन ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को प्रभावी बनाने में सीएचओ और सहियाओं की अहम भूमिका होती है। सीएचओ और सहिया स्वास्थ्य विभाग की रीढ़ के रूप में जानी जाती हैं। उन्होंने कहा कि समारोह के माध्यम से सीएचओ और सहियाओं के अनुभव एवं दायित्व निष्पादन के दौरान आने वाली दिक्कतों को समझने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम में बोकारो जिले के विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर कार्य प्रदर्शन करने वाले 80 सहियाओं को पुरस्कृत किया गया। सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद ने कहा कि संस्थागत प्रसव कराने, परिवार नियोजन को बेहतर करने सहित कई कार्यों में सीएचओ और सहियाओं का सहयोग सराहनीय रहा है। उन्होंने सभी स्वास्थ्य सीएचओ और सहियाओं को आगे भी अधिक समर्पित भाव से कार्य करने को प्रेरित किया। वहीं समारोह में जिला कार्यक्रम प्रबंधक दीपक कुमार ने कहा कि जिले को टीबी मुक्त बनाने में अपनी अग्रणी भूमिका निभाकर सीएचओ और सहिया अपना योगदान दे सकते हैं। जिस लगन से आप ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं का लाभ दिलाने में सहायता प्रदान करते हैं।

मोहल्ला गोष्ठी मे महिलाओं को दी गई उनके अधिकारों की जानकारी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बुधवार को संस्था महिला शिशु जन विकास समिति इस्पात नगर बोकारो द्वारा संचालित परिवार परामर्श केंद्र चास बोकारो के द्वारा बाऊरी टोला मनसा मंदिर परिसर में मोहल्ला गोष्ठी बैठक का आयोजन संस्था के सचिव आरती जायसवाल के नेतृत्व में किया गया। बैठक में महिला के घरेलू हिंसा,एवं महिला उत्पीड़न मामले पर चर्चा किया गया। मौके पर संस्था के सचिव आरती जायसवाल ने कहा कि परिवार परामर्श केंद्र महिलाओं और उनके परिवारों को परामर्श सेवाएं प्रदान करने वाले केंद्र होते हैं, जो घरेलू हिंसा, वैवाहिक विवाद, बच्चों के मुद्दे, और अन्य पारिवारिक समस्याओं से जूझ रहे लोगों को सहायता प्रदान करते हैं.

पुलिस ने अवैध विदेशी शराब की खेप पकड़ी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो पुलिस को मिली गुप्त सूचना पर की गई त्वरित कार्रवाई में अवैध विदेशी शराब की बड़ी खेप पकड़ी गई है। पुलिस अधीक्षक को सूचना मिली थी कि भतुआ की ओर से एक युवक मोटरसाइकिल पर विदेशी शराब लेकर आ रहा है। इस सूचना के आधार पर नगर पुलिस उपाधीक्षक के निर्देशानुसार हरला थाना प्रभारी अनिल कच्छप के नेतृत्व में त्वरित कार्रवाई की गई। हरला थाना की प्रातःकालीन टाइगर मोबाइल टीम ने भतुआ रेलवे फाटक के पास चेकिंग अभियान शुरू किया। इसी दौरान मोटरसाइकिल से आ रहे युवक को रुकने का इशारा किया गया, लेकिन वह वापस भतुआ गाँव की ओर भागने लगा। पुलिस ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। गिरफ्तार युवक की पहचान सूरज कुमार उर्फ सुरज महतो, उम्र लगभग 27 वर्ष, पिता जवाहर लाल महतो के रूप में हुई है। आरोपी वर्तमान में ग्राम करमाटाड़, सेक्टर 09 हटिया मोड़, थाना हरला, जिला बोकारो का निवासी है, जबकि उसका स्थायी पता ग्राम तेलो देवानबांध, थाना चंद्रपुरा है। तलाशी के दौरान उसके पास से 375 मिलीलीटर की 55 बोतलें बरामद की गईं। जब उससे शराब के कागजात मांगे गए, तो वह कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दे सका। पुलिस ने सूरज कुमार को हरला थाना कांड संख्या 80/2025 के तहत बीएनएस की धारा 274, 275, 292 एवं उत्पाद अधिनियम की धारा 47(ए) के तहत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

अपराधों के अनुसंधान में आधुनिक तकनीक का होगा इस्तेमाल : एसपी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो में नए पुलिस अधीक्षक के रूप में हरविंदर सिंह ने योगदान दिया है। हरविंदर सिंह बोकारो के 41वें एसपी होंगे। हरविंदर सिंह को एसपी मनोज स्वर्गियरी ने पदभार सौंपा। बोकारो सर्किट हाउस में हरविंदर सिंह के आगमन पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया उसके बाद उन्होंने बोकारो एसपी ऑफिस पहुंचकर पदभार ग्रहण किया। दोनों ही सपा ने एक दूसरे को गुलदस्ता देकर एक दूसरे को भविष्य की शुभकामनाएं दी। हरविंदर सिंह ने कहा कि जिस प्रकार से बोकारो को नक्सली मुक्त करने के लिए कार्रवाई की जा रही थी उसे गति देने का काम किया जाएगा आर्थिक अपराध और संगठित अपराध को रोकने के लिए आधुनिक तरीके से पुलिसिंग की जाएगी। हम लोगों के साथ पुलिस का रिश्ता बेहतर हो इस पर मेरा फोकस रहेगा क्योंकि सरकार का चेहरा पुलिस होती है ऐसे में पुलिस की कार्यशैली पर हमारी नजर हमेशा रहेगी आम लोगों को तकलीफ नहीं हो इस पर सभी पदाधिकारी को दिशा निर्देश भी दिया जाएगा। निवर्तमान एसपी मनोज स्वर्गियरी ने कहा कि बोकारो में मेरा अनुभव काफी अच्छा रहा। पूरे टीम वर्क के साथ बोकारो में काम किया गया। नक्सली के क्षेत्र में हो या फिर अपराध के उद्वेदन में क्योंकि बिना टीम भावना से कोई सफल नहीं हो सकता है। हमें उम्मीद है कि हमारे बैचमेट और मित्र बोकारो जिले में हमसे भी बेहतर काम करेंगे।

बोकारो हवाई अड्डे के संचालन की राह हुई आसान

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो विधायक श्वेता सिंह के आग्रह पर केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने बोकारो हवाई अड्डे के संचालन को लेकर महत्वपूर्ण कदम उठाया है। आज नई दिल्ली स्थित कुशक रोड पर केंद्रीय मंत्री के आवास पर विधायक श्वेता सिंह ने मुलाकात कर बोकारो की जनसमस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान सबसे अहम मुद्दा रहा बोकारो हवाई अड्डे के शीघ्र परिचालन का। मंत्री कुमारस्वामी ने तत्क्षण एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया और सेल के अधिकारियों से फोन पर बात कर एम.ओ.यू हस्ताक्षर की प्रक्रिया और अन्य तकनीकी जरूरतों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। मंत्री ने भरोसा दिलाया कि बोकारो हवाई अड्डा जल्द ही आम जनता के उपयोग के लिए शुरू किया जाएगा। बैठक में विधायक श्वेता सिंह ने बोकारो स्टील प्लांट से जुड़े कई लंबित मुद्दों पर भी ध्यानाकर्षण कराया। विधायक ने कहा कि बोकारो के नागरिकों की समस्याओं का समाधान करना उनकी प्राथमिकता है और इस दिशा में प्रयास लगातार जारी रहेंगे। स्वेता सिंह ने कहा, जनता की मांगों का हल करना हमारा परम कर्तव्य है। बहुत जल्द बोकारो के लोगों को खुशखबरी मिलेगी।"

नीलम मिश्रा बनीं झामुमो की केंद्रीय मीडिया पैनलिस्ट सदस्य

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बुधवार को झामुमो धनबाद जिला समिति द्वारा संगठन की कर्मठ,जुझारू एवं समर्पित नेत्री डॉ नीलम मिश्रा को झारखण्ड मुक्ति मोर्चा में केन्द्रीय मीडिया पैनलिस्ट सदस्य के रूप में पुनः मनोनीत किए जाने पर बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित किया। जिला समिति की ओर से कहा गया कि यह नियुक्ति पार्टी की नीतियों, सिद्धांतों एवं संगठनात्मक मजबूती को जन-जन तक पहुँचाने में आपकी प्रभावशाली भूमिका को दर्शाती है। हमें पूर्ण विश्वास है कि आप पुनः अपने दायित्वों का निर्वहन निष्ठापूर्वक, पारदर्शिता और उत्कृष्टता के साथ करेंगी तथा पार्टी के विचारों को राज्य स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक मजबूती से पहुंचाएंगी।

माहवारी स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

हजारीबाग/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। 28 मई को मनाए जाने वाले मासिक धर्म स्वच्छता दिवस के अवसर पर, चट्टी बरियातु कोयला खनन परियोजना ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केरेडारी के सहयोग से माहवारी स्वच्छता पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में स्थानीय किशोरी बालिकाओं और आंगनवाड़ी कार्यकताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य किशोरियों को मासिक धर्म से संबंधित स्वच्छता, भ्रांतियों के निवारण और स्वच्छ जीवनशैली के महत्व के बारे में जानकारी देना था। स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा जानकारीपूर्ण सत्र लिए गए। यह पहल परियोजना की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत आयोजित की गई, जो स्थानीय समुदायों में महिलाओं और किशोरियों के स्वास्थ्य और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

बोकारो में बेचा जा रहा है पत्थर आकार का सेंधा नमक

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो में इन दिनों सेंधा और काले नमक की बिक्री राजस्थान से आए लोगों के द्वारा किया जा रहा है। बड़े-बड़े पत्थरों के आकार के सेंधा नमक की बिक्री की जा रही है। लोग इसकी खरीदारी भी कर रहे हैं।लोगों का कहना है कि सेंधा नमक पूरी तरह से प्राकृतिक और शुद्ध है। यह नमक लाभकारी और गुणकारी भी है। इसके सेवन से ब्लड प्रेशर शुगर सहित अन्य बीमारियां कंट्रोल में रहता हैं। यहां खरीदारी करने आए लोगों का कहना है कि 5 वर्षों से हम लोग सेंधा नमक का इस्तेमाल कर रहे हैं और यह लाभकारी है। क्योंकि सफेद नमक शरीर के लिए हानिकारक साबित हो रही है। इसको बेचने आए लोगों का कहना है कि हम यहां ₹80 प्रति किलो के हिसाब से इसकी बिक्री कर रहे हैं। अगर कोई अधिक लेता है तो उसको थोड़ी काम भी कर देते हैं। इनका कहना है कि हम लोग राजस्थान के गंगानगर से आए हैं ।गंगानगर में बड़े-बड़े व्यापारी इसे पाकिस्तान के सिंध पंजाब से लाने का काम करते हैं जो लाहौर में पड़ता है। बेचने वालों का कहना है कि सेंधा नमक शुद्ध नमक होता है और इसका इस्तेमाल पूजा में भी होता है। इसके सेवन से शरीर में कैल्शियम की कमी को भी दूर किया जा सकता है।

स्वार्थवश कटवाया गया सौ वर्ष पुराना नीम का पेड़

नीम पेड़ के नाम से उस जगह की पहचान थी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। चास मेन रोड स्थित सवा सौ वर्षों से अधिक पुराने नीम के हरे पेड़ को कुछ लोगों ने अपने छोटे स्वार्थ की पूर्ति हेतु चास नगर निगम के सहयोग और वन विभाग से सहमति प्राप्त कर कटवा दिया जिसका इस क्षेत्र के पर्यावरण पर न सिर्फ प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है बल्कि लोगों की आस्था पर भी आघात हुआ है। इस पूरे क्षेत्र की पहचान इस नीम पेड़ से होती थी। साथ ही लोग इसे ऑक्सीजन प्लांट के नाम से भी पुकारने लगे थे । ज्ञात हो कि जहां यह पेड़ था उस इलाके में सघन आबादी के साथ ही सैकड़ों छोटी बड़ी दुकानें हैं परन्तु इने गिने ही पेड़ यहां हैं । राहगीरों सहित पक्षियों को भी इस नीम पेड़ से बहुत राहत थी । इस पेड़ को कटवाकर पर्यावरण को तो नुकसान पहुंचाया ही गया है साथ साथ हरे पेड़ को काटकर अपराध भी किया गया है । इससे भी बड़ी गलती यह की गई है कि पेड़ के कटे हुए भाग को महीनों से मेन रोड के किनारे ही छोड़ दिया गया है जिसके कई कटे टुकड़े सड़क पर भी पड़े हुए हैं जिनके कारण इस अति व्यस्त सड़क पर लोगों के आवागमन में अत्यंत कठिनाई हो रही है तथा जाम लग जा रहा है। इस उपरोक्त पूरे प्रकरण को लेकर स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण संस्थान का सात सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल संस्थान के महासचिव शशि भूषण ओझा 'मुकुल' के नेतृत्व में आज चास नगर निगम के अपर नगर आयुक्त संजीव कुमार सिंह के नाम लिखित ज्ञापन उनकी गैर मौजूदगी में निगम की सहायक नगर आयुक्त प्रियंका दिया। नीम पेड़ के काट दिए जाने के औचित्य पर सवाल उठाया तथा इसे गैर जरूरी बताते हुए अपनी नाराजगी व्यक्त किया। साथ ही यह आग्रह किया कि महीना दिन से भी अधिक पहले से यह पेड़ काट कर मेन रोड पर छोड़ दिया गया है जिस कारण इस व्यस्त सड़क पर हमेशा जाम लग रहा है। यह भी सरासर अनुचित है और पेड़ के टुकड़ों को जल्द से जल्द सड़क पर से हटाया जाए। सहायक नगर आयुक्त द्वारा जल्द समस्या निदान का भरोसा दिया गया। इस ज्ञापन की प्रतिलिपि उपयुक्त बोकारो, उप विकास आयुक्त बोकारो और एस डी ओ चास को भी प्रेषित की गई है। इस सात सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल में रघुवर प्रसाद, शशि भूषण ओझा 'मुकुल', मृणाल कांत चौबे, विजय प्रसाद गुप्ता, वीरेंद्र चौबे, लक्ष्मण प्रसाद और अक्षय दुबे शामिल रहे।

स्वत्वाधिकारी,
प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर-
9431145665
8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या :
JHAHIN/2017/72655
E-mail-
nbtimesbihar@gmail.com